राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार,10सितम्बर 2020 वर्ष-3, अंक -225 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कंगना के दफ्तर में तोड़फोड़ पर बोले पवार, बिना वजह उनके बयान को दिया जा रहा महत्व

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ बीएमसी की कार्रवाई को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने गैर जरूरी बताया है।एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को अभिनेत्री कंगना रनौत का नाम लिए बिना कहा कि उनके बयानों को अनुचित महत्व दिया जा रहा है। पवार ने कहा कि लोग उनकी टिप्पणियों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि इस सप्ताह के शुरू में मिली धमकी को वह गंभीरता से नहीं लेते हैं। कंगना हाल ही में उस समय विवादों में घिर गई जब उन्होंने मुंबई की तुलना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से की और कहा कि उन्हें नगर की पुलिस से ज्यादा डर लगता है।पवार ने संवाददाताओं से कहा, हम ऐसे बयान देने वालों को अनुचित महत्व दे रहे हैं। हमें देखना होगा कि लोगों पर इस तरह के बयानों का क्या प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा, ''मेरी राय में, लोग (ऐसे बयानों को) गंभीरता से नहीं लेते हैं। पवार ने कहा कि महाराष्ट्र और मुंबई के लोगों को राज्य औरनगर की पुलिस के काम के संबंध में ''वर्षों का अनुभव है। नगर की पुलिस के काम के संबंध में ''वर्षों का अनुभव है। उन्होंने कहा, वे (लोग) पुलिस के काम को जानते हैं। इसलिए हमें इस पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है कि कोई क्या कहता है।

पार्टी का संसदीय दल सदन में मोदी सरकार को घेरने की रणनीति , 15 दिन में दूसरी बार सभी वरिष्ठ नेता अपनी राय रखेंगे

चंडीगढ़।

कांग्रेस के संसदीय दल की बैठक मंगलवार को होगी। बैठक की अध्यक्षता पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी करेंगी। इसमें 14 सितंबर से शुरु होने वाले संसद सत्र में पार्टी की रणनीतियों पर चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, सत्र के दौरान पार्टी कोरोना, अर्थव्यवस्था और चीन सीमा विवाद पर सरकार को घेर सकती है। बैठक में राहुल गांधी भी मौजूद होंगे। कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूएसी) की बैठक के बाद यह पहला मौका होगा जब राहुल गांधी और सोनिया गांधी एक साथ पार्टी नेताओं से मुखातिब होंगे। बैठक में इस बात पर भी नजर रखी जाएगी कि सीडब्ल्यूएसी की पिछली बैठक का पार्टी नेताओं पर क्या असर हुआ। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इसमें पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, अहमद पटेल, गुलाम नबी आजाद, एके एंटनी, आनंद शर्मा, अधीर रंजन चौधरी, के सुरेश, केसी वेणुगोपाल, गौरव गोगोई, मणिक्कम टैगोर, मनीष तिवारी और जयराम रमेश शामिल होंगे। राज्यसभा के उपसभापति के लिए विपक्ष उतारेगा संयुक्त उम्मीदवार वहीं कांग्रेस ने मंगलवार को फैसला किया कि विपक्ष राज्यसभा के उपसभापति पद के लिए संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करेगा। इसके लिए कांग्रेस विभिन्न दलों से संपर्क करेगी। यह पद जदयू के जदयू के राज्यसभा सदस्य हरिवंश नारायण सिंह का कार्यकाल समाप्त हो जाने के बाद खाली हो गया है। हरिवंश फिर से बिहार से ही राज्यसभा के सदस्य चुने गए हैं। कांग्रेस सीडब्ल्यूसी की बैठक 24 अगस्त को हुई थी। यह मीटिंग 7 घंटे चली थी। सोनिया गांधी ने बैठक की शुरुआत में ही अंतरिम अध्यक्ष पद छोड़ने की इच्छा जाहिर कर दी थी, इसके बावजूद उन्हें ही यह जिम्मेदारी दी गई। ये जरूर तय कर लिया गया कि नए अध्यक्ष का चयन 6 महीने के भीतर कर लिया जाएगा। बैठक में यह भी फैसला लिया गया था कि कांग्रेस कमेटी का अगला सेशन जल्द से जल्द बुलाया जाएगा, ताकि नए अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया शुरू की जा सके। कांग्रेस के 23 नेताओं ने 23 अगस्त को पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखकर ऊपर से नीचे तक बदलाव करने की मांग की थी। चिट्ठी लिखने वालों में 5 पूर्व मुख्यमंत्री, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य, सांसद और कई

पूर्व केंद्रीय मंत्री शामिल थे। इसमें ऐसे फुल टाइम (पूर्णकालिक) लीडरशिप की मांग की गई थी जो प्रभावी हो और फील्ड में एक्टिव रहे। उसका असर भी दिखे। राहुल गांधी ने इन चिट्ठियों को भाजपा की मिलीभगत से भेजे जाने की बात कही थी। इस पर गुलाम नबी आजाद और कपिल सिब्बल ने आपत्ति जताई थी। बाद में खबरें आईं कि पार्टी ने इस मसले को सुलझा लिया।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब सरकार ने जारी की नई हिदायतें, अब रविवार को ही रहेगा मुकम्मल कर्फ्यू

चंडीगढ़। कोरोना महामारी के चलते पंजाब सरकार की तरफ से अब नए दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। इन आदेशों के मुताबिक रविवार को पंजाब के सभी शहरों में मुकम्मल कर्फ्यू रहेगा। आदेशों में साफ कहा गया है कि नाइट कर्फ्यू दौरान भी किसी तरह की गैर - ज़रूरी आवाजाई नहीं हो सकेगी । पंजाब के सभी 167 शहरों में रविवार को मुकम्मल कर्फ्यू रहेगा। यह आदेश 30 सितंबर तक लागू रहेंगे। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह ने 7 सितम्बर को की एक मीटिंग में कोरोना हालात की समीक्षा की जिसके तहत यह फ़ैसला लिया गया कि 167 शहरों में रविवार को मुकम्मल कर्फ़्यू लागू रहेगा। इससे पहले पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह ने कांग्रेसी विधायकों व मैडीकल विशेषज्ञों द्वारा दिए गए सुझाव का नोटिस लेते हुए शहरी क्षेत्रों में लॉकडाऊन के दौरान कुछ राहत देने की घोषणा की थी जिसमें गैर जरूरी दुकानें शनिवार को खुल सकेंगी तथा सोमवार से शनिवार तक इनके खुला रखने के समय को बढ़ाते हुए रात 9 बजे कर दिया था। अब संशोधित फैसले के अनुसार नाइट कर्फ्यू सभी शहरों व कस्बों में रात 9.30 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक लगेगा।

कंगना रनौत का उद्धव ठाकरे पर सीधा हमला- आज मेरा घर टूटा, कल तुम्हारा घमंड टूटेगा

नेशनल डेस्क। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत बुधवार को अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश मुंबई पहुंचीं। भारी सुरक्षा के बीच कंगना मुंबई एयरपोर्ट से अपने घर के लिए रवाना हुई। वहीं कंगना ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका द्वारा बांद्रा स्थित उनके बंगले में की गई कार्रवाई के वीडियो शेयर किए। वहीं कंगना ने अपने ट्विटर पर वीडियो शेयर करके कहा कि उद्धव सरकार आज मेरा घर टूटा है, कल तुम्हारा घमंड टूटेगा। कंगना ने कहा कि सबका वक्त एक जैसा नहीं रहता। कंगना ने अपने वीडियो में कहा कि वह सिर्फ राम मंदिर पर ही नहीं बल्कि अब कश्मीर पर भी फिल्म बनाएगी। कंगना ने कहा कि आज कश्मीरी पंडितों के दर्द का एहसास हो रहा है। कंगना ने कि साफ नजर आ रहा है कि मुझसे बदला लेने के लिए यह सबकुछ किया गया। कंगना ने कहा कि अच्छा हुआ यह सबकुछ मेरे साथ हुआ है। वहीं संजय राउत जो कंगना को लगातार धमकियां दे रहे थे अब कुछ भी कहने से बच रहे हैं। संजय ने सिर्फ इतना ही कहा कि कंगना पर बदले की भावना से कार्रवाई नहीं की गई है। दूसरी तरफ भाजपा ने शिवसेना और क्चष्ट पर निशाना साधते हुए कहा कि महाराष्ट्र में और भी अवैध निर्माण वाली इमारते हैं, उन पर कब कार्रवाई होगी। बुधवार को भाजपा विधायक आशीष शेलार ने राज्य की उद्धव ठाकरे नीत सरकार पर प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया। शेलार ने कहा कि शिवसेना के नियंत्रण वाली क्चष्ट ने अभिनेत्री के बंगले के कुछ हिस्से को ध्वस्त करने में फुर्ती दिखाई। उन्होंने कहा कि हालांकि, बांद्रा में कुछ ही मीटर दूर स्थित मुख्यमंत्री ठाकरे के निजी आवास मातोश्री में अवैध निर्माण के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

चंबल-ग्वालियर को साधने की तैयारी में बीजेपी, शिव-श्रीमंत की जोड़ी करेंगी चुनावी दौरे

ग्वालियर। मध्य प्रदेश में होने वाले उपचुनाव को लेकर कवायद तेज हो गई है। 27 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के नतीजें ही तय करेंगे कि कांग्रेस की सत्ता में वापसी होगी या फिर बीजेपी सत्ता पर कायम रहेंगी। ऐसे में दोनों ही पार्टियां पूरे दम खम के साथ मैदान में उतर रही हैं। क्योंकि इन 27 सीटों में से सबसे ज्यादा 16 सीटें ग्वालियर चंबल से खाली हैं तो दोनों ही पार्टियों का फोकस ग्वालियर चंबल पर ही रहेगा। इसके लिए सीएम शिवराज सिंह चौहान और राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया की जोड़ी जल्द ही उपचुनाव वाले क्षेत्रों का दौरा करेगी। दरअसल, ग्वालियर चंबल क्षेत्र की 16 विधानसभा सीटों पर सिंधिया-शिवराज दोनों ही साथ रहेंगे। सूत्रों की माने तो इस दौरे में जहां की जनता को शिवराज सरकार 26 सौ करोड़ रुपए के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम के जरिए विकास कार्यों की सौगात देंगे। जिसका दूसरे चरण में शिव-सिंधिया की जोड़ी 17 से 20 सितंबर के बीच 11 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करेगी। हालांकि पार्टी कार्यक्रताओं में चुनावी माहौल बनाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर यहां कार्यकर्ता सम्मेलन कर चुके हैं। शिव-श्रीमंत की जोड़ी के दौरे का पहला इस दौरान यहां लगभग 1600 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का भूमि पूजन और 1000 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा।

चिदंबरम ने सरकार से पूछे सवाल, क्या एक महिला 500 रुपए में घर चला सकती है

नई दिल्ली।

पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने डूबती अर्थव्यस्था को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट में सरकार से पूछा, जन धन खाता रखने वाली महिलाओं (20.6 करोड़) को तीन महीनों में 30,925 करोड़ रुपए या 1500 रुपए मिले। क्या एक गृहिणी 500 रुपए महीने पर एक परिवार चला सकती है? पी चिदंबरम ने कहा कि क्या यह एक प्रवासी और उसके परिवार को बनाए रख सकता था? संख्याएँ साबित करती हैं कि दिया गया धन निस्संदेह और पूरी तरह से अपर्याप्त था और निश्चित रूप से, पैसे की मांग को बढ़ावा देने और अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए एक प्रोत्साहन के रूप में काम नहीं किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि जन धन खाता रखने वाली महिलाओं (20.6 करोड़) को तीन महीनों में 30,925 करोड़ रुपए या 1500 रुपए मिले। क्या एक गृहिणी 500 रुपए महीने पर एक परिवार चला सकती है?प्रवासियों (2.66 करोड़) को 2 महीने में 2.67 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न मिला। यानी 5 किलो प्रति माह। चिदंबरम ने आगे कहा कि पीएम गरीब कल्याण योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी को कितना मिला? क्या यह किसी भी वास्तविक अर्थ या टोकन में राहत था? के तहत

2.81 करोड़ लोगों को 2,814 करोड़ रुपए या प्रति व्यक्ति 1000 रुपए मिले। क्या वह राशि शरीर और आत्मा को एक साथ रख सकती है?

मोदी जी का वादा था 21 दिन में कोरोना खत्म करने का, यहां तो रोजगार खत्म हो गए: राहुल गांधी

नेशनल डेस्क। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि कोरोना वायरस संकट के मद्देनजर केंद्र सरकार की ओर से अचानक लगाया गया लॉकडाउन देश के युवाओं के भविष्य , गरीबों और असंगठित अर्थव्यवस्था पर आक्रमण था। राहुल ने वीडियो जारी कर यह भी कहा कि इस आक्रमण के खिलाफ लोगों को खड़ा होना पड़ेगा। कांग्रेस नेता ने ट्वीट कर आरोप लगाया कि यह लॉकडाउन देश के असंगठित वर्ग के लिए 'मृत्युदंड साबित हुआ। कांग्रेस नेता ने वीडियो में कहा कि कोरोना के नाम पर जो किया गया वो असंगठित क्षेत्र पर तीसरा आक्रमण था। गरीब लोग, छोटे एवं मध्यम कारोबारी रोज कमाते हैं और रोज खाते हैं। लेकिन आपने बिना किसी नोटिस के लॉकडाउन किया, आपने इनके ऊपर आक्रमण किया। राहुल ने दावा किया कि प्रधानमंत्री जी ने कहा 21 दिन की लड़ाई होगी। असंगठित क्षेत्र के रीड़ की हड्डी 21 दिन में ही टूट गई। उनके मुताबिक , जब लॉकडाउन के खुलने का समय आया , तो कांग्रेस पार्टी ने एक बार नहीं अनेक बार सरकार से कहा कि गरीबों की मदद करनी ही पड़ेगी , 'न्याय योजना जैसी एक योजना लागू करनी पड़ेगी, बैंक खातों में सीधा पैसा डालना पड़ेगा। लेकिन सरकार ने यह नहीं किया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि हमने कहा कि लघु एवं मध्यम स्तर के कारोबारों के लिए आप एक पैकज तैयार कीजिए, उनको बचाने की जरूरत है। सरकार ने कुछ नहीं किया, उल्टा सरकार ने सबसे अमीर 15-20 लोगों का लाखों करोड़ों रुपए का टैक्स माफ किया। राहुल ने दावा किया कि लॉकडाउन कोरोना पर आक्रमण नहीं था, बल्कि यह हिंदुस्तान के गरीबों, युवाओं के भविष्य, मजदूर किसान और छोटे व्यापारियों तथा असंगठित अर्थव्यवस्था पर आक्रमण था।

मराठा समुदाय को आरक्षण देने पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, मामले पर बड़ी बेंच करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षा और रोजगार में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण का प्रावधान करने संबंधी महाराष्ट्र सरकार के 2018 के कानून के अमल पर बुधवार को रोक लगा दी लेकिन स्पष्ट किया कि जिन लोगों को इसका लाभ मिल गया है उनकी स्थिति में कोई बदलाव नही होगा। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति एस रवीन्द्र भट्ट की पीठ ने इस मामले को वृहद पीठ का सौंप दिया जिसका गठन प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे करेंगे। इन याचिकाओं में शिक्षा और रोजगार में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण का प्रावधान करने संबंधी कानून की वैधता को चुनौती दी गई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि 2018 के कानून का जो लोग लाभ उठा चुके हैं उनकी स्थिति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार ने मराठा समुदाय में सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए शिक्षा और रोजगार में आरक्षण कानून, 2018 में बनाया था। बंबई उच्च न्यायालय ने पिछले साल जून में इस कानून को वैध ठहराते हुए कहा था कि 16 प्रतिशत आरक्षण न्यायोचित नहीं है और इसकी जगह रोजगार में 12 और प्रवेश के मामलों में 13 फीसदी से ज्यादा आरक्षण नहीं होना चाहिए। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के आदेश और इस कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर यह आदेश पारित किया महाराष्ट्र सरकार ने 27 जुलाई को न्यायालय को भरोसा दिलाया था कि वह 15 सितंबर तक सार्वजनिक स्वास्थ्य और मेडिकल शिक्षा एवं शोध विभागों के अलावा 12 फीसदी मराठा आरक्षण के आधार पर रिक्त स्थानों पर भर्तियों की प्रक्रिया आगे नही बढ़ाएगी। एक याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अमित आनंद और विवेक सिंह ने इससे पहले न्यायालय से कहा था।

ऑनलाइन क्लास के लिए पिता नहीं खरीद पाया स्मार्टफोन, छात्रा ने कर ली आत्महत्या

नेशनल डेस्क। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में ऑनलाइन कक्षाओं के लिए स्मार्टफोन खरीदने में असमर्थ होने से दुखी होकर कॉलेज के 20 वर्षीय छात्रा ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। क्रांति पुलिस चौकी के प्रभारी अधिकारी दिलीप सरकार ने कहा कि मल्ली कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा जयंती बाउली ने सोमवार रात को सरीपुकुरी इलाके के डाबरीपारा गांव में अपने घर में फांसी लगा ली। उसके पिता अविराम बाउली ने पुलिस को बताया कि वह एक दिहाड़ी मजदूर है और बहुत मुश्किल से बेटी की फीस का प्रबंध कर पाते हैं। अविराम ने कहा,''मेरी बेटी को कुछ समय से ऑनलाइन कक्षाओं के लिए स्मार्टफोन की जरुरत थी। वह परेशान थी क्योंकि मैं उसके लिए यह खरीद नहीं पा रहा था। लेकिन क्या मुझे पता था कि वह ऐसा कुछ कर लगी नहीं तो मैंने कहीं से पैसे उधार लेकर फोन खरीद लिया होता। पुलिस ने कहा कि वह मामले की जांच कर रही है।

येलो, ब्लू और पिंक लाइन पर मेट्रो सेवा शुरू, एक दिन में 33 हजार लोगों ने किया सफर

नई दिल्ली।

राजधानी दिल्ली में 171 दिन बाद पिंक और ब्लू लाइन पर मेट्रो ट्रेन दौड़ी। दिल्ली मेट्रो में बुधवार को सुबह की शिफ्ट (7 बजे से 11 बजे) में करीब 33 हजार लोगों ने यात्रा की। डीएमआरसी ने बयान जारी कर बताया कि आज येलो, ब्लू और पिंक लाइन सुबह 7 बजे से 11 बजे तक करीब 33,000 लोगों ने यात्रा की। ब्लू और पिंक लाइनों की सेवाएं आज बहाल हो गईं। दिल्ली मेट्रो ने संचालन के समय में कटौती के साथ सोमवार से येलो लाइन पर सेवा पहले ही बहाल कर दी थी। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण 22 मार्च से ही दिल्ली-एनसीआर में मेट्रो सेवा रोक दी गई थी। रैपिड मेट्रो और येलो लाइन पर सोमवार को संयुक्त रूप से करीब 15,500 लोगों ने यात्रा की थी। वहीं, मंगलवार को करीब 17,600 लोगों ने सफर किया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश में चरणबद्ध तरीके से मेट्रो सेवाएं बहाल करने के लिए हाल ही में दिशा-निर्देश जारी किए थे, जिसके बाद डीएमआरसी ने कहा था कि वह सात से 12 सितंबर के बीच तीन चरणों में सेवाएं बहाल करेगा।

डीएमआरसी ने लोगों से अत्यावश्यक होने पर ही मेट्रो का इस्तेमाल करने की अपील की है।

देवेंद्र फडणवीस - जो बात गलत है उसे गलत कहना चाहिए, लेकिन महाराष्ट्र का अपमान ना हो

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के बांद्रा स्थित बंगले का कुछ हिस्सा ढहाए जाने को लेकर शिवसेना के नेतृत्वा वाली बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) को बुधवार को आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अगर अवैध कंस्ट्रक्शन है तो जरूर कार्रवाई होनी चाहिए। किसी ने आपके खिलाफ बात कही इसलिए अगर आप तब कार्रवाई करते हो तो ये कायरता है बदले की भावना है और महाराष्ट्र में इस तरह की भावना का कोई सम्मान नहीं हो सकता। कुछ आलोचकों का कहना है कि कंगना को निशाना बनाया गया, जबकि अन्य दोषियों को छोड़ दिया गया। कंगना (33) ने आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र सरकार शिवसेना के साथ उनकी लड़ाई के कारण उन्हें निशाना बना रही है। बंबई हाईकोर्ट ने रनौत के यहां स्थित बंगले में अवैध निर्माण को तोड़ने की बीएमसी की प्रक्रिया पर बुधवार को रोक लगा दी और पूछा कि नगर निकाय के अधिकारी मालिक की गैरमौजूदगी में संपत्ति के भीतर क्यों गए। भाजपा विधायक आशीष शेलार ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे नीत सरकार बदले की राजनीति कर रही है। कंगना ने कहा कि नगर निकाय को उनके बंगले को निशाना बनाने के बजाए बदहाल सड़कों पर ध्यान देना चाहिए। कंगना ने ट्वीट किया, ''बीएमसी, ये मुंबई की सड़कें हैं और आपको माफिया की कलई खोलने वाली एक अभिनेत्री के घर को ढहाए जाने की चिंता है। उन्होंने मुंबई की एक सड़क की फोटो भी पोस्ट की है, जिसमें कई गड्ढे दिख रहे हैं। भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने ट्वीट किया, ''कंगना से भरोसा रखने के लिए कहिए। उनके संघर्ष में हम उनके साथ हैं। वरिष्ठ पत्रकार नौजर भरूचा ने कहा, ''अगर बांद्रा-खार इलाके की अधिकांश नई इमारतों की फॉरेंसिक जांच की जाए, तो बड़े पैमाने पर एफएसआई हेरफेर, अवैध मंजिलों, अनधिकृत छज्जों और अवैध निर्माण का खुलासा होगा। यहां एक मुख्य अंग्रेजी समाचार पत्र में दो दशक से अधिक समय से रियल एस्टेट कवर कर रहे पत्रकार भरूचा ने कहा, ''पाली हिल पर कंगना रनौत के बंगले का अनधिकृत हिस्सा ढहाया जाना ऐसे समय में राज्य सरकार की ताकत का केवल प्रदर्शन है, जब इससे बड़े निर्माण अपराध माफ किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''कुछ साल पहले, जब हास्य कलाकार कपिल शर्मा ने बीएमसी अधिकारियों पर उनसे पांच लाख रुपए की रिश्वत मांगने का सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया था, तब नगर निकाय प्रशासन ने उनके गोरेगांव अपार्टमेंट को गिराने का नोटिस जारी किया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

चीनी पैंतरों से सावधान

मॉस्को में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीनी रक्षा मंत्री वेई फेंग की मुलाकात के बाद जब दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के मिलने की योजना सामने आई, तब ऐसा लगा था कि बीजिंग शायद जमीनी हकीकत को तस्लीम करना चाहता है, और अब उच्च स्तरीय बातचीत का रास्ता खुलने से स्थितियां बेहतरी की ओर बढ़ेंगी। हालांकि, तब भी त्वरित समाधान की उम्मीद किसी ने नहीं बांधी थी। लेकिन विदेश मंत्रियों की बैठक से ठीक पहले उसकी फौज ने पूर्वी लद्दाख में जिस तरह से एक बार फिर उकसाने वाली कार्रवाई की है, उससे तो यह साफ हो गया है कि बीजिंग की दिलचस्पी विवाद सुलझाने में नहीं, बल्कि भारत को उलझाए रखने में है। इसीलिए उसने प्रॉपगैंडा का सहारा लेते हुए इस बार भारत पर ही 'वॉर्निंग शॉट्स' दागने का आरोप लगाया है। लेकिन उसकी पैंतरेबाजी को अब दुनिया समझ चुकी है, और उसकी विश्वसनीयता का संकट तो इतना गहरा चुका है कि कम से कम भारत से जुड़े मामलों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी वह अलग-थलग पड़ने लगा है। ताजा घटनाक्रमों के बारे में भारतीय सेना ने स्पष्ट कर दिया है कि चीनी सैनिक 'फॉरवर्ड पोजिशन' के करीब आने की कोशिश कर रहे थे और जब दिलेर भारतीय जवानों ने उनकी कोशिश नाकाम कर दी, तो उन्होंने डराने के लिए हवा में गोलियां दागीं। भारतीय सेना तो शुरू से ही एलएसी पर शांति और विश्वास बहाली के प्रति प्रतिबद्ध रही है, लेकिन अपने देश की संप्रभुता और अखंडता से वह कोई समझौता नहीं करेगी। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी गलवान घाटी की 15 जून की घटना के बाद से अब तक उद्धत रवैया अपनाए हुए है। लेकिन बीजिंग को यह समझना होगा कि इस तनावपूर्ण स्थिति की कीमत उसे भी चुकानी होगी। कुछ कदम तो भारत सरकार उठा भी चुकी है और कुछ अन्य सख्त कदमों के लिए उस पर जन-दबाव बढ़ता जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी साफ कर दिया है कि सरहदी मुल्कों के रिश्ते सीमा से निरपेक्ष नहीं होते। इसलिए अब तय बीजिंग को करना है। कई दशकों से भारत समग्र सीमा विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत शुरू करने की अपील करता रहा है, लेकिन भयादोहन की अपनी पारंपरिक कूटनीति के तहत बीजिंग इसे हल नहीं करना चाहता। पूर्वी लद्दाख की कुचेष्टाएं उसकी मंशा बता रही हैं। वह जानता है कि एक बार सीमा-निर्धारण हो गया, तो भारत अब इतना समर्थ हो चुका है कि उसकी सरहदों पर वह कोई मनमानी नहीं कर पाएगा। फिलहाल हमारी चुनौती यह है कि हमें कोरोना महामारी से भी जंग लड़नी है, गिरती अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भी जूझना है और भौगोलिक सरहदों की हिफाजत के लिए भी तैयार रहना है। यह देश के लिए परीक्षा की घड़ी है। एक नागरिक के स्तर पर भी और नेतृत्व के स्तर पर भी। दुर्योग से ऐसे मौकों पर जो राजनीतिक एकजुटता दिखनी चाहिए, वह बहुत मुखर नहीं है। सरकार को विदेश नीति के मसले पर समूचे विपक्ष को भरोसे में लेकर रणनीति बनानी चाहिए, ताकि सामूहिक प्रतिबद्धता के समवेत स्वर सरहद पार पहुंचें। ये स्वर विरोधी सत्ता प्रतिष्ठानों के मनोविज्ञान को तो छूते ही हैं, देश के भीतर भी नया आत्मविश्वास भरते हैं। बीजिंग की पैंतरेबाजी और प्रॉपगैंडा का जवाब भी इसी में है। भारत को अब उससे सीमा पर ही नहीं, सोच के मैदान में भी निपटना है।

आज के ट्वीट

पूरा देश

बॉलीवुड की मोमबत्ती गैंग अब कहां सो रही है। अब कोई अवार्ड वापसी नहीं करेगा।कंगना जैसी बहादुर बहन देशवासियों कभी-कभी पैदा होती है इनको टूटने मत देना। बहन के साथ पूरा देश खड़ा है।

\- बबीता फोगाट

सिनेमाई चकाचौंध का डरावना अंधेरा

राजकुमार सिंह

सुशांत सिंह राजपूत के दुखांत का असली सच कभी सामने आयेगा या नहीं—दावे से नहीं कहा जा सकता। 14 जून, 2020 को एक होनहार फिल्मी कलाकार की आत्महत्या की खबर से शुरू हुए इस प्रकरण ने अब तक इतने नाटकीय मोड़ ले लिये हैं कि हर किसी की सच की परिभाषा भी अलग-अलग हो सकती है। खुद सुशांत के परिजनों ने शुरू में शक जताया था कि उसे आत्महत्या के लिए उकसाया गया होगा, लेकिन जांच के सवाल पर मुंबई पुलिस बनाम सीबीआई की लंबी जंग में मामला आत्महत्या बनाम हत्या का बन गया। शुरू में जो मामला प्यार, धोखा, दरकती महत्वाकांक्षाओं से उपजी हताशा और तनाव के चक्रव्यूह का नजर आ रहा था, उसके तार अब बॉलीवुड और ड्रग्स के नेटवर्क से जुड़ रहे हैं—और संदेह के घेरे में तो सब हैं, बड़े-बड़े स्टार से लेकर सत्ता गलियारों के खिलाड़ियों तक। कई बार तो ऐसा लगता है कि कोई सस्पेंस, थ्रिलर फिल्म चल रही हो, पर हमारे समय का कड़वा सच यही है कि हम एक कठोर, दुखद वास्तविकता से रूबरू हैं, और शर्मसार भी। बिहार की राजधानी पटना के एक मध्यवर्गीय परिवार से आने वाले सुशांत ने इंजीनियरिंग के अच्छे-खासे करिअर से मुंह मोड़ कर बॉलीवुड का रास्ता चुना था। सुशांत की मौत के बाद बॉलीवुड में जिस भाई-भतीजावाद की बहुत चर्चा हुई, वह कब से है और कितना है, यह लंबी बहस का विषय हो सकता है, लेकिन यह तो सच है कि भविष्य को लेकर कई तरह के सपने संजोये मुंबई पहुंचे इस बिहारी युवा का सफर आसान नहीं रहा। हीरो के साथ नाचने वाले बैक स्टेज डांसरों की भीड़ में इक्का-दुक्का ही अपनी अलग पहचान बना पाते हैं। बेशक इसका श्रेय कड़ी मेहनत के साथ-साथ किस्मत को भी देना पड़ेगा कि टीवी सीरियलों के रास्ते फिल्मों में आये सुशांत न सिर्फ अपनी अलग पहचान बना पाये, बल्कि एक अच्छे अभिनेता के रूप में छाप भी छोड़ पाये। सवाल यह नहीं है कि सुशांत की फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर कितना बिजनेस किया, यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि 'काय पो छे' से लेकर 'छिछोरे' तक कमोबेश हर फिल्म में उन्होंने अपने अभिनय की छाप छोड़ी। फिर भी क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है कि उन्हें लेकर कई बड़े बैनरों की फिल्मों की घोषणा तो हुई, पर वह सिरे नहीं चढ़ी। बड़े-बड़े सपने दिखाकर उन्हें तोड़ देने वाले कौन थे? महत्वाकांक्षी युवाओं के सपनों से खेलना मायानगरी का चरित्र ही है या उसके पीछे वे निहित स्वार्थी चेहरे थे, जो येन केन प्रकारेण चमक-दमक की दुनिया का बादशाह, शहंशाह और सुल्तान बने रहना चाहते हैं? ध्यान रहे कि बॉलीवुड में शह-मात और घात-प्रतिघात के खेल की खबरें पहले भी आती रही हैं। अपने समय की चर्चित हीरोइन परबीन बॉबी से लेकर प्रत्यूषा बनर्जी और कुशाल पंजाबी तक आत्महत्या करने वाले संभावनाशील कलाकारों की फेहरिस्त भी बहुत लंबी है, लेकिन सुशांत के दुखांत से पहली बार बॉलीवुड की चकाचौंध के पीछे के डरावने अंधेरे की परतें खुलती नजर आ रही हैं। पल भर में बदल जाते हैं रिश्ते—यह किसी धारावाहिक में अक्सर सुनायी पड़ने वाले गीत की पंक्तियां ही नहीं हैं, फिल्मी दुनिया के असली रिश्तों का सच भी यही है। अपवाद हो सकते हैं, पर माफ करें फिल्मी दुनिया की प्रेम कहानियों से तो यही लगता है कि मानो रिश्ते भी फिल्म या सीरियल की तरह एक के बाद दूसरे की राह पर बदलते रहते हैं। फिर आश्चर्य कैसा कि इन रिश्तों का आधार आत्मिक मिलन तो दूर, वैचारिक मेल भी नहीं होता। होता है तो बस तात्कालिक जरूरतों और करिअर का गणित, जो स्वाभाविक ही समय के साथ बदलता रहता है। सुशांत की अंतिम प्रेमिका रिया चक्रवर्ती के दोषी-निर्दोष होने का अंतिम फैसला तो अदालत में ही होगा, लेकिन मीडिया ट्रायल में होने वाले खुलासों से तो उनकी छवि खलनायिका की ही उभरी है। खासकर इलेक्ट्रोनिक मीडिया में जारी गलाकाट स्पर्धा के मद्देनजर खुलासों में अतिरंजना संभव है, लेकिन जिस तरह कड़ियां जुड़ रही हैं या जोड़ी जा रही हैं, उन्हें पूरी तरह काल्पनिक भी करार नहीं दिया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट द्वारा सीबीआई को सौंपे जाने के बाद सुशांत केस की जांच की दशा-दिशा जिस तरह से एकदम बदलती दिख रही है, वह उस मुंबई पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी बड़ा प्रश्नचिन्ह है, जिसकी तुलना अपने देश में स्कॉटलैंडयार्ड की पुलिस से की जाती रही है। मुंबई पुलिस सुशांत की मौत को आत्महत्या मानते हुए तमाम संबंधित लोगों को बुलाकर पूछताछ करती रही, लेकिन सीबीआई ने इसे हत्या के नजरिये से देखते हुए जांच शुरू की, फिर संदिग्धों की चैट से सुराग मिला कि इसमें सबसे खतरनाक एंगल ड्रग्स का है। यह हैरत की बात है कि हत्या और ड्रग्स के एंगल की ओर सबसे पहले इशारा चर्चित भाजपा सांसद डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी ने किया तो सुशांत की मौत को बॉलीवुड में फैले भाई-भतीजावाद का परिणाम बताते हुए विवादास्पद अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी ड्रग्स रैकेट की जांच की मांग की। कंगना ने 99 प्रतिशत फिल्मकारों द्वारा ड्रग्स लेने की बात कही है। यह आंकड़ा अतिरंजित हो सकता है, लेकिन एक चर्चित अभिनेत्री के इस दावे से यह तो पता चलता ही है कि परदे के नायक वास्तविक जिंदगी में कैसा खलनायक-जीवन जीते हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की जांच और पूछताछ में अभी तक मिले तथ्य भी किसी बड़े और सुनियोजित ड्रग्स नेटवर्क की ओर इशारा कर रहे हैं, जो पुलिस-प्रशासन की मिलीभगत के बिना तो चल ही नहीं सकता, राजनीतिक संरक्षण का भी शक होता है। सुशांत के दुखांत से ही सही, जब बॉलीवुड से जुड़े नशे के कारोबार का खुलासा हो रहा है तो जांच और कार्रवाई तार्किक परिणति तक पहुंचनी चाहिए। कभी अंडरवर्ल्ड से रिश्तों के लिए बदनाम रहे बॉलीवुड ने जितने युवाओं के सपनों को साकार किया है, उससे कई गुणा को गुमनामी और बर्बादी के अंधेरे में धकेला है। हर कोई संजय दत्त जितना खुशनसीब नहीं होता कि अंडरवर्ल्ड और नशे के दलदल से भी वापस लौट कर करिअर में दूसरी-तीसरी पारी खेल पाये। हाल के दशकों में जरूर बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड का दबदबा कम हुआ है, वरना तो बड़े-बड़े सितारे सरगनाओं के दरबार की शोभा बढ़ाते रहे हैं। सीबीआई को जांच सौंपे जाने के सवाल पर और उसके बाद भी, एक युवा फिल्मी कलाकार की दुखद मौत पर जिस तरह खुल कर राजनीति हो रही है, वह बताती है कि विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कैसे-कैसे राजनेताओं के हाथों का खिलौना बना हुआ है। विधानसभा चुनाव बिहार में होने हैं, और राजनीति एक अभिनेता के मुंबई में दुखांत पर की जा रही है। बेशक इस सारे खेल की पृष्ठभूमि में कहीं-न-कहीं महाराष्ट्र की सत्ता का गणित भी हो सकता है, जहां सबसे बड़े दल भाजपा की पुरानी मित्र शिवसेना ने कांग्रेस-एनसीपी के साथ नया गठबंधन करते हुए सरकार बना ली। संसदीय लोकतंत्र में सत्ता तंत्र की कमान राजनीतिक नेतृत्व के हाथ होती है। इसलिए हर मामले में राजनीति होने की गुंजाइश रहती ही है, लेकिन नहीं भूलना चाहिए कि सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी-जवाबदेही से नहीं बचा जा सकता। हत्या और ड्रग्स जैसे जघन्य अपराधों में अगर राजनीति की छाया भी नजर आयी तो राजनेताओं की साख रसातल में जाने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

ज्ञान गंगा

समाधान क्या है

सद्गुरु

हम पृथ्वी को 'धरती मां' कहते हैं। क्यां इसका मतलब है कि धरती पर सारा अपराध रु क जाएगा? नहीं। अलग-अलग तरह के अपराध होते हैं। स्त्रियों पर यौन हमले बहुत आम हैं। इसके कई पहलू हैं। हम गुस्सें में आकर बोल सकते, 'ठीक है, उन्हें फांसी दे दो।' अगर आप बलात्कार की सजा के तौर पर फांसी को लाएंगे तो आपको समझना चाहिए कि बलात्कार के मामले में एकमात्र गवाह लगभग हमेशा पीड़िता होती है। अगर आप एक बलात्कारी को इस बात की गारंटी दें कि बलात्कार करके पकड़े जाने पर तुम्हें फांसी लगनी तय है, तो आपके ख्याल से वह क्या करेगा? वह उस एकमात्र गवाह को रास्ते से हटा देगा। तो कुछ कहने से पहले हमें सतर्क रहना चाहिए कि हम क्या कह रहे हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि हम उनका समर्थन कर रहे हैं। सवाल बस यह है कि आपको समाधान चाहिए या कंगारू कोर्ट- 'हर किसी को फांसी पर लटका दो।' हमें देखना चाहिए कि यह हो क्यों रहा है। पहली चीज यह है कि एक संस्कृति के रूप में भारत के लिए यह पहली पीढ़ी है, जिसमें स्त्रियां वास्तव में सड़क पर निकल रही हैं, पुरुषों के साथ चल रही हैं और उनके करीब रह कर काम कर रही हैं। लोगों को इसकी आदत नहीं है। साथ ही लाखों युवा गांवों से शहरों में आ रहे हैं। उनके गांव में उनके लिए स्त्री का मतलब उनकी मां, उनकी मौसी, बुआ या दादी होती थी। अब वे शहर आकर युवा लड़कियों को सड़क पर चलते देखते हैं। यह उनके लिए बहुत नया है। इंसानों में सेक्शुअलिटी या यौनिकता होती है। पंद्रह से पच्चीस की उम्र के बीच हार्मोन का असर अधिकतम होता है। अगर कोई व्यक्ति अपने जीवन में खेल, कला, संगीत, शिक्षा जैसी चीजों में बुद्धि के विकास, और खुद को व्यक्त करने के दूसरे तरीकों में अनुशासित होता है, तो खुद को व्यस्त रखने के लिए बहुत सारी चीजें होती हैं। अगर आपको व्यस्त रखने के लिए कुछ नहीं है, सिर्फ आपके हर्मोन आपके भीतर उछल रहे हैं फिर उसके बाद आप अपने गांव से शहर आते हैं और अचानक युवा लड़कियों को देखते हैं। आदमी पागल हो जाता है। अब वह अकेले शहर आता है। एक कमरे में दस लड़कों के साथ रहता है, दिन-रात एक बेकार और अमानवीय माहौल में काम करता है। वह बंदी शिविर की तरह होता है।

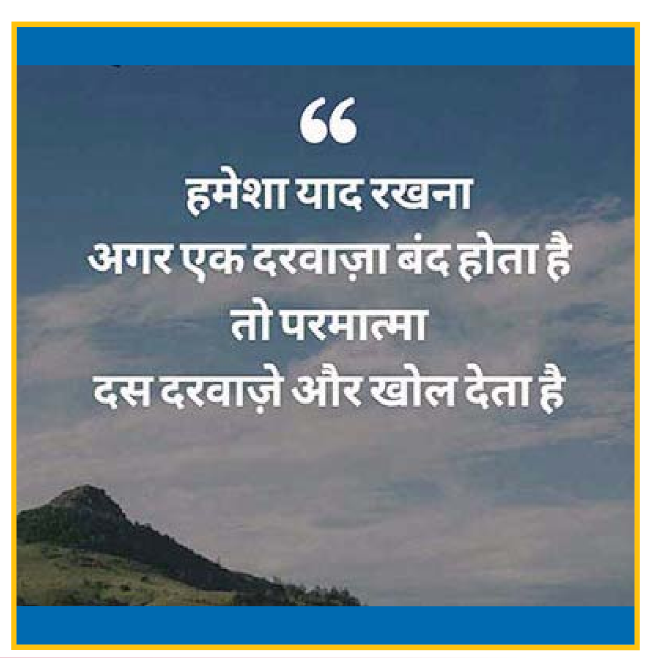

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यो में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

देश का अस्तित्व जुड़ा है पहाड़-नदियों से

ज्ञानेन्द्र रावत

आज देश के भाल हिमालय का समूचा क्षेत्र संकट में है। इसका प्रमुख कारण इस समूचे क्षेत्र में विकास के नाम पर अंधाधुंध बन रहे अनगिनत बांध, पर्यटन के नाम पर हिमालय को चीर कर बनायी जा रही ऑल वैदर रोड और उससे जुड़ी सड़कें हैं। दुख इस बात का है कि हमारे नीति-नियंताओं ने कभी भी इसके दुष्परिणामों के बारे में सोचा तक नहीं। वे आंख बंद कर इस क्षेत्र में पनबिजली परियोजनाओं को और पर्यटन को ही विकास का प्रतीक मानकर उनको स्वीकृति-दर-स्वीकृति प्रदान करते रहे हैं, बिना यह जाने-समझे कि इससे पारिस्थितिकी तंत्र को कितना नुकसान उठाना पड़ेगा। विडम्बना यह है कि यह सब उस स्थिति में हो रहा है जब दुनिया के वैज्ञानिकों ने इस बात को साबित कर दिया है कि बांध पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा हैं और दुनिया के दूसरे देश अपने यहां से धीरे-धीरे बांधों को समेटते जा रहे हैं। इसके लिए किसी एक सरकार को दोष देना मुनासिब नहीं होगा। वह चाहे संप्रग सरकार हो या फिर राजग। जहां तक संप्रग सरकार का सवाल है तो उसने पर्यावरणविदों और गंगा की अस्मिता की रक्षा के लिए किये जा रहे आंदोलनकारियों के दबाव में उत्तराखण्ड में बांधों के निर्माण पर रोक लगा दी थी लेकिन 2014 में सत्ता परिवर्तन के बाद राजग सरकार ने न केवल बांधों के निर्माण को मंजूरी दी बल्कि इस क्षेत्र में पर्यटन के विकास की खातिर पहाड़ों को काट-काटकर सड़कों के निर्माण को मंजूरी दे दी। यदि यह सिलसिला इसी तरह जारी रहा तो इस पूरे हिमालयी क्षेत्र का पर्यावरण कैसे बचेगा। विडम्बना यह है कि हमारी सरकार और देश के नीति-नियंता, योजनाकार यह कदापि नहीं सोचते कि हिमालय देश का भाल है, गौरव है, स्वाभिमान है, प्राण है। जीवन के सारे आधार यथा-जल, वायु, मृदा सभी हिमालय की देन हैं। देश की तकरीबन 65 फीसदी आबादी का जीवन आधार हिमालय ही है क्योंकि उसी के प्रताप से वह फलीभूत होती है। यदि उसी हिमालय की पारिस्थितिकी प्रभावित होती है तो देश प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगा। वैज्ञानिक, पर्यावरणविद् और समाज विज्ञानी सभी मानते हैं कि हिमालय की सुरक्षा के लिए सरकार को इस क्षेत्र में जल, जंगल और जमीन को बचाने के लिए पर्वतीय क्षेत्र के विकास के मौजूदा मॉडल को बदलना होगा। उसे बांधों के विस्तार की नीति भी बदलनी होगी। साथ ही पर्यटन के नाम पर सड़कों के लिए पहाड़ों के विनाश को भी रोकना होगा। बांधों से नदियां तो सूखती ही हैं, इसके पारिस्थितिकीय खतरों से निपटना भी आसान नहीं होता। यदि एक बार नदियां सूखने लगती हैं तो फिर वे हमेशा के लिए खत्म हो जायेंगी। पहाड़ नहीं होंगे तो हमारा वर्षा चक्र प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगा, परिणामतः मानव अस्तित्व खतरे में पड़ जायेगा। शायद इसी खतरे को भांपते हुए दिवंगत राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने चार साल पहले 20 मई को राष्ट्रपति भवन में आयोजित माउंट एवरेस्ट पर पहले भारतीय पर्वतारोही दल की ऐतिहासिक जीत के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर कहा था कि हिमालय को प्रदूषण से बचाना आज की सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिए इस क्षेत्र में पारिस्थितिकी संरक्षण के लिए काम करने की महती आवश्यकता है। विडम्बना यह कि इस बात को सरकार और उसके कारकुन मानने को कतई तैयार नहीं हैं। उनके लिए नदी मात्र जल की बहती धारा है। चाहे हिमालय के उत्तर-पूर्व हों या पश्चिमी राज्य, सभी ने पर्यावरण के सवाल को दरकिनार करने में ही अपनी भलाई समझी।

उत्तराखण्ड के रूप में अलग राज्य बनने के बाद इसमें और बढ़ोतरी हुई। इसमें सबसे महत्वपूर्ण काम यह हुआ कि पर्यावरण का सवाल पृष्ठभूमि में धकेल दिया गया। यह पूरा क्षेत्र भूकंप के लिहाज से अति संवेदनशील है। तात्पर्य यह कि सिस्मिक जोन पांच में होने के कारण इस क्षेत्र में भूकंप का हमेशा खतरा बना ही रहता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि हिमालयी क्षेत्र से निकलने वाली नदियों और वनों को यदि समय रहते नहीं बचाया गया तो इसका दुष्प्रभाव पूरे देश पर पड़े बिना नहीं रहेगा। असलियत यह है कि विकास के ढेरों दावों के बावजूद अभी भी हिमालय क्षेत्र में रहने वाली तकरीबन 80 फीसदी आबादी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित है। जिसकी वजह से वह पलायन को विवश हैं। हिमालय क्षेत्र के तकरीबन सैकड़ों गांव आज भी अंधेरे में रहने को विवश हैं। 60-65 फीसदी देश के लोगों की प्यास बुझाने वाला हिमालय अपने ही लोगों की प्यास बुझाने में असमर्थ है। आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता प्रतिष्ठान इस हिमालयी क्षेत्र की पारिस्थितिकी की वजहों के हल तलाशें और ऐसे विकास को तरजीह दें ताकि पर्यावरण की बुनियाद मजबूत हो और उसे व्यापक बनाने की दिशा में अनवरत प्रयास किए जाते रहें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रॉयल एनफील्ड अर्जेंटीना में शुरू करेगी मोटरसाइकिल की असेंबलिंग

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड अर्जेंटीना में अपनी मोटरसाइकिल असेंबलिंग शुरू करेगी। इसके लिए कंपनी ने 'ग्रुप सिंपा से गठजोड़ किया है जो 2018 से वहां उसकी स्थानीय वितरक कंपनी है। आयशर मोटर्स की दोपहिया वाहन इकाई ने एक बयान में कहा कि रॉयल एनफील्ड के आधुनिक इतिहास में यह पहली बार होगा जब कंपनी की मोटरसाइकिल का उत्पादन और असेंबलिंग उसके चेन्नई संयंत्र से इतर कहीं होगी। कंपनी की स्थानीय असेंबलिंग ग्रुप सिंपा के ब्यूनो आयरीज स्थित कंपाना संयंत्र में की जाएगी। रॉयल एनफील्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद के. दसारी ने कहा, ''इस महीने में कंपनी पहले रॉयल एनफील्ड हिमालयन, इंटरसेप्टर 650 और कॉन्टिनेंटर जीटी 650 की स्थानीय असेंबलिंग शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि कंपनी नियमित तरीके से मध्यम श्रेणी की मोटरसाइकिल के वैश्विक बाजार विस्तार पर काम कर रही है। साथ ही वैश्विक बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ा रही है। मौजूदा समय में कंपनी 60 से अधिक देशों में अपने उत्पाद पहुंचाती है।

सिल्वर लेक और रिलायंस रिटेल डील: 5 मुख्य बातें

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी की स्वामित्व वाली रिलायंस रिटेल को अपना पहला निवेशक मिल गया है। दुनिया की सबसे बड़ी टेक इंवेस्टर कंपनी सिल्वर लेक पार्टनर्स रिलायंस रिटेल में 7500 करोड़ रुपए का निवेश करने जा रही है। रिलायंस रिटेल को यह निवेश ऐसे समय में मिला है जब कंपनी ने हाल ही में किशोर बियानी के फ्यूचर ग्रुप के रिटेल कारोबार का अधिग्रहण किया है। इस डील से भारत के रिटेल कारोबार में रिलायंस इंडस्ट्रीज की हिस्सेदारी करीब एक-तिहाई हो जाएगी। सिल्वर लेक पार्टनर्स रिलायंस रिटेल में 7500 करोड़ रुपए निवेश करेगी। इसके बदले सिल्वर लेक को रिलायंस रिटेल में 1.75 फीसदी हिस्सेदारी मिलेगी। इस सौदे के बाद रिलायंस रिटेल की मार्केट वैल्यू 4.21 लाख करोड़ रुपए हो जाएगी, इसकी घोषणा कंपनी ने 9 सितंबर की शेयर बाजार फाइलिंग में की। सिल्वर लेक ने रिलायंस के द्वश प्लेटफॉर्म्स में भी निवेश है। कंपनी अब तक रिलायंस जियो में 10,200 करोड़ रुपए के निवेश कर चुकी है। इस नए निवेश के साथ की मार्केट वैल्यू में प्लेटफॉर्म और रिलायंस रिटेल की हिस्सेदारी 9 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो जाएगी। यह सौदा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत में अपने खुदरा व्यापार का विस्तार कर रहा है और उसकी टक्कर अमेजन और वालमार्ट की स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों से है। इसलिए रिलायंस रिटेल ग्लोबल इंवेस्टर्स को कंपनी में निवेश करने के लिए आकर्षित कर रही है, ताकि इन कंपनियों को टक्कर दे सके।

स्कूल परिसर के 50 मीटर दायरे, कैंटीन में जंक फूड की बिक्री- विज्ञापन पर पाबंदी

नई दिल्ली। खाद्य नियामक भारतीय खाद्य संरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने स्कूल परिसरों के 50 मीटर के दायरे और स्कूलों की कैंटीन के अंदर जंक फूड की बिक्री और विज्ञापन पर रोक लगा दी है। एफएसएसएआई ने मंगलवार को यह जानकारी दी।एफएसएसएआई ने इसे बच्चों के लिए सुरक्षित और पोषण खाद्य को प्रोत्साहित करने वाला कदम बताया। खाद्य नियामक ने एक बयान में कहा कि हितधारकों से चर्चा करने के बाद खाद्य संरक्षा और मानक (स्कूली बच्चों के लिए सुरक्षित खाना और स्वास्थ्यवर्द्धक भोजन) नियम-2020 को अधिसूचित कर दिया गया है। इसे अधिसूचित करने से पहले सभी हितधारकों को पर्याप्त समय दिया जा चुका है। इसी के साथ एफएसएसएआई ने राज्यों के स्कूली शिक्षा विभागों और खाद्य प्राधिकरणों को बच्चों के लिए सुरक्षित और संतुलित स्वास्थ्यवर्द्धक भोजन की सूची बनाने के निर्देश दिए हैं। अधिसूचना के मुताबिक जिन खाद्य पदार्थों में संतृप्त वसा, ट्रांस वसा, चीनी और नमक की अधिक मात्रा होगी उन्हें स्कूली परिसरों के 50 मीटर के दायरे, स्कूल की कैंटीन, छात्रावासों की कैंटीन में बेचने की अनुमति नहीं होगी। छात्रावासों की कैंटीन में बेचने की अनुमति नहीं होगी।

रिलायंस जियो-वर्ल्डरीडर की साझेदारी, अब 15 करोड़ जियो यूजर्स को फ्री मिलेंगी बच्चों की किताबे

नई दिल्ली।

वैश्विक गैर-लाभकारी शैक्षिक संगठन वर्ल्डरीडर ने रिलायंस जियो के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। इसके तहत रिलायंस जियो के 15 करोड़ 'जियोफोन' उपयोक्ताओं को बच्चों की किताबों तक पहुंच सुनिश्चित होगी। छोटी उम्र के बच्चों पर शिक्षा की स्थिति की वार्षिक रपट-2019 के मुताबिक करीब 80 प्रतिशत भारतीय परिवारों के पास इसके लिए कोई पठन सामग्री नहीं है। वर्ल्डरीडर ने एक बयान में कहा, 'जियोफोन पर वर्ल्डरीडर की 'बुकस्मार्ट' ऐप के माध्यम से इस साझेदारी के तहत 15 करोड़ से अधिक जियाफोन उपयोक्ताओं को बच्चों की किताबों तक मुफ्त पहुंच सुनिश्चित होगी। इनमें से अधिकांश कम संसाधनों वाले परिवार से आते हैं या पहली बार इंटरनेट का प्रयोग करने वालों में से हैं। में शिक्षा श्रेणी के तहत ढूंढा जा सकता है। बुकस्मार्ट अभिभावकों, देखभाल करने वालों और प्राइमरी के छात्रों को उम्र के आधार पर बुकस्मार्ट को जियोफोन के ऐप स्टोर में शिक्षा श्रेणी के तहत ढूंढा जा सकता है। बुकस्मार्ट अभिभावकों, देखभाल करने वालों और प्राइमरी के छात्रों को उम्र के आधार पर किताबों का वर्गीकरण कर बनाये गए पुस्तकालय तक पहुंच सुनिश्चित करेंगे। इस बारे में जियो के प्रवक्ता ने कहा कि वर्ल्डरीडर के साथ साझेदारी को लेकर हम रोमांचित है। यह कोविड-19 महामारी और नयी जीवनशैली के बीच देश के करोड़ों बच्चों को घर पर करोड़ों डिजिटल किताबों तक पहुंच सुनिश्चित करेगा।

भारत, अंगोला के बीच संबंधों के विस्तार का निर्णय

नयी दिल्ली । भारत और अंगोला ने आपसी सहयोग के संबंधों का विस्तार करने का फैसला किया है। दोनों देशों ने ऊर्जा, दूरसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने फैसला किया है। भारत अंगोला संयुक्त आयोग की डिजिटल बैठक में दोनों पक्षों ने पारस्परिक संबंधों के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। इस बैठक की अध्यता विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अंगोला के अपने समकक्ष मंत्री टेटे एंटोनियों के साथ मिल कर की। सोमवार को जारी एक संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने आतंकवाद को विश्व के लिए अभिशाप बताया, फिर चाहे वह किसी तरह का भी हो। दोनों देश इस बात पर सहमत हैं कि आतंकवाद का क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर, जिसमें संयुक्त्तराष्ट्र भी शामिल है, सहयोग से मुकाबला किया जाना चाहिए। आतंकवाद का क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर, जिसमें संयुक्त्तराष्ट्र भी शामिल है, सहयोग से मुकाबला किया जाना चाहिए। बयान में कहा गया है कि दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण आयामों की समीक्षा की। इसमें राजनीतिक, आर्थिक, व्यापारिक, निवेश, प्रतिरक्षा व्यापारिक, निवेश, प्रतिरक्षा और सुरक्षा तथा विकास के क्षेत्र में सहयोग की स्थिति की समीक्षा शामिल रही।

वोडाफोन आइडिया के प्रबंध निदेशक, सीईओ को तीन साल तक कोई पारिश्रमिक नहीं

नयी दिल्ली। वोडाफोन आइडिया लिमिटेड में लागत कटौती की कैंची चलने की संभावना है। कंपनी के एक प्रस्ताव के मुताबिक उसके प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राजीव ठक्कर को उनके मौजूदा तीन साल के कार्यकाल के लिए कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जाएगा। वोडाफोन आइडिया की 25वीं सालाना आम बैठक 30 सितंबर को होनी है। बैठक में कंपनी ठक्कर की नियुक्ति और अन्य प्रस्तावों पर शेयरधारकों की मंजूरी मांगेगी। तब संभवतया इस प्रस्ताव को भी मंजूरी मिल सकती है। कंपनी ने अपनी वार्षिक आम सभा की सूचना में कहा है कि वोडाफोन आइडिया ठक्कर के कंपनी के काम के चलते होने वाले खर्चे वहन कर सकती है। वोडाफोन आइडिया ने ठक्कर को बलेश शर्मा के इस्तीफे के बाद ठक्कर को तीन साल के लिए अपना प्रबंध निदेशक और सीईओ नियुक्त किया था। उनका कार्यकाल 19 अगस्त 2019 से प्रभावी है और उन्हें उनके कार्यकाल के लिए 'शून्य पारिश्रमिक' दिया जाएगा। ठक्कर से पहले शर्मा को कंपनी सालाना 8.59 करोड़ रुपये का पैकेज दिया था। हालांकि उनके वेतन में 2019-20 के लिए किसी तरह की बढ़ोत्तरी की कोई अनुशंसा नहीं की गयी थी। ठक्कर के नियुक्ति की शर्तों में कहा गया है कि वोडाफोन आइडिया लिमिटेड कंपनी के काम से किए ।

कोरोना काल में पीएफ का पैसा निकाल जरूरतें पूरी कर रहे लोग, 5 महीनों में निकाले 35,445 करोड़

नई दिल्ली।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने चालू वित्त वर्ष में अप्रेल से अगस्त तक यानी 5 महीनों के दौरान कुल मिलाकर 35,445 करोड़ रुपए के 94.41 लाख भविष्य निधि दावों का निपटारा किया है। कोरोना के कारण लोगों को पैसों की जरूरत को देखते हुए क्लेमों को जल्दी निपटाने का काम चल रहा है। मंगलवार को श्रम मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से अगस्त अवधि के दौरान ईपीएफओ ने पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 32 फीसदी अधिक दावों का निपटारा किया है। वहीं इस दौरान वितरित की गई राशि में भी करीब 13 फीसदी की वृद्धि हुई है। श्रम मंत्रालय के अनुसार अप्रैल से अगस्त 2020 के दौरान जितने भी भविष्य निधि दावों का निपटारा किया गया उनमें से 55 फीसदी दावे कोविड-19 अग्रिम लेने वाले थे जबकि 33 फीसदी दावे बीमारी से जुड़े दावों के थे। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने कोरोना संकट को देखते हुए ईपीएफ खाताधारकों को राहत देते हुए 30 जून तक उनके जमा की एडवांस निकासी की सुविधा दी थी। इससे पहले 1 अप्रैल से 30 जून तक 55 लाख से ज्यादा लोगों ने क्क्ष अकाउंट से पैसे निकाले थे। इन दावों के निपटारे के जरिए ने 15 हजार करोड़ रुपए जारी किए थे। 9 जून से 29 जून के बीच 20 लाख लोगों ने अपनी बचत राशि विड्रॉ की थी।

वित्त वर्ष 2019-20 में कुल 72 हजार करोड़ रुपए निकाले गए थे। वहीं इस वित्त वर्ष में सिर्फ चार महीने में 30 हजार करोड़ रुपए निकाले जा चुके हैं। ऐसे में अगर हालात जल्द नहीं सुधरे तो यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। करीब 10 लाख करोड़ का फंड मैनेज करता है और इसके सब्सक्राइबर्स की संख्या करीब 6 करोड़ है। कोरोना के कारण नए सब्सक्राइबर्स की संख्या में आई गिरावट कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के अनुसार जून महीने में 6.55 लाख नए रजिस्ट्रेशन हुए। इससे पहले मई महीने में में 3.18 लाख नए रजिस्ट्रेशन हुए थे। अप्रैल महीने में महज 1.33 लाख नए रजिस्ट्रेशन हुए थे। इस साल मार्च में नए रजिस्ट्रेशन घटकर 5.72 लाख रह गई थी। वहीं लॉकडाउन लगने से पहले फरवरी 2020 में 10.21 लाख नए लोग ईपीएफ सदस्यों में जुड़े थे। कोरोनावायरस महामारी की वजह से लागू लॉकडाउन के कारण इसमें गिरावट आई है। में रजिस्ट्रेशन के आंकड़े संगठित क्षेत्र में रोजगार की स्थिति को बताता है।

तोमर ने 9 राज्यों में 22 बम्बू क्लस्टर की शुरूआत की, किसानों की आय होगी दोगुनी

नई दिल्ली। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मंगलवार को नौ राज्यों में 22 बांस क्लस्टर का शुभारंभ किया और कहा कि देश अब बांस उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने के लिए कमर कस रहा है। एक सरकारी बयान के अनुसार, बांस के क्लस्टर (समूहों) की स्थापना - मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा, असम, नागालैंड, त्रिपुरा, उत्तराखंड और कर्नाटक में की जाएगी। एक आभासी कार्यक्रम में, तोमर ने राष्ट्रीय बांस मिशन (एनबीएम) के लिए 'लोगो' (प्रतीक चिन्ह) को भी जारी किया। राष्ट्रीय बांस मिशन का आधिकारिक लोगो तैयार करने के लिए 'माईगाव' ेलेटफार्म के माध्यम से ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। देशभर से मिली 2033 प्रविष्टियों में से तेलंगाना के साई राम गौड एडिगी द्वारा विकसित डिजाइन को चुना गया व उन्हें नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बांस मिशन के लोगो में बांस की छवि भारत के विभिन्न हिस्सों में बांस की खेती को चित्रित करती है। लोगो के चारों ओर औद्योगिक पहिया, बांस क्षेत्र के औद्योगीकरण के महत्व को दर्शाता है। लोगो में सुनहरे पीले व हरे रंग का संयोजन दर्शाता है कि बांस हरा सोना है। आधा औद्योगिक पहिया और आधा किसान सर्कल किसानों और उद्योग दोनों के लिए बांस के महत्व को दर्शाता है। इस आयोजन को संबोधित करते हुए।

पावर ग्रिड को संपत्ति मौद्रीकरण की मंजूरी, पहली खेप में 7,000 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली।

सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम पावर ग्रिड कार्पोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) को उसकी अनुषंगी कंपनियों की संपत्तियों के मौद्रीकरण की अनुमति दे दी। यह बिक्री अवसंरचना निवेश ट्रस्ट के जरिये की जायेगी। इससे कंपनी को पहली खेप में 7,000 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने एक अहम् निर्णय लेते हुये पावर ग्रिड कार्पोरेशन को अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनविट) के जरिये संपत्तियों का मौद्रीकरण करने को मंजूरी दे दी। एक सरकारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। यह पहला मौका होगा जब बिजली क्षेत्र का कोई सार्वजनिक उपक्रम अपनी परिसंपत्तियों को इनविट प्रणाली के जरिये मौद्रीकरण करेगा और उससे प्राप्त राशि का नये और निर्माणाधीन पूंजीगत परियोजनाओं में इस्तेमाल करेगा। इससे पावर ग्रिड को पहले खेप में 7,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि प्राप्त हो सकती है। पावर ग्रिड की इन परिसंपत्तियों में उच्च क्षमता की ट्रासमिशन लाइनें और सब-स्टेशन शामिल हैं। उससे प्राप्त राशि का नये और निर्माणाधीन पूंजीगत परियोजनाओं में इस्तेमाल करेगा। इससे पावर ग्रिड को पहले खेप में 7,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि प्राप्त हो सकती है। पावर ग्रिड की इन परिसंपत्तियों में उच्च क्षमता की ट्रासमिशन लाइनें और सब- स्टेशन शामिल हैं। ये संपत्तियां विशेष उद्देशीय निकाय (एसपीवी) के रूप में पावर ग्रिड के तहत हैं। इस तरह से प्राप्त राशि का इस्तेमाल पावर ग्रिड अपनी नई परियोजनाओं और निर्माणाधीन परियोजनाओं में कर सकेगा। विद्युत मंत्रालय के तहत आने वाली पावर ग्रिड कार्पोरेशन एक सार्वजनिक उपक्रम हैजो कि विद्युत पारेषण के क्षेत्र में कारोबार करती है। कंपनी का पूरे देश में फैला ट्रांसमिशन नेटवर्क है। जो कि विद्युत पारेषण के क्षेत्र में कारोबार करती है। कंपनी का पूरे देश में फैला ट्रांसमिशन नेटवर्क है।

अशोक लीलैंड के मानद चेयरमैन आर. जे. साहनी का 89 वर्ष की आयु में निधन

चेन्नई। हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोक लीलैंड के मानद चेयरमैन आर. जे. साहनी का मंगलवार को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह काफी समय से बीमार चल रहे थे। साहनी, कंपनी के पहले भारतीय प्रबंध निदेशक थे। इस पद पर वह 1978 से 1998 तक रहे और उसके बाद 2010 तक कंपनी के चेयरमैन भी रहे। अशोक लीलैंड ने एक बयान में उन्हें भविष्यद्रष्टा बताया। उन्होंने कंपनी को विनिर्माण, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी की मजबूत बुनियाद दी। भारी और वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली अशोक लीलैंड ने कहा कि एक समय ऐसा था जब उसे विदेशी कंपनी के तौर पर देखा जाता था और उसे वृद्धि करने में दिक्कतें पेश आती थीं। और उसकी वजह से कंपनी ने कई गुना वृद्धि की। साहनी, वाहन विनिर्माताओं के संगठन 'सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चर्स' (सियाम) के अध्यक्ष भी रहे। साहनी ने उस समय में कंपनी के विस्तार की योजना बनाने का साहस दिखाया और उसकी वजह से कंपनी ने कई गुना वृद्धि की। साहनी, वाहन विनिर्माताओं के संगठन 'सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चर्स' (सियाम) के अध्यक्ष भी रहे। कंपनी के होसर, अलवर और भंडारा संयंत्र को उन्हीं ने स्थापित किया।

नौकरी गंवाने के बाद कई भारतीय सिंगापुर से वापसी की तैयारी में: उच्चायुक्त

बिजनेस डेस्क।

सिंगापुर से अब ज्यादा से ज्यादा भारतीय कामगार स्वदेश वापसी की तैयारी में हैं। कोरोना वायरस महामारी का कारोबार पर गंभीर प्रभाव पड़ने के बाद सिंगापुर के उद्यमियों ने कर्मचारियों की संख्या में कटौती की है। भारतीय उच्चायुक्त पी कुमारन ने बुधवार को कहा, 'रोजाना औसतन 100 भारतीय नागरिक वापस भारत जाने के लिये हवाई यात्रा के वास्ते उच्चायुक्त के पास पंजीकरण करा रहे हैं। अब तक कुल मिलाकर 11,000 भारतीयों ने पंजीकरण करा लिया है।' भारत सरकार के वंदे भारत मिशन के तहत विशेष उड़ानों की व्यवस्था की जा रही है। विदेशों में रह रहे कई भारतीय अपनी नौकरी खो बैठे हैं, बीमारी का इलाज कराने अथवा परिवार में परेशानी के चलते कई स्वदेश लौटना चाहते हैं, उनकी मदद के लिये सरकार ने वंदे भारत मिशन के तहत विशेष उड़ानें शुरू की हैं। कुमारन ने कहा कि भारत और सिंगापुर के बीच अभी तक औपचारिक रूप से उड़ानों की शुरुआत नहीं हुई है। औपचारिक रूप से उड़ानों की शुरुआत नहीं हुई है। फिर भी मई के बाद से अब तक उच्चायोग ने 120 उड़ानों की व्यवस्था कर 17,000 से अधिक भारतीयों को भारत भेजने की व्यवस्था की है। उच्चायक्त ने पीटीआई- भाषा के साथ बातचीत में भारत-सिंगापुर के बीच रिश्तों को मजबूत बनाने के संबेध में अपनी प्राथमिकताओं को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश प्रवाह बढ़ाने, फिनटेक, अंतरिक्ष और स्टार्टअप क्षेत्र में प्रौद्योगिकी गठबंधन के लिये राजनीतिक स्तर पर मेल जोल बढ़ाने पर भी काम कर रहे हैं। सिंगापुर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिहाज से भारत के लिये लंबे समय से बड़ा स्रोत रहा है। कुमारन ने कहा कि निवेशक भारत को एक बढ़ती घरेलू मांग के साथ दीर्घकालिक बाजार के तौर पर देखते हैं। भारत में जारी आर्थिक सुधारों से कारोबारी माहौल में भी सुधार हुआ है। इसके साथ ही निर्यातोन्मुखी उद्योगों को सरकार की ओर से समर्थन भी दिया जा रहा है। कुमारन ने यह भी बताया कि भारत के नये उच्चायुक्त भवन पर जल्द ही काम शुरू होने जा रहा है। यह फ्रीहोल्ड भूमि पर एक बहुमंजिला इमारत होगी। भारत सरकार के पास इसका मालिकाना हक होगा। इसमें मौजूदा कार्यालय के साथ ही उच्चायुक्त का निवास भी होगा। उन्होंने कहा, 'हम भारतीय उच्चायोग के नये भवन परिसर को तीन साल में पूरा करने की उम्मीद कर रहे हैं।'

ईपीएफओ बैठक में हुआ बड़ा फैसला, 6 करोड़ लोगों को मिलेगा फायदा

बिजनेस डेस्क।

भविष्य निधि कोष का प्रबंधन करने वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने बुधवार को अपने 6 करोड़ के करीब अंशधारकों को वित्त वर्ष 2019-20 के लिए भविष्य निधि पर तय ब्याज का आंशिक भुगतान करने का फैसला किया है। एक सूत्र ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर 8.50 प्रतिशत की तय दर में से फिलहाल 8.15 प्रतिशत ब्याज का भुगतान करने का फैसला किया गया है। यह निर्णय ईपीएफओ ट्रस्टी की बुधवार को हुई बैठक में लिया गया। सूत्रों ने बताया कि शेष 0.35 प्रतिशत ब्याज का भुगतान इस साल दिसंबर तक अंशधारकों के ईपीएफ खातों में कर दिया जाएगा। ईपीएफओ ने इससे पहले एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में निवेश किए गए अपने कोष को बाजार में बेचने की योजना बनाई थी। ईपीएफ अंशधारकों को 8.5 प्रतिशत की दर से ब्याज का पूरा भुगतान करने के लिए यह निर्णय लिया गया था लेकिन कोविड-19 के कारण बाजार में भारी उठापटक के चलते ऐसा नहीं किया जा सका। ईपीएफओ का केन्द्रीय ट्रस्टी बोर्ड, संगठन की निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था है। दिसंबर 2020 में इसकी पुनः बैठक होगी जिसमें भविष्य निधि अंशधारकों के खातों में 0.35 प्रतिशत की दर से ब्याज की बकाया राशि का भुगतान किए जाने पर गौर किया जाएगा। ब्याज भुगतान का यह मुद्दा ट्रस्टी बोर्ड की आज की बैठक में सूचीबद्ध नहीं था लेकिन कुछ ट्रस्टियों ने पीएफ खातों में ब्याज अदायगी में देरी का मुद्दा उठाया। श्रम मंत्री संतोष गंगवार ट्रस्टी बोर्ड के अध्यक्ष हैं। बोर्ड ने इस साल मार्च में हुई बैठक में पीएफ पर 2019- 20 के लिए 8.5 प्रतिशत की दर से ब्याज देने का फैसला किया है। सूत्रों ने बताया कि वित्त मंत्रालय पिछले वित्त वर्ष के लिए पीएफ पर 8.5 प्रतिशत की दर ब्याज देने के फैसले पर अपनी सहमति पहले ही जता चुका है।

केंद्र सरकार ने 12 लाख कंपनियों को दी राहत, एजीएम के लिए दिसंबर तक का समय मिला

नई दिल्ली।

कोरोना संकट के बीच सरकार ने 12 लाख कंपनियों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के इस दौर में कंपनियों को 2019- 20 वित्त वर्ष की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) करने के लिए 31 दिसंबर 2020 तक का समय दे दिया। कार्पोरेट कार्य मंत्रालय की विज्ञप्ति के मुताबिक मंत्रालय ने इस बारे में कंपनी रजिस्ट्रार (आरओसी) को आदेश जारी करने को कहा है। आवेदन करने और फीस का भुगतान किये बिना ही एजीएम करने की समय सीमा विस्तार का आदेश जारी करे। विज्ञप्ति में कहा गया है, आरओसी से कहा गया है कि वह इस संबंध में औपचारिक तौर पर आवेदन करने और फीस का भुगतान किये बिना ही एजीएम करने की समय सीमा विस्तार का आदेश जारी करे। विज्ञप्ति में कहा गया है, 'इस संबंध में चाहे आवेदन पहले दिया जा चुका है और उसे मंजूरी नहीं मिली है अथवा खारिज किया गया है, ऐसे आवेदन भी राहत पाने के दायरे में होंगे।' कार्पोरेट कार्य मंत्रालय का काम कंपनी कानून के अमल पर ध्यान देना है।

12 लाख कंपनियों को राहत

मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, करीब 12 लाख कंपनियों को बड़ी राहत दी गई है।

कंपनियों को उनकी वार्षिक आम बैठक आयोजित करने की समय सीमा को 30 सितंबर से बढ़ाकर 31 दिसंबर 2020 कर दिया गया है। कंपनियों को यह राहत कोरोना वायरस महामारी को देखते हुये दी गई है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि विभिन्न संघों और संगठनों ने कंपनियों के लिये एजीएम करने की समयसीमा बढ़ाने की मांग की थी।

पीएमजीकेवाई के तहत 42 करोड़ से अधिक गरीबों को मिले 68,820 करोड़ रुपए

नई दिल्ली।

वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि कोविड- 19 संकट से गरीबों और वंचितों की सुरक्षा के लिये शुरू की गई प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई) के तहत 42 करोड़ से अधिक गरीबों को 68,820 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 26 मार्च को 1.70 लाख करोड़ रुपए की पीएमजीकेवाई योजना के हिस्से के तौर पर मुफ्त अनाज और महिलाओं, गरीब वरिष्ठ नागरिकों और किसानों को नकद सहायता देने की घोषणा की थी। वित्त मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पैकेज के क्रियान्वयन पर केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा लगातार नजर रखी जा रही है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत अब तक 42 करोड़ गरीबों को 68,820 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है। मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस राशि में से 17,891 करोड़ रुपए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम- किसान) की पहली किस्त के तौर पर दिए गए हैं। इसके तहत 8.94 करोड़ लाभार्थी किसानों को उनके बैंक खाते में 2,000 रुपए की पहली किस्त पहुंचाई गई है। इसके साथ ही 20.6 करोड़ महिला जनधन खाता धारकों के खाते में तीन माह के दौरान हर महीने 500 रुपए की किस्त के रूप में 30,925 करोड़ रुपए डाले गए हैं। मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) के तहत 2.81 करोड़ बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों को 2,814.5 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

इनमें प्रत्येक लाभार्थी को योजना के तहत 500 रुपए की दो समान किस्तों में नकद अनुदान सहायता प्राप्त हुई है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अप्रैल से जून अवधि के दौरान 75 करोड़ लाभार्थियों को 111.6 लाख टन खाद्यान्न वितरित किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्विस चैलेंज के लिए तैयार हैं दीक्षा और त्वेसा

हॉल्थाउज्जर्न । पिछले सप्ताह अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ परिणाम हासिल करने वाली त्वेसा मलिक और अपने खेल में सुधार करने को प्रतिबद्ध दीक्षा डागर गुरुवार से शुरू होने वाली वीपी बैंक स्विस लेडीज ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती पेश करेंगी। चौबीस वर्षीय त्वेसा पिछले सप्ताह फ्लमसरबर्ग लेडीज ओपन में संयुक्त चौथे स्थान पर रही थी। यह अंतरराष्ट्रीय पेशेवर प्रतियोगिता में उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ परिणाम है। त्वेसा ने कहा कि वह अधिक से अधिक टूर्नामेंट में खेलने की इच्छुक है। उन्होंने कहा, 'मैंने चार महीने से अधिक समय तक घर में पर्याप्त विश्राम किया। मुझे जिस भी टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलेगा मैं उसमें खेलूंगी। त्वेसा ने जहां पिछले कुछ सप्ताह में अच्छे परिणाम हासिल किये वहीं दीक्षा का प्रदर्शन औसत रहा। वह स्कॉटिश ओपन और एआईजी महिला ओपन में कट से चूक गयी थी जबकि चेक लेडीज ओपन और फ्लमसरबर्ग में क्रमशः संयुक्त 67वें और संयुक्त 47वें स्थान पर रही थी। दीक्षा ने कहा, 'पिछले कुछ सप्ताह ने मेरे संकल्प को अधिक मजबूत बनाया है। मैं जल्द दमदार वापसी करूंगी।

मार्श की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने जीता तीसरा टी20 मैच, इंग्लैंड ने किया सीरीज पर कब्जा

साउथम्पटन ।

मिशेल मार्श की शानदार पारी से ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पांच विकेट से जीत दर्ज करके क्रिकेट के इस सबसे छोटे प्रारूप में फिर से शीर्ष रैंकिंग हासिल की। ऑस्ट्रेलिया के सामने 146 रन का लक्ष्य था। उसने मार्श के नाबाद 39 रन की मदद से तीन गेंद शेष रहते हुए जीत दर्ज की। इंग्लैंड ने श्रृंखला 2-1 से जीती। इंग्लैंड ने रविवार को दूसरा मैच जीतकर नंबर एक रैंकिंग हासिल कर ली थी लेकिन 2 दिन के अंदर उसने इसे गंवा दिया। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टॉ ने धीमी शुरुआत से उबरकर 44 गेंदों पर तीन चौकों और इतने ही छक्कों की मदद से 55 रन बनाये जिससे उनकी टीम छह विकेट पर 145 रन बनाने में सफल रही। यह श्रृंखला का सबसे कम स्कोर था तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने चार ओवर में केवल 20 रन देकर एक विकेट लिया। जो डेनली के आखिरी क्षणों में बनाये गये 19 गेंदों पर नाबाद 29 रन से इंग्लैंड सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच पाया। ऑस्ट्रेलिया ने अच्छी शुरुआत की।कप्तान आरोन फिंच (39) और मार्कस स्टोइनिस (26) की पारियों से एक समय उसका स्कोर एक विकेट पर 70 रन था लेकिन मध्यक्रम लड़खड़ाने से 13वें ओवर में स्कोर पांच विकेट पर 100 रन हो गया। कप्तान आरोन फिंच (39) और मार्कस स्टोइनिस (26) की पारियों से एक समय उसका स्कोर एक विकेट पर 70 रन था लेकिन मध्यक्रम लड़खड़ाने से 13वें ओवर में स्कोर पांच विकेट पर 100 रन हो गया। लेग स्पिनर आदिल राशिद (21 रन देकर तीन) ने फिंच, ग्लेन मैक्सवेल (छह) और स्टीवन स्मिथ (तीन) को आउट करके आस्ट्रेलिया को संकट में डाल दिया था। मार्श और एस्टन एगर (नाबाद 16) ने 46 रन की भागीदारी करके आस्ट्रेलिया को लक्ष्य तक पहुंचाया। इंग्लैंड को मैच में स्टार बल्लेबाज जोस बटलर और नियमित कप्तान इयोन मोर्गन की कमी खली। ऑस्ट्रेलिया भी तेज गेंदबाज पैट कमिन्स और सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के बिना उतरा था। इन दोनों टीमों के बीच शुक्रवार से तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी।

भारत के डी गुकेश ने जीता गुडअर्थ ऑनलाइन इंटरनेशनल ब्लिट्ज का खिताब

मुंबई ।

दुनिया के दूसरे सबसे कम उम्र के और भारत के सबसे कम उम्र के ग्रांड मास्टर बनने का रिकॉर्ड बनाने वाले 14 वर्षीय डी गुकेश भी अब धीरे धीरे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत ग्रांड मास्टर के तौर पर उभरने लगे है । पिछले दिनो बेंटर ब्लिट्ज़ कप मे शानदार प्रदर्शन के बाद गुकेश नें चेसबेस इंडिया द्वारा आयोजित गुडअर्थ ऑनलाइन इंटरनेशनल ब्लिट्ज का खिताब जीत लिया । प्रतियोगिता मे करीब 11 देशो के 16 ग्रांड मास्टर , 22 इंटरनेशनल मास्टर और 4 वुमेन इंटरनेशनल मास्टर सहित कुल 231 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। लगातार 9 मैच जीतकर पेरु के ग्रांड मास्टर एडुआर्डो मार्टिनेज के खिलाफ अंतिम दौर का खेल हारने के बावजूद, गुकेश पहले स्थान पर रहे जबकि इसी स्कोर के साथ टाईब्रेक मे पेरु के मार्टिनेज को दूसरा स्थान हासिल हुआ भारत के इंटरनेशनल मास्टर मित्रभा गुहा नें आठ जीत और 1 ड्रॉ से 8.5 अंक बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया उन्हे एकमात्र हार गुकेश के खिलाफ ही मिली । शीर्ष 10 के अन्य स्थानो पर क्रमशः 8 अंक पर भारत के आरोनयक घोष ,हर्षा भारतकोठी ,अजरबैजान के वुगर रसूलोव ,भारत के अभिमन्यु पौराणिक ,7.5 अंको पर भारत के आराध्य गर्ग ,उज्बेक्सितान के जाखोंगिर वाखिदोव और भारत के अंकित राज रहे ।

कैसे स्टिमक ने कतर के खिलाफ अच्छा खेलने के लिये भारतीय फुटबॉल टीम को प्रोत्साहित किया था..

नयी दिल्ली। भारतीय फुटबॉल खिलाड़ियों ने याद किया कि ठीक एक साल पहले फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में मजबूत कतर के खिलाफ ड्रा कराने के टीम के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिये कैसे मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने उन्हें प्रोत्साहित किया था। मुख्य खिलाड़ी जैसे डिफेंडर संदेश झिंगन और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने खुलासा किया कि कोच के व्यवहार से खिलाड़ी किस तरह कतर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने को प्रेरित हुए। पिछले साल 10 सितंबर को भारत ने दोहा में मौजूदा एशियाई चैम्पियन कतर से यादगार गोलरहित ड्रा खेला। इस मैच से पांच दिन पहले भारतीय टीम को गुवाहाटी में ओमान से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था जिसमें टीम ने अंतिम 10 मिनट में दो गोल खाये थे जबकि कप्तान सुनील छेत्री ने पहले हाफ में टीम को बढ़त दिला दी थी। संधू ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की अधिकारिक वेबसाइट पर कहा, ''कोच ने हमें कहा कि वह हमें डिनर पर ले जाना चाहते हैं (ओमान के खिलाफ मैच के बाद) और हमारे लिये यह थोड़ा हैरानी भरा था। लेकिन अब उसे याद करते हुए मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि इसका पूरी टीम पर बहुत बड़ा असर पड़ा। ' एशियाई चैम्पियन के खिलाफ भारतीय टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने वाले संधू ने कहा, '' ओमान के खिलाफ पिछले मैच के बाद हम नतीजे से काफी निराश और गुस्से में थे। लेकिन टीम के डिनर के बाद यह पूरी तरह से बदल गया '' पिछले महीने अर्जुन पुरस्कार से नवाजे गये सेंट्रल डिफेंडर झिंगन ने कहा, ''जब हम रेस्त्रां जाने के लिये बस में बैठे तो हमारे दिमाग में ओमान से मिली हार चल रही थी।

इंगलैंड का यह क्रिकेटर बोला- मैं विराट कोहली के करीब भी नहीं हूं

साउथम्पटन ।

इंग्लैंड के बल्लेबाज डेविड मालन की टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट लगभग 50 के औसत से रन बनाने के बावजूद टीम में जगह पक्की नहीं है और उन्होंने कहा कि जब वह कम से कम 50 मैच खेल लें तब उनकी विराट कोहली जैसे खिलाड़ी से तुलना की जा सकती है। बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर पर उतरने वाले मालन ने अब तक 16 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें उन्होंने 48.71 की औसत से 682 रन बनाए हैं। इसमें एक नाबाद शतक भी शामिल है। इस 33 वर्षीय बल्लेबाज को जैसन रॉय और बेन स्टोक्स की अनुपस्थिति में पाकिस्तान और आस्ट्रेलिया के खिलाफ नियमित तौर पर खेलने का मौका मिला। मालन ने कहा- मैं जिस तरह का खिलाड़ी हूं, मुझे यह जानना पसंद है कि टीम में मेरी स्थिति क्या है इसलिए मैंने कहा था कि जब आप श्रृंखला में खेलते हो तो आपको पता होता है कि आपको क्या करना है। मालन ने कहा- भले ही आंकड़े कुछ कहते हों लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं विराट कोहली या टीम में उनकी जगह पक्की नहीं होती है लेकिन मालन ने कहा कि वह वही कर सकते हैं जो उनके नियंत्रण में है अन्य खिलाडियों के करीब भी हूं। जब मैं 50 मैच खेल लूं तो उनसे मेरी तुलना कुछ हद तक की जा सकती है। टीम में उनकी जगह पक्की नहीं होती है लेकिन मालन ने कहा कि वह वही कर सकते हैं जो उनके नियंत्रण में

है और यह है मौका मिलने पर ढेर सारे रन बनाना। मालन ने कहा- यह कड़ी स्थिति है। हम सभी जानते हैं कि इन बल्लेबाजी क्रम पर खेलने वाले खिलाड़ी कितने अच्छे हैं। पिछले 4-5 वर्षों में उनका रिकार्ड शानदार है। किसी को भी टीम में जगह बनाने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा और इंग्लैंड के लिए मैच जीतने होंगे। उन्होंने कहा- मैं अच्छी तरह से समझता हूं कि जैसन और स्टोक्सी वापसी करेंगे और ऐसे में मेरा काम है कि मौका मिलने पर अधिक से अधिक रन बनाना। मुझे उन पर, कप्तान इयोन मोर्गन और चयनकर्ताओं पर दबाव बनाना होगा।

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम मैच में खेलने के इच्छुक नहीं थे सरफराज, सामने आई बड़ी वजह

कराची । पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की पेशकश ठुकरा दी थी। इसका कारण है इंग्लैंड के लगभग पूरे दौर के दौरान उनकी अनदेखी करना है। सरफराज ने मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता मिसबाह उल हक को मैच से पहले बताया कि वह खेलने के इच्छुक नहीं है। इस पर बात करते हुए मिसबाह ने जियो न्यूज चैनल से कहा, 'उसने (सरफराज) खेलने से इनकार नहीं किया लेकिन हां, उसकी कुछ आशंकाएं थीं क्योंकि उन्हें दौरे के अंतिम मैच में खेलने के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा, 'अगर मैं उनकी जगह होता तो मैं भी इसी तरह महसूस करता। जब किसी खिलाड़ी को दौरे के अंतिम मैच में खेलने के लिये पूछा जाता है तो वह थोड़ा आशंकित महसूस करता है क्योंकि उसे पहले के मैचों में नहीं खिलाया गया।

श्रीलंका बोर्ड दिसंबर में शुरू करेगा टी-10 टूर्नामेंट

कोलंबो । श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) नवंबर में शुरूआती लंका प्रीमियर लीग के आयोजन के बाद दिसंबर में एक टी10 टूर्नामेंट शुरू करने की योजना बना रहा है। 'डेली न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार श्रीलंका क्रिकेट कार्यकारी समिति ने टूर्नामेंट को पहले ही मंजूरी दे दी है। बुधवार को आई रिपोर्ट में कहा गया, 'एसएलसी मुख्यालय में कल हुई बैठक में कार्यकारी समिति ने सर्वसम्मति से इस साल दिसंबर में शुरूआती टी10 टूर्नामेंट के आयोजन को मंजूरी दे दी। इसके अनुसार, 'नवंबर में लंका प्रीमियर लीग के समापन के बाद सभी खिलाड़ी इसमें खेल पाएंगे क्योंकि तब कोई टूर्नामेंट नहीं होगा ।

इंगलैंड के पास 2 दिन ही टिकी टी-20 की बादशाहत, आईसीसी टी-20 टीम रैंकिंग की स्थिति

नई दिल्ली । इंगलैंड और ऑस्ट्रेलिया में खेले गए तीसरे टी-20 में अगर इंगलैंड टीम जीत जाती तो वह आईसीसी टी-20 टीम रैंकिंग में नंबर वन ही रहती। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले दो मैच जीतकर इंगलैंड टीम ने ऑस्ट्रेलिया से इसे हथिया लिया था लेकिन दो दिन बाद ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया टीम से तीसरा मैच गंवाकर इसे फिर से गंवा लिया। अब ऑस्ट्रेलिया एक बार फिर से 275 की रेटिंग के साथ नंबर एक पर पहुंच गया है। इंगलैंड की रेटिंग 271 है। इसकी वजह यह है कि उनके रेटिंग प्वाइंट दूसरे नंबर पर स्थित इंगलैंड से पांच कम यानी 261 है। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया और इंगलैंड के बीच साऊथहैम्प्टन के मैदान पर तीसरा टी-20 मैच खेला गया था।

बाबर आजम को आईसीसी टी20 रैंकिंग में लगा झटका, इस खिलाड़ी ने छीना पहला स्थान

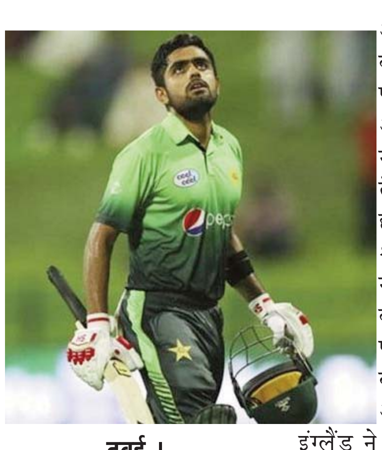

दुबई ।

इंग्लैंड के बल्लेबाज डेविड मालन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की आईसीसी रैंकिंग में पाकिस्तान के बाबर आजम को हटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। तैंतीस साल के इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने श्रृंखला में कुल 129 रन जोड़कर चार पायदान की छलांग लगाई। उन्होंने पहले मैच में 66 रन बनाए थे और 'मैन ऑफ द मैच बने थे। इंग्लैंड ने यह श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। मालन की पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पिछले साल नवंबर में दूसरा स्थान थी और अब वह आजम से आठ रेटिंग अंक ऊपर हैं। कोविड-19 महामारी के कारण छह महीने से ज्यादा समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने वाले भारत के केएल राहुल को हालांकि दो पायदान का नुकसान हुआ जिससे वह चौथे स्थान पर खिसक गये लेकिन कप्तान विराट कोहली एक पायदान के फायदे से नौंवे स्थान पर पहुंच गए। मालन के साथी जॉनी बेयरस्टो और जोस बटलर को बुधवार को जारी रैंकिंग में फायदा हुआ। बेयरस्टो तीन पायदान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ 19वें स्थान पर पहुंचे, उन्होंने श्रृंखला में कुल 72 रन बनाये थे। बटलर 40वें से 28वें स्थान पर पहुंच गए जिन्होंने दो मैचों में 121 रन बनाए जिसकी बदौलत वह 'प्लेयर ऑफ द सीरीज भी बने। आस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच श्रृंखला में 125 नन जुटाने से तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। ग्लेन मैक्सवेल भी छठे स्थान पर कायम हैं लेकिन वह एक पायदान के फायदे से अफगानिस्तान के मोहम्मब नबी की अगुआई वाली आलराउंडर रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने टीम रैंकिंग में शीर्ष स्थान फिर हासिल कर लिया है ।

जो इस साल एक मई को सालाना अपडेट के समय इस प्रारूप में पहली बार नंबर एक बनी थी। उसके 275 अंक हैं और इंग्लैंड के 271 अंक हैं।

यूएई में गर्मी से बचने के लिए मोहम्मद शमी ने गेंदबाजों को दी सलाह

स्पोर्ट्स डेस्क । इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) बेहद चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। इसका पहला कारण कोरोना वायरस के संक्रमण का डर और दूसरा यूएई का तापमान है। हालांकि यूएई में गर्मी से निपटने के लिए भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने गेंदबाजों को खुद पर विश्वास रखने के लिए कहा है। आईपीएल के सभी मैच दुबई, अबु धाबी और शरजाह में खेले जाएंगे। शमी ने यूएई के तापमान पर बात करते हुए कहा कि, भारत की तुलना में यहां तापमान काफी ज्यादा है। ऐसी संभावनाएं हैं कि खिलाड़ियों को डिहाइड्रेशन, खिंचाव की संभावना हो। ऐसे में इन बातों को ध्यान में रखना होगा। उन्होंने कहा, यह काफी मुश्किल होगा क्योंकि यहां विकेट भी काफी अलग है, इसलिए वर्कलोड मैनेजमेंट काफी अहम है। शमी ने साथ ही ये भी कहा कि ये सब इतना मुश्किल नहीं है कि कंट्रोल ना किया जा सके। उन्होंने ये हम पर निर्भर करता है कि हम किस तरह से चीजों को संभालेंगे। क्या आप पर कोई अतिरिक्त दबाव होगा? इस पर तेज गेंदबाज ने कहा, सीनियर होने का मैं दबाव नहीं लेता। आपको अपनी स्कील और खुद पर विश्वास होना चाहिए। गौर हो कि किंग्स इलेवन पंजाब अभी तक एक बार भी आईपीएल नहीं जीत सकी है लेकिन इस बार कई पूर्व खिलाड़ियों ने इस टीम के खिताब जीतने का दावा किया है। आईपीएल 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक खेला जाएगा। आपको अपनी स्कील और खुद पर विश्वास होना चाहिए। गौर हो कि किंग्स इलेवन पंजाब अभी तक एक बार भी आईपीएल नहीं जीत सकी है लेकिन इस बार कई पूर्व खिलाड़ियों ने इस टीम के खिताब जीतने का दावा किया है। आईपीएल 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक खेला जाएगा। खिताब जीतने का दावा किया है।आईपीएल 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक खेला जाएगा। आईपीएल 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट में नस्लवाद दिखेगा नहीं लेकिन यह निश्चित रूप से है : डैन क्रिस्टियन

मेलबर्न । पूर्व आस्ट्रेलियाई हरफनमौला डैन क्रिस्टियन ने नस्लवाद के मुद्दे पर कहा कि ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट में नस्लवाद 'सामने से नहीं होता लेकिन यह निश्चित रूप से मौजूद है। दुनिया भर से विभिन्न खेलों के खिलाड़ी और टीमें एकजुट होकर 'ब्लैक लाइव्स मैटर अभियान का समर्थन कर रह रहे हैं। क्रिस्टियन ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा कराई गई पैनल चर्चा 'क्रिकेट कनेक्टिंग कंट्री पर कहा, 'मुझे लगता है कि (नस्लवाद) ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट में मुद्दा है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह आपके सामने होता है जैसा आप दुनिया भर में किसी अन्य जगह या फिर ऑस्ट्रेलियाई संस्कृति में देख सकते हो लेकिन यह निश्चित रूप से है। उन्होंने कहा, 'यह अनौपचारिक नस्लवाद ज्यादा होता है। यहां वहां एक छोटी पंक्तियां, जो मजाक के लिए होती हैं। और इसमें से ज्यादा चीजें, मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से, मेरे रंग को लेकर होती है और यह तथ्य कि मैं ऑस्ट्रेलियाई आदिवासी नहीं दिखता, जो भी इसका मतलब हो। इस 37 वर्षीय खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 19 वनडे और 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को निपटाने के लिये शिक्षा अहम चीज है। उन्होंने कहा, 'हमें खुद को शिक्षित करने की जरूरत है ।

ओसाका, ब्राडी और जेवरेव ने यूएस ओपन के सेमीफाइनल में बनाई जगह

न्यूयार्क ।

नाओमी ओसाका और जेनिफर ब्राडी ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई जबकि पुरुष वर्ग में अलेक्सांद्र जेवरेव इस साल दूसरी बार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचे। जापान की खिलाड़ी और दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन ओसाका ने अपने दमदार खेल के दम पर अमेरिका की विश्व में 93वें रैंकिंग की शेल्बी रोजर्स को 6-3, 6-4 से हराया। आर्थर ऐस स्टेडियम में मंगलवार की रात को खेले गये इस मैच में ओसाका ने सात ऐस जमाये और उन्होंने बेसलाइन पर भी अच्छा खेल दिखाया। इससे पहले 27 वर्षीय रोजर्स ने ओसाका के खिलाफ पिछले तीनों मैच जीते थे लेकिन इस मैच में उन्होंने अपनी गलती से 27 बार अंक गंवाये जबकि ओसाका ने ऐसा केवल आठ बार किया। दो साल पहले यूएस ओपन जीतने वाली ओसाका सेमीफाइनल में ब्राडी से भिड़ेगी। अमेरिका की 28वीं वरीयता प्राप्त ब्राडी ने कजाखस्तान की 23वीं वरीय यूलिया पुतिनसेवा को 6-3, 6-2 से पराजित किया। ब्राडी ने बेसलाइन से अपना दबदबा बनाया। उन्होंने पहले सेट में 4-0 और दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बनाई। इस बीच पुरुष वर्ग में पांचवीं वरीयता प्राप्त जर्मन खिलाड़ी जेवरेव ने क्रोएशिया के 27वें वरीय बोर्ना कोरिच के खिलाफ 12 डबल फॉल्ट और 46 गलतियों के बावजूद 1-6, 7-6 (5), 7-6 (1), 6-3 से जीत दर्ज की। जेवरेव इस साल के शुरू में आस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंचे थे लेकिन वहां से आगे नहीं बढ़ पाये थे। उन्हें तब डोमिनिक थीम ने हराया था। पिछले 17 वर्षों में यह पहला अवसर है कि पुरुष क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले किसी भी खिलाड़ी ने ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट नहीं जीता है।

अंडरटेकर को करना पड़ा था खूब संघर्ष, मैकमोहन न मिलने के लिए बनाते थे यह बहाने

नई दिल्ली । डब्ल्यूडब्ल्यूई के बॉस विंस मैकमोहन ने शुरू में अंडरटेकर से मिलने से इनकार कर दिया क्योंकि उन्हें लगा कि वह सिर्फ एक लंबा बास्केटबॉल खिलाड़ी है। लेकिन किसे पता था कि टेकर जिनका असली नाम मार्क कैलावे है वह एक दिन मैकमोहन का पसंदीदा सितारा बन जाएगा। 6 फीट 10 इंच लंबे टेकर ने 1990 में अपने करियर की शुरुआत की थी। लेकिन शुरुआती दिनों में वह मैकमोहन को प्रभावित करने में सफल नहीं हो पाए थे। डब्ल्यूडब्ल्यूई के कार्यकारी निदेशक ब्रूस प्राइसहार्ड ने टेकर को ग्रेट अमेरिकन बैश में लेक्स लुगर के सामने लाने के बाद इसका खुलासा किया था। प्राइसहार्ड ने अपने समथिंग टू रेसल पॉडकास्ट पर कहा- टेकर को शुरू में नापसंद किया गया था। एक मैच के बाद मैंने उन्हें विंस से मिलाना था। ऐसा हो नहीं पाया। क्योंकि विंस ने अंडरटेकर को देखा था। वह सोचते थे कि यह लाल बालों के साथ सिर्फ एक लंबा बास्केटबॉल खिलाड़ी है, उसमें कुछ भी खास नहीं है। अंडरटेकर जोकि जून में सेवानिवृत्त हुए ने अपने 21 साल के करियर के दौरान 7 डब्लयूडब्लयूई और विश्व हैवीवेट चैंपियनशिप जीती। प्राइसहार्ड ने बताया कि उन्हें अंडरटेकर को मैकमोहन से मिलाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। पहले एक बैठक रखी गई जो रद्द कर दी गई। फिर मैंने विंस से मार्क कैलावे से मिलने की भीख मांगी थी। विंसे तब न्यू जर्सी के मीडोवलैंड्स के एक शो में थे। मुझे पूरा विश्वास था कि मैं वहां अंडरटेकर को ला सकता था।

विधानसभा चुनाव से पहले युवा वोटरों की नाराजगी से क्यों घबराए हुए हैं नीतीश कुमार?

पटना।

विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी एंटी इन्कंबैसी वोटों की आहट महसूस कर रहे हैं। अपने चुनावी मिशन की शुरूआत में नीतीश कुमार ने कई ऐसी बातें की जिससे ये अंदाजा मिलता है कि पिछले 15 साल के शासन में जो अलोकप्रियता बढ़ी है उसका एहसास नीतीश कुमार को हो गया है। नीतीश कुमार ने सबसे पहले तो आरजेडी के 15 साल की खामियों की याद दिलाते हुए मतदाताओं से खुद के 15 साल के राज काज की तुलना की। इसके जरिए वे बिहार के मतदाताओं को ये बताना चाहते हैं कि उनका राज लालू-राबड़ी के राज से बेहतर रहा है, यानी नीतीश कुमार घुम फिर कर लालू राज से ही अपनी तुलना होते देखना चाहते हैं, ताकि वे लोगों को ये दिखा सकें कि उनका शासन का मॉडल कम से कम लालू से तो बेहतर है। पिछले कई सालों से बिहार के युवाओं में नीतीश कुमार के रवैये को लेकर आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। बिहार के छात्र सरकार पर कंपटीशन इक्जाम के क्वेश्चन पेपर लीक होने का आरोप लगाते रहे हैं। एसएससी का पेपर हो या फिर दारोगा का सभी में पेपर लीक होने का आरोप छात्रों ने लगाया है। छात्रों का आरोप है कि सरकार पेपर लीक की गड़बड़ी को ठीक नहीं कर पाई और परीक्षा माफिया पर सख्त एक्शन नहीं लिया जा सका। वहीं बीपीएससी भी इस आरोप से नहीं बच पाया। बिहार लोक सेवा आयोग के सदस्य रामाकिशोर सिंह के रिश्वत वाले ऑडियो के वायरल होने के बावजूद सख्त कार्रवाई ना होने से नीतीश कुमार की छवि पर से छात्रों का भरोसा कमजोर हुआ है। साथ ही बिहार में होने वाले परीक्षाओं में बाहरी उम्मीदवारों के चयन का भी लोकल स्टूडेंट्स ने लगातार विरोध किया है। युवाओं के इस गुस्से को तेजस्वी यादव ने समझ लिया है। यही वजह है कि तेजस्वी बार बार बिहार के युवाओं की बेरोजगारी की समस्या को आवाज दे रहे हैं। युवाओं के विरोध को नीतीश कुमार ने भी भांप लिया है। इसिलए नीतीश कुमार ये कहते नजर आ रहे हैं कि नई पीढ़ी के लोगों को पुरानी बात बतानी चाहिए। अगर वे नहीं जानेंगे और गड़बड़ लोगों के चक्कर मे पड़ जाएंगे, तो सब ध्वस्त हो जाएगा। नीतीश के इस बयान से साफ है कि वे युवाओं को ये बताना चाहते हैं कि अगर वे तेजस्वी पर भरोसा करेंगे तो इससे उनका ही नुकसान होगा। नीतीश कुमार ने अपने भाषण में 18 से 25 साल के युवा के बारे में बयान दिया। उनके मुताबिक 18 से 25 साल के युवा लालू-राबड़ी राज के बारे में नहीं जानते हैं। इसलिए वे कार्यकर्ताओं को ये संदेश देते नजर आते हैं कि 18 से 25 साल के युवाओं को लालू राबड़ी के 15 साल के राज के बारे में बताया जाए। युवाओं को लालू राबड़ी के 15 साल के राज के बारे में बताया जाए। साफ है कि नीतीश कुमार युवाओं के बीच बढ़ती नाराजगी से घबड़ाए हुए हैं। उन्हें लगता है कि लालू राबड़ी राज के जाने के बाद एक ऐसा युवा वर्ग अस्तित्व में आ गया है, जिन्होंने उस दौर को देखा ही नहीं है। इसलिए वे नीतीश कुमार से उनके कामकाज का हिसाब मांग रहे हैं और शायद नीतीश कुमार के पास युवाओं के सवालों का कोई जवाब ही नहीं है। आने वाले वक्त में ही पता चल पाएगा कि नीतीश कुमार की बातों पर खासकर युवा भरोसा जताते हैं कि नहीं। वैसे भी बिहार के युवा अगर खुलकर सामने आ गए तो चुनावी नतीजों को प्रभावित करने का माद्दा तो रखते ही हैं।

भारत ने चीन पर बढ़ाया दबाव, चीनी विदेश मंत्री रूस जाकर एफएम जयशंकर से करेंगे मुलाकात

इंटरनेशनल डेस्क।

भारत-चीन सीमा विवाद पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। भारत के एक्शन व उसको अमेरिका, रूस व फ्रांस जैसे कई देशों के मिले समर्थन से चीन बौखला गया है और कभी धमकी दे रहा है व कभी बातचीत से मसले का समाधान करने की बात कर रहा है । जानकारी के अनुसार अब चीन ने रूस पहुंचे भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ मिलने की इच्छा जताई है। मीडिया रिपोर्ट में ग्लोबल टाइम्स के हवाले से बताया गया कि चीनी विदेश मंत्री वांग यी रूस की राजधानी मास्को में होने वाली बैठक में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर के साथ मुलाकात करेंगे। बता दें कि लद्दाख में चीन से जारी तनाव के बीच रूस के लिए रवाना हुए। अपनी इस यात्रा में वो चीनी विदेश मंत्री के साथ मुलाकात करेंगे। यात्रा शुरू करने से पहले ही उन्होंने चीन को कड़ी चेतावनी दी है। जयशंकर कहा लद्दाख में बने तनाव पर कहा कि सीमा पर शांति से ही दो देशों के बीच संबंध मधुर हो सकते हैं। बिना शांति अच्छे संबंधों की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, दो देशों की सीमा की स्थिति को आपसी संबंधों की स्थिति से अलग नहीं किया जा सकता है। यदि सीमा पर शांति नहीं है, तो बाकी संबंध कभी भी बेहतरी की ओर नहीं जा सकते हैं।÷ गौरतलब है कि सीमा पर तनाव के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर मंगलवार को चार दिवसीय रूस यात्रा के लिए रवाना हुए हैं। जयशंकर मॉस्को में आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (स्ष्ह्र) की बैठक में हिस्सा लेंगे। जानकारी के अनुसार, विदेश मंत्री यात्रा के दौरान ईरान में रुक सकते हैं।मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के मुताबिक मॉस्को में जयशंकर द्वारा चीनी समकक्ष वांग यी के साथ द्विपक्षीय बैठक करने की उम्मीद है। इस बैठक में सीमा विवाद का मुद्दा उठ सकता है। जयशंकर मॉस्को में आयोजित आठ सदस्यीय शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने जा रहे हैं जिसमें भारत और चीन सदस्य हैं। शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ईरान की राजधानी तेहरान जा सकते हैं।

बारिश में भीगकर कांस्टेबल ने ट्रेफिक को किया कंट्रोल

पटना। अक्सर लोगों ने बिहार पुलिस की शर्मनाक करतूत के कई कारनामे सुने होंगे लेकिन वह अपनी ड्यूटी को लेकर कितने वफादार होते हैं, इसका जीता जागता सबूत पुलिस के एक कांस्टेबल ने पेश किया है। वह बारिश के दौरान भी अपनी ड्यूटी से पीछे नहीं हटे। उन्हें न तो खुद के भीगने का डर था और न ही तबीयत खराब होने की कोई चिंता। उन्होंने बारिश में भीगकर भी ट्रेफिक को कंट्रोल किया। वहीं रास्ते से गुजर रहे डीआईजी ने गाड़ी को रोककर अपने फर्ज को निभा रहे कांस्टेबल को सम्मानित किया। मामला पटना के अनीसाबाद गोलंबर का है, जहां सिपाही अशोक कुमार बारिश होने के बावजूद भी अपनी ड्यूटी कर रहे थे। इस दौरान इलाके से बिहार के सीनियर आईपीएस अधिकारी विकास वैभव की गाड़ी गुजर रही थी। उनकी नजर बारिश में भीग कर भी ड्यूटी कर रहे जवान पर पड़ी तो उन्होंने गाड़ी रोकी और अपने सुरक्षाकर्मियों को भेजकर अशोक को बुलवाया। वहीं डीआईजी ने सिपाही के काम करने की सराहना की और उन्हें इनाम के तौर पर 2500 रुपए भी दिए। साथ ही सिपाही को प्रशस्ति पत्र भी दिया। बता दें कि विकास वैभव ने इस घटना को अपने इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट किया है। डीआईजी के हाथों सम्मान पाने वाले कांस्टेबल अशोक कुमार मधेपुरा जिला पुलिस के सिपाही हैं, जिनकी प्रतिनियुक्ति फिलहाल पटना ट्रैफिक पुलिस में है।

चीन की सीमा में हैं छह दिन से लापता अरुणाचल प्रदेश के पांच युवक, जल्द होगी वापसी

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश से छह दिन पहले लापता हुए पांच भारतीय नागरिकों का पता चल गया है। पांचों चीन की सीमा में हैं। इसकी जानकारी अरुणाचल प्रदेश से सांसद और केंद्रीय मंत्री किरेन रिरिजू ने दी। उन्होंने मंगलवार को बतायि कि चीनी सेना ने पांचों नागरिकों के चीन की सीमा में होने की पुष्टि की है। रिजिजू ने कहा कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने भारतीय सेना की ओर से भेजे गए हॉटलाइन मैसेज का जवाब दिया है। उन्हें पुष्टि की है कि अरुणाचल के लापता युना उनके पक्ष में पाए गए हैं। उन्हें वापस लाए जाने की प्रक्रिया पर काम किया जा रहा है। ये युवा राज्य के अपर सुबांसिरी जिले से शुक्रवार को लापता हो गए थे। अभी तक कयास लगाए जा रहे थे कि इन नागरिकों का चीनी सेना ने अपहरण किया है। इससे पहले सोमवार को चीन ने पांचों भारतीयों के अपहरण की जानकारी देने से इनकार किया था। चीन ने कहा था कि उसे इस बारे में भारतीय सेना की ओर से संदेश भेजे जाने की कोई जानकारी नहीं है। गांव वालों के अनुसार ये युवक भारतीय सेना के लिए पोर्टर के रूप में काम करते थे जो दुर्गम क्षेत्रों में सामान की ढुलाई करते थे।

भारत में कोरोना के इलाज के लिए बाजार में आई रेम्डेसिविर दवा

नेशनल डेस्क।

औषधि क्षेत्र की कंपनी डा. रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड ने बुधवार को भारत में ष्टश1द्वस्र-19 संक्रमितों के इलाज के लिए रेम्डेसिविर दवा को बाजार में जारी करने की घोषणा की। यह दवा 'रेडायक्स ब्रांड नाम के तहत उपलब्ध होगी। दवा कंपनी की तरफ से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह दवा गिलीड साइंसिज इंक (गिलीड) के साथ लाइसेंस व्यवस्था के तहत जारी की गई है। गिलीड ने डा. रेड्डीज लैब को रेम्डेविविर के पंजीकरण, विनिर्माण और बिक्री का अधिकार दिया है। इस तरह के अधिकार भारत सहित 127 देशों में कोरोना-19 के संभावित इलाज में काम आने वाली इस दवा के लिए दिए गए हैं। भारत के दवा महानियंत्रक ने के गंभीर लक्षण वाले अस्पताल में भर्ती मरीजों पर आपात स्थिति में करने की मंजूरी दी है। कंपनी ने कहा है कि डॉ रेड्डीज की रेडायक्स 100 मिलीग्राम की छोटी शीशी में उपलब्ध होगी। कंपनी ने कहा है कि डॉ रेड्डीज की रेडायक्स 100 मिलीग्राम की छोटी शीशी में उपलब्ध होगी। डा. रेड्डीज लैबोरेटरीज के ब्रांडेड मार्किट्स (भारत और उभरते बाजार) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम वी रमन्ना ने कहा कि हम ऐसे उत्पादों

को विकसित करने के प्रयास जारी रखेंगे जिनसे बीमारों की जरूरतों का समाधान किया जा सके। रेडायक्स को बाजार में उतारना भारत में कोरोना -19 मरीजों के इलाज के लिए महत्वपूर्ण दवा पेश करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जम्मू कश्मीर में दो के अलावा शेष जिलों में 4 जी इंटरनेट सेवा नहीं होगी बहाल

जम्मू।

जम्मू कश्मीर प्रशासन ने मंगलवार को गांदरबल और उधमपुर जिलों को छोड़कर बाकी हिस्सों में सुरक्षा का हवाला देते हुए 4 जी मोबाइट इंटरनेट सुविधा नहीं शुरू करने का निर्णय लिया । हालांकि, उसने कहा कि 16 अगस्त को कश्मीर के गांदरबल और जम्मू के उधमपुर जिलों में प्रायोगिक आधार पर बहाल की गयी उच्च गति की इंटरनेट सुविधा इस माह के आखिर तक जारी रहेगी क्योंकि उसके दुरुपयोग की कोई खबर नहीं आयी है। मंगलवार शाम को जारी आदेश में गृह विभाग में प्रधान सचिव शालीन काबरा ने बताया कि स्थिति की ताजा समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया है। आदेश में कहा गया है कि कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने इस बात की पक्की सूचना दी है कि आतंकी गिरोह भोले-भाले युवकों की भावनाएं भड़काने और उन्हें बहला-फुसलाकर आतंकवादी संगठनों में शामिल करने की निरंतर कोशिश कर रहे हैं और अव्यवस्था फैलाने के लिए उच्च गति की डाटा सेवाओं के संभावित दुरूपयोग का भी संकेत मिला है। एजेंसियों ने यह भी आशंका प्रकट की कि उच्च गति की डाटा सेवाओं का दुरुपयोग आतंकवादियों को घुसपैठ में मदद करने के लिए किया जा सकता है। आदेश के अनुसार गांदरबल और उधमपुर को छोड़कर बाकी 18 जिलों में 2 जी इंटरनेट सुविधा होगी। केंद्र सरकार द्वारा पिछले साल पांच अगस्त को जम्मू कश्मीर के विशेष राज्य के दर्जे को समाप्त करने और उसे दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटने की घोषणा करने के बाद जम्मू कश्मीर में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गयी थी।

स्कूलों को आंशिक रूप से खोलने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर

नई दिल्ली।

कोरोना वायरस संक्रमण के कारण लंबे अरसे से बंद स्कूलों को अब खोला जाएगा। स्कूलों की सिर्फ उच्च कक्षाएं शुरू हो सकेंगी और वह भी तय एसओपी का पालन करते हुए। इसके लिए छात्र-छात्राओं के माता-पिता की सहमति जरूरी होगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्कूलों की 9 से लेकर 12 तक की कक्षाएं आंशिक रूप से शुरू करने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजरजारी किया है। अनलॉक 4 के तहत केंद्र सरकार ने कक्षा 9 से लेकर कक्षा 12 तक के छात्रों को स्वैच्छिक आधार पर माता-पिता की लिखित सहमति के बाद स्कूल जाकर टीचर से सलाह लेने की इजाजत दी थी। ऐसा 21 सितंबर से संभव हो सकेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर जारी करते हुए यह आम सावधानियां बरतने के लिए कहा है। फेसमास्क पहनना अनिवार्य होगा । आपस में छह फुट की दूरी रखनी होगी । निरंतर अंतराल पर हाथ धोना और सैनिटाइजर का इस्तेमाल करना होगा। भोजन करते हुए और सीखते वक्त मुंह और नाक को ढंकना होगा । थूकना मना होगा। स्वास्थ्य की सेल्फ-मॉनिटरिंग जरूरी है और जैसे ही तबीयत में कुछ खराबी हो तुरंत रिपोर्ट करें । जहां संभव हो वहां आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करने की सलाह दी जाए । स्कूलों को कक्षा 9 से लेकर कक्षा 12 तक की कक्षाओं के लिए यह इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। ऑनलाइन पढ़ाई की इजाजत बनी रहेगी और इसको बढ़ावा दिया जाएगा । कक्षा 9 से लेकर कक्षा 12 के छात्रों को उनके स्कूल जाने की इजाजत स्वैच्छिक आधार पर होगी । छात्र अपने अध्यापकों से सलाह लेने के लिए।

दफ्तर में बीएमसी की तोड़फोड़ पर बोली कंगना-कान खोलकर सुनो बाबर सेना, ये राम मंदिर फिर बनेगा

नेशनल डेस्क।

अभिनेत्री कंगना रनौत के मुंबई पहुंचने से पहले मुंबई पुलिस ने हवाई अड्डे के बाहर सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमने किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए मुंबई एयरपोर्ट और उसके आसपास सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए हैं। वहीं कंगना हिमाचल से जैसे ही चंडीगढ़ एयरपोर्ट पहुंची तो कमांडो और सुरक्षा जवान अभिनेत्री को सुरक्षा घेरे में अंदर तक लेकर गए। सुरक्षा जवानों ने किसी को भी कंगना के पास आने तक नहीं दिया। वहीं दूसरी तरफ बुधवार को बीएमसी ने बांद्रा वेस्ट के पाली हिल रोड पर स्थित कंगना रनौत के दफ्तर के अवैध बताते हुए उसमें तोड़फोड़ की। कंगना ने तोड़फोड़ की तस्वीरें ट्विटर पर शेयर करते हुए लिखा कि आज फिर इतिहास दोहराया जा रहा है। बाबर की सेना राम मंदिर गिरा रही है। कंगना ने लिखा कि मेरे लिए यह दफ्तर कोई इमारत नहीं बल्कि राम मंदिर है और यह मंदिर एक दिन फिर खड़ा होगा। बता दें केंद्र सरकार ने कंगना को कैटेगरी की सिक्योरिटी दी है। की गई टिप्पणी को लेकर महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ पार्टी शिवसेना और उनके बीच वाक् युद्ध जारी है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद कंगना द्वारा मुंबई पुलिस पर की गई टिप्पणी को लेकर महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ पार्टी शिवसेना और उनके बीच वाक् युद्ध जारी है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद कंगना द्वारा मुंबई पुलिस पर की गई टिप्पणी को लेकर महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ पार्टी शिवसेना और उनके बीच वाक् युद्ध जारी है। रनौत के दोपहर में मुंबई हवाईअड्डे पहुंचने की संभावना है। हाल में कंगना ने मुंबई की तुलना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से की थी। कंगना ने यह भी कहा था कि उन्हें मूवी माफिया से ज्यादा मुंबई पुलिस से डर लगता है और वह चाहेंगी कि उन्हें या तो गृह राज्य हिमाचल प्रदेश से या केंद्र सरकार से सुरक्षा मिले। अभिनेत्री ने ट्वीट में यह भी कहा था कि वह हिमाचल प्रदेश से 9 सितंबर को मुंबई आ रही हैं और किसी की हिम्मत है तो उन्हें रोक कर दिखाए। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने मंगलवार को कहा था कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के कार्यकर्त्ता मुंबई पहुंचने पर अभिनेत्री को सुरक्षा देंगे।

अम्बाला एयर फोर्स स्टेशन पर होगी राफेल इंडेक्शन सेरेमनी, फ्रांस के रक्षा मंत्री होंगे मौजूद

अंबाला/चंडीगढ़ । राफेल इंडेक्शन सेरेमनी 10 सितंबर को अम्बाला एयर फोर्स स्टेशन पर होगी। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व फ्रांस के रक्षा मंत्री फ्लोरेंस परली इस अवसर पर मौजूद रहेंगे। रक्षा मंत्रालय के द्वारा इस आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। राफेल के सेकेंड डिलीवरी लॉट में 4 राफेल अक्तूबर में भारत को और मिलेंगे। 29 जुलाई को 5 रॉफेल जेट भारत को मिले थे, जिनमें से 3 सिंगल सीट व 2 ट्वीन सीटर अम्बाला के एयर बेस में आए थे। भारत और फ्रांस में 36 राफेल जेट का एग्रीमेंट 2016 में हुआ है। इस पर गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है और इतिहास रचा गया है कि फाईटर प्लेन्स का सरताज अम्बाला छावनी के बेड़े में शामिल हुआ है। उन्होंने कहा कि एयरफोर्स को इससे बहुत मजबूती मिलेगी, सभी सैन्य सुविधाओं से सम्पन्न एयरक्राफट है। विज ने कहा कि इसके आने से एक छतरी बन जाएगी। कोई भी दुश्मन देश की सीमाओं में झांकने की सोच भी नहीं सकेगा। अम्बाला देश का एक बहुत महत्वपूर्ण एयरबेस है। जगुआर का सक्वार्डन भी यहीं पर आया था। 1965 और 71 के युद्धों में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही और राफेल के आने से ताकत दोगुनी हो गई है। वायुसेना ने इन लड़ाकू विमानों के पहले बेड़े को खास नाम दिया है। इन विमानों के बेड़े को वायुसेना की 17वीं स्क्वाड्रन के तौर पर जाना जाता है। राफेल विमान के स्क्वाड्रन का नाम गोल्डन एरो होगा। इन विमानों का निर्माण करने वाली फ्रांसीसी कंपनी डसाल्ट ने अभी 10 राफेल विमान दिए हैं। इनमें से पांच फ्रांस में ही हैं, जिन पर भारतीय वायुसेना के पायलट प्रशिक्षण लिया है। सभी 36 विमानों की डिलीवरी 2021 के अंत तक का लक्ष्य है।

संक्षिप्त समाचार

सुविधाओं की मांग को लेकर मेडिकल कॉलेज परिसर में प्रदर्शन

कठुआ । गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में सी.टी. स्कैन सहित उचित सुविधाओं की मांग को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया। कॉलेज परिसर में भी विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों ने सरकार से मेडिकल कॉलेज में तमाम सुविधाएं सुनिश्ख्त करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों की अगुवाई कर रहे राष्ट्रीय जनता दल के मनोहर डोगरा, एस.के. ध्भंडारी ने कहा कि सरकार सुविधाओं के नाम पर लोगों के साथ मजाक कर रही है। यहां जिला अस्पताल को मेडिकल कॉलेज से जोड़ तो दिया गया है लेकिन यहां न तो सी.टी. स्कैन की सुविधा मरीजों को मिल रही है और न ही अन्य जरूरी सुविधाएं। उन्होंने कहा कि सी.टी. स्कैन की सुविधा पिछले एक माह से भी ज्यादा समय से बंद है। ऐसे में गरीब वर्ग के लोग आखिर कहां जाएंगे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार ने यहां तमाम सुविधाओं को लेकर प्रयास न किए तो इसके विरोध में आंदोलन को तेज कर दिया जाएगा।

भारत-चीन सीमा विवाद पर अब रूस ने दिया बड़ा बयान, मध्यस्थता से किया इंकार

इंटरनेशनल डेस्क। भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर अमेरिका, फ्रांस सहित कई बड़े देश भारत को समर्थन दे रहे हैं। इस बीच अब रूस ने भारत का साथ देते हुए उम्मीद जताई कि भारत और चीन बातचीत के जरिए सीमा विवाद सुलझा लेंगे। साथ ही उसने दोनों देशों की रजामंदी के बिना मध्यस्थता कराने की बात से भी इंकार कर दिया। भारत में रूसी दूतावास के उप प्रमुख रोमन बबुश्किन ने कहा कि उनकी सरकार बातचीत के जरिए पूर्वी लद्दाख में तनाव कम होते देखना चाहती है। बबुश्किन ने ऑनलाइन बातचीत में कहा, हमें उम्मीद है कि भारत और चीन बातचीत के जरिये सीमा विवाद सुलझा लेंगे। उन्होंने यह टिप्पणी पूर्वी लद्दाख में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच ताजा झड़प के बाद बढ़े तनाव के एक दिन बाद की है। बता दें कि विदेश मंत्री एस जयशंकर आठ देशों के शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेने के लिये मंगलवार को चार दिवसीय रूस दौरे पर गए हैं। इस दौरान वह बृहस्पतिवार को बैठक से इतर चीन के विदेश मंत्री वांग यी से भी मुलाकात कर सकते हैं।

बड़ी-ब्राह्मणा में चोरों ने इलेक्ट्रानिक की दुकान में सेंध लगाई

साम्बा। जिला साम्बा के बड़ी-ब्राह्मणा के वार्ड नं. 6 में एक इलेक्ट्रानिक की दुकान पर चोरों ने सेंध लगा दी और वहां से किमती सामान सहित नकद राशि चुरा ली। जानकारी अनुसार अशोक कुमार पुत्र पुन्नु राम सुबह जैसे ही वार्ड नं. 6 में अपनी दुकान खोलने आया तो उसने देखा कि शटर के ताले टूटे हुए थे। और जब अंदर जाकर देखता तो वहां से किमती बिजली उपकरण सहित 4 हजार की राशि पर चोर हाथ फेर गए थे। वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूरी बारदात की जांच करके मामला दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी।

जम्मू-कश्मीर अपराध शाखा ने 11 साल से फरार चल रहे आरोपी को जम्मू में पकड़ा

जम्मू। जम्मू कश्मीर अपराध शाखा ने 11 साल से फरार चल रहे, क्रेडिट कार्ड की क्लोनिंग करके लोगों को ठगने के आरोपी को मंगलवार को जम्मू के तालाब तिल्लो इलाके से गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इलाके में छापेमारी के दौरान हरितेश सेठी को जम्मू-कश्मीर पुलिस की अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि वह 2009 में जालसाजी, क्रेडिट कार्ड की क्लोनिंग और गैरकानूनी तरीके से हासिल किए गए क्रेडिट कार्डों का दुरुपयोग करके स्वाइप मशीनों के जरिए धोखाधड़ी करने के मामले में शामिल है। उन्होंने कहा कि सेठी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बावजूद फरार चल रहा था।

जम्मू कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षाबलों के शिविर पर आतंकवादियों ने ग्रेनेड दागा

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर के त्राल इलाके में मंगलवार को आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों के शिवर पर अंडरबैरल ग्रेनेड लांचर दागा लेकिन कोई नुकसान नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि पुलवामा जिले के त्राल इलाके में आतंकवादियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शिवर पर यूबीजीएल ग्रेनेड दागा। अधकारियों के अनुसार ग्रेनेफ में विस्फोट होहने से कोई नुकसान नहीं हुआ। उनके मुताबिक धमाके के बाद गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी।

कांग्रेस एमएलए से कटवाया भाजपा भवन का फीता, पता लगते ही मचा बवाल

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में कांग्रेस विधायक द्वारा बीजेपी के मंडल कार्यालय का फीता काट उद्घाटन कराया गया। इसके बाद जब इस मामले में विवाद गहराया तो जनपद शाहपुर की सीईओ ने अपनी गलती भी मान ली। उन्होंने पत्र में लिखा कि कार्यक्रम में गलती हुई। भविष्य में जनप्रतिनिधियों के मान सम्मान का पूरा ध्यान रखा जाएगा। सीईओ ने विधिवत प्रोटोकाल का ध्यान रखने का लिखित में भी आश्वासन दिया। दरअसल मुख्यमंत्री मदद योजना के तहत भाजपा सांसद डीडी उइके और कांग्रेस विधायक ब्रह्मा भलावी को बर्तन और सामग्री वितरण करना था। इसी कार्यक्रम के बाद जनपद पंचायत की 18 दुकानों का भी लोकार्पण होना था। इसी कड़ी में कांग्रेस विधायक से एक शटर में लगा फ़ीता कटवा दिया गया। फीता काटने के बाद कांग्रेस विधायक ब्रह्मा भलावी वहां करीब 20 मिनट तक बैठे। जब इधर उधर नजरें दौड़ाई तो देखा कि वहां भाजपा मंडल शाहपुर के बैनर पोस्टर लगे हुए थे। जैसे ही उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ वे उठ खड़े हुए और सत्तारूढ़ बीजेपी आरोप लगाते हुए कहने लगे कि मुझे जहां धोखा देकर बुलाया गया है। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद प्रशासन ने अपनी गलती भी मानी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा पर संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता

इंटरनेशनल डेस्क।

संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष निकाय ने पाकिस्तान में पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, विशेषकर महिलाओं को लेकर खतरों पर चिंता जतायी है। इसके साथ ही निकाय ने पाकिस्तान के नेतृत्व से आह्वान किया कि वह धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा भड़काए जाने की निंदा करे तथा विभिन्न प्रकार की विचारधाराओं का सम्मान करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करे। मानवाधिकार के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता रूपर्ट कोविल ने मंगलवार को जिनेवा में कहा कि संयुक्त राष्ट्र का मानवाधिकार निकाय पाकिस्तान में पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, खासकर महिलाओं और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा को भड़काने के कई मामलों से चिंतित है। उन्होंने कहा कि निकाय ऐसे मामलों पर ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से नजर रख रहा है। उन्होंने एक बयान में कहा कि ईशनिंदा के आरोप विशेष रूप से चिंता पैदा करने वाले हैं क्योंकि इसमें आरोपी के खिलाफ हिंसा का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने एक बयान में कहा कि ईशनिंदा के आरोप विशेष रूप से चिंता पैदा करने वाले हैं क्योंकि इसमें आरोपी के खिलाफ हिंसा का खतरा बढ़ जाता है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार निकाय ने पाकिस्तानी नेतृत्व से धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा भड़काए जाने की निंदा करने का आह्वान किया और कहा कि ऐसा लगता है कि व्यक्तिगत या राजनीतिक रूप से बदला लेने के लिए ईशनिंदा कानून के उपयोग में वृद्धि हुयी है। बयान में कहा गया है कि पिछले साल अपनी रिपोर्टिंग को लेकर कम से कम चार पत्रकारों और ब्लॉगरों की हत्या कर दी गयी। उनमें से एक अरूज इकबाल भी थीं जिनकी लाहौर में गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी क्योंकि उन्होंने अपना समाचार पत्र शुरू करने की बात की थी।

ट्रंप बोले- कमला राष्ट्रपति बनीं तो होगा अमेरिका का अपमान, बिडेन जीते तो होगा चीन विजयी

वॉशिंगटन।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो चुका है। इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद की डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस पर नशाना साधते हुए कहा कि लोग उन्हें पसंद नहीं करते और अगर वह राष्ट्रपति बनती हैं तो यह अमेरिका का अपमान होगा। ट्रंप ने कहा कि यह याद रखना बहुत आसान है कि यदि बिडेन जीतते हैं तो चीन जीतता है। उत्तरी कैरोलिना में एक चुनाव रैली को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि आपके पास एक ऐसी स्थिति है जहां हम दुनिया के इतिहास में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का निर्माण करते हैं और हमें इसे बंद करने के लिए मजबूर किया गया, क्योंकि चीनी प्लेग आया। अब हमने अर्थव्यवस्था खोल दिया है। उन्होंने कहा, लोग उन्हें (अमेरिकी डेमोक्रेटिक उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस) को पसंद नहीं करते हैं। कोई भी उन्हें पसंद नहीं करता है। वह कभी भी अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति नहीं हो सकती हैं। यह हमारे देश का अपमान होगा।

उन्होंने कहा यह स्पष्ट था कि आखि क्यों चीन और दंगाई बिडेन को जिताना चाहते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि उनकी नीतियों से अमेरिका का पतन होगा। हैरिस पर हमला करते हुए ट्रंप ने कहा कि यह दिलचस्प था कि बिडेन ने उन्हें दौड़ से बाहर होने के बावजूद आगामी चुनावों में उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के लिए चुना।

चीन जाकर लिवर-किडनियां बेच रहे पाकिस्तानी, 7 संदिग्ध गिरफ्तार

पेशावर।

चीन में पाकिस्तानी नागरिकों द्वारा गैर कानूनी ढंग से अपने अंग बेचने का मामला सामने आया हैं। फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने सोमवार को अंग प्रत्यारोपण के गैरकानूनी धंधे से जुड़े रिंग लीडर अब्दुल लतीफ समेत सात संदिग्धों को लाहौर के पासपोर्ट ऑफिस से गिरफ्तार किया है। डिप्टी डायरेक्टर सरदार मावरहां खान ने बताया कि जांच में पता चला है कि एजेंट गरीब पर पाकिस्तानी लोगों को किडनी लीवर बेचने के लिए 4 लाख रुपए का लालच देते हैं और उसका चीन आने-जाने का खर्च उठाते हैं जिसे अंग प्रत्यारोपण करवाना होता है वह चीन जाने का अपना खर्च खुद उठाता है।

इसके बाद चीन में चीन के डॉक्टरों की मिलीभगत से अंग प्रत्यारोपण की प्रक्रिया को अंजाम दिया जाता है। अंग प्रत्यारोपण के लिए मरीज खाड़ी देशों के साथ भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान से भी चीन जाते हैं। एजेंटों का चीन में नेटवर्क है जो अंग प्रत्यारोपण करने वाले डॉक्टरों से उन्हें जोड़ें रखता है। यह पहला मामला है जब चीन में अंग प्रत्यारोपण के नेटवर्क का पता चला है। ये गैंग अब तक करीब 30 लोगों को अंग प्रत्यारोपण के लिए चीन भेज चुका है।

अफगानिस्तान के उपराष्ट्रपति सालेह के काफिल पर बम हमला, बाल-बाल बचे

काबुल।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में उपराष्ट्रपति अमरतुल्लाह सालेह को निशाना बना कर बम हमला किया गया जिसमें वह बाल-बाल बच गए । जानकारी के अनुसार काबुल में बुधवार सुबह सड़क किनारे उपराष्ट्रपति सालेह के काफिले को निशाना बनाकर बम हमला किया गया जिसमें सालेह बच गए लेकिन घटना में 2 लोगों की मौत हो गई। सालेह के कार्यालय के प्रवक्ता रज़वान मुराद ने फेसबुक पर लिखा, एक बार फिर अफगानिस्तान के दुश्मन ने सालेह को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन वे अपने बुरे उद्देश्य को पाने में नाकाम रहे और सालेह हमले से बच गए। उन्होंने बताया कि हमले में सालेह के काफिले को निशाना बनाया गया जिसमें उनके कुछ अंगरक्षक घायल हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि अब तक दो शव और सात घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

उद्देश्य को पाने में नाकाम रहे और सालेह हमले से बच गए। उन्होंने बताया कि हमले में सालेह के काफिले को निशाना बनाया गया जिसमें उनके कुछ अंगरक्षक घायल हो गए।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि अब तक दो शव और सात घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

भारत-बांगलादेश में संयुक्त सलाहकार समिति की बैठक बुलाने पर बनी सहमति

इंटरनेशनल डेस्क। भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर ने अपने बांग्लादेशी समकक्ष एके अब्दुल मोमेन से टेलीफोन पर दौरान दोनों देशों के संबंध को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर ने ट्वीट कर बताया इस दौरान ''जल्द ही'' संयुक्त सलाहकार समिति की बैठक बुलाने पर सहमति बनी। उन्होंने कहा, '' गर्मजोशी के साथ बांग्लादेश के विदेशमंत्री डॉ.ए.के.अब्दुल मोमेन से बात हुई। हमारी संयुक्त परामर्श आयोग की बैठक बहुत जल्द बुलाने पर सहमति बनी। उन्होंने कहा कि हम अपने नेताओं द्वारा तय महत्वाकांक्षी लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।'' उल्लेखनीय है कि पिछले महीने विदेश सचिव हर्ष वर्धन श्रृंगला ने ढाका की यात्रा की थी और दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को और गहरा करने के तरीकों पर विचार किया था। हाल के सप्ताहों में दोनों देशों ने संपर्क और व्यापार बढ़ाने के लिए कई पहल की है जिसमें चटग्राम के रास्ते अगरतला से कोलकाता भारतीय माल की आवाजाही और अंतरदेशीय जलमार्ग के जरिये व्यापार और सामान की आवाजाही के विस्तार के लिए प्रोटोकॉल की संभावना पर विचार शामिल है।

डलास की पहली अश्वेत महिला पुलिस प्रमुख ने दिया इस्तीफा

इंटरनेशनल डेस्क। डलास पुलिस बल की पहली अश्वेत महिला प्रमुख यू रिनी हॉल ने पद से इस्तीफा दे दिया है, जो 10 नवम्बर से प्रभावी होगा। हॉल ने इस्तीफे में किसी कारण का उल्लेख नहीं किया है। मामले पर उनकी ओर से तत्काल कोई टिप्पणी भी नहीं आयी है। अश्वेत व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के बाद से देशभर में जारी प्रदर्शन के बीच कई बड़े शहरों के (पुलिस) प्रमुख इस्तीफा दे चुके हैं । अब हॉल का नाम भी इस सूची में जुड़ गया है। ह्यूस्टन निवासी 46 वर्षीय फ्लॉयड की एक श्वेत पुलिस अधिकारी द्वारा गर्दन दबाए जाने से दम घुटने के कारण इस साल मई में मौत हो गयी थी। इसे लेकर पूरे अमेरिका में व्यापक स्तर पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। मेयर एरिक जॉनसन ने कहा कि उनकी हॉल से इस संबंध में कोई बात नहीं हुई है, लेकिन वह उनके इस्तीफे से ''काफी हैरान हैं। गौरतलब है कि फ्लॉयड की मौत के बाद से सीएटल, अटलांटा, पोर्टलैंड, ओरेगन, रिचमंड और वर्जीनिया के शीर्ष पुलिस अधिकारी कई कारणों को हवाला देते हुए इस्तीफा दे चुके हैं।

अमेरिका में तबाही: 20.30 लाख एकड़ में फैली कैलिफोर्निया की आग

वाशिंगटन। अमेरिका में कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजोम ने कहा है कि प्रांत के जंगलों में लगी आग के कारण 20.30 लाख एकड़ में फैला जंगल जल गया है जो एक वर्ष में इतने बड़े क्षेत्र में जंगल जलने की सबसे बड़ी घटना है। वहीं 2019 में आग की वजह से 118,000 एकड़ में फैला जंगल नष्ट हो गया था। श्री गेविन ने यह बातें मंगलवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कही। उधर, कैलिफोर्निया के वानिकी एवं अग्नि नियंत्रण विभाग के अनुसार सैन डिएगो के जंगलों में लगी आग सोमवार तक 17000 एकड़ क्षेत्रफल में फैल चुकी थी। विभाग ने कहा था कि लगभग 14000 दमकलकर्मी आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। आग में जलने के कारण कम से कम आठ लोगों की मौत हो गयी है तथा 3300 संरचनाएं नष्ट हो गयी हैं।

शिकागो गोलीबारी में 8 वर्षीय बच्ची सहित 10 लोगों की मौत

न्यूयार्क। अमेरिका के शिकागो में 'लेबर डे सप्ताहांत पर हुई गोलीबारी में आठ साल की एक बच्ची समेत 10 लोगों की मौत हो गई। अमेरिका में शुक्रवार से मंगलवार देर रात तक हिंसक घटनाओं में 50 से अधिक लोग हताहत हुए हैं। पुलिस अधीक्षक डेविड ब्राउन ने पत्रकारों से कहा, '' हम यकीनन हिंसक अपराधों से निपटने के लिए कदम उठा रहे हैं और हमने इमसें थोड़ी प्रगति भी देखी है। जुलाई से अगस्त के बीच हत्या की घटनाओं में 45 प्रतिशत की जबकि गोलीबारी की घटनाओं में 15 प्रतिशत की कमी आई है। कुक काउंटी मेडिकल परीक्षक कार्यालय के दजोर विल्सन ने 'लेबर डे सप्ताहांत पर गोलीबारी का शिकार हुई आठ वर्षीय बच्ची की पहचान की है। कुक काउंटी मेडिकल परीक्षक कार्यालय के दजोर विल्सन ने 'लेबर डे सप्ताहांत पर गोलीबारी का शिकार हुई आठ वर्षीय बच्ची की पहचान की है। पुलिस ने बताया कि बच्ची निशाना नहीं थी। अधिकारियों को गोलीबारी के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। घटना के सिलसिले में अभी किसी को पकड़ा नहीं गया है।

6 माह से समुद्र में फंसे 300 रोहिंग्या मुस्लिम पहुंचे इंडोनेशिया

इंटरनेशनल डेस्क। इंडोनेशिया के एक तट पर करीब 300 रोहिंग्या मुस्लिम मिले जिन्हें सेना, पुलिस तथा रेड क्रॉस के स्वयंसेवियों ने सुरक्षित बाहर निकाला। ये रोहिंग्या पिछले 6 माह से समुद्र में फंसे हुए थे, जो सोमवार को इंडोनेशिया के एसेह प्रांत में पहुंच गए। अधिकारियों ने बताया कि इन शरणार्थियों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं जिन्हें स्थानीय मछुआरों ने लोखसेमाव के तट से कुछ किलोमीटर दूरी पर देखा था। स्थानीय निवासियों के मुताबिक सभी रोहिंग्या एक नाव से उजोंग ब्लांग समुद्र तट पर पहुंचे। जब तक वहां अधिकारी पहुंचते तब तक वह तीन विभिन्न समूहों में बंट चुके थे। महेंद्रा ने कहा, हमने उन्हें समझाया है और स्थानीय लोगों से उनकी मदद करने को कहा है। इन रोहिंग्या शरणार्थियों में 181 महिलाएं, 100 पुरुष और 14 बच्चे हैं और स्थानीय पुलिस, सैन्य अधिकारी और स्वास्थ्यकर्मी इनकी मदद कर रहे हैं। इसी वर्ष जून में इंडोनेशिया के मछुआरों को एक नाव पर रहते 94 रोहिंग्या का पता चला था।

ट्रंप की संपत्ति 60 करोड़ अमेरिकी डॉलर घटी, सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में मिला 339वां स्थान

इंटरनेशनल डेस्क।

फोर्ब्स पत्रिका ने रिपोर्ट जारी की है जिसके मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कुल संपत्ति पिछले एक साल में 60 करोड़ अमेरिकी डॉलर घटी है। ट्रंप की कुल संपत्ति 2.5 अरब डॉलर बताई गई है। पत्रिका की ओर से जारी 400 सबसे अमीर अमेरिकी लोगों की सूची में ट्रंप को 339वां स्थान मिला है। पत्रिका की ओर से जारी 400 सबसे अमीर अमेरिकी लोगों की सूची में ट्रंप को 339वां स्थान मिला है। वह पिछले एक वर्षों में 64 पायदान नीचे चले गए हैं। फोर्ब्स के अनुसार न्यूयॉर्क में ट्रंप की नौ संपत्तियों में लगभग 32.6 करोड़ डॉलर की गिरावट आई है जबकि गैर-न्यूयॉर्क पांच संपत्तियों में 12.4 करोड़ डॉलर की कमी दर्ज की गई है। ट्रंप के अधिकांश गोल्फ कोर्स और क्लबों में अनुमानित 13.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर की गिरावट आई है। हालांकि, फ्लोरिडा के पाम बीच में मौजूद उनके मार-ए-लागो क्लब के दामों में 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार ट्रंप की संपत्ति में गिरावट कोरोना वायरस महामारी के कारण कई उद्योगों पर पड़ी मार के कारण हुई है। इन उद्योगों में होटल, गोल्फ कोर्स और क्लब शामिल हैं जिनमें ट्रंप ने अपना अधिकतर निवेश किया है।

क्लब के दामों में 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार ट्रंप की संपत्ति में गिरावट कोरोना वायरस महामारी के कारण कई उद्योगों पर पड़ी मार के कारण हुई है। इन उद्योगों में होटल, गोल्फ कोर्स और क्लब शामिल हैं जिनमें ट्रंप ने अपना अधिकतर निवेश किया है।

रूस पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर, एससीओ बैठक में होंगे शामिल

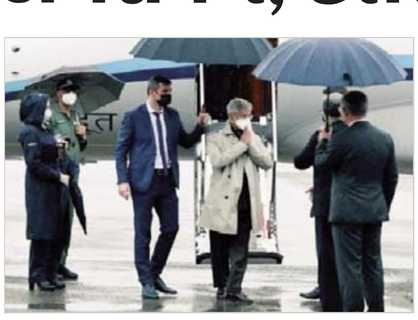

मास्को।

विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए रूस के चार दिनों के दौरे पर मंगलवार को यहां पहुंच गये। उनका यह दौरा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के रूस की राजधानी की यात्रा करने के महज कुछ ही दिनों बाद हो रहा है। राजनाथ, आठ सदस्यीय एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिये यहां आए थे। एससीओ के सदस्य देशों में, भारत और चीन भी शामिल हैं। जयशंकर मास्को में ठहरने के दौरान एससीओ के विदेश मंत्रियों की परिषद (सीएफएम) की बैठक में शामिल होंगे। यह परिषद की तीसरी बैठक होगी जिसमें भारत पूर्ण सदस्य के तौर पर सम्मिलित होगा। एससीओ बैठक से अलग विदेश मंत्री के अपनी चीनी समकक्ष वांग यी के साथ बृहस्पतिवार को द्विपक्षीय बैठक करने की उम्मीद है। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच सीमा पर पर तनाव बढ़ने के बीच उनकी बैठक होने की संभावना है। शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने चीनी समकक्ष जनरल वेई फेंगही के साथ यहां दो घंटे से अधिक समय तक बैठक की थी। मई के प्रारंभ में पूर्वी लद्दाख में सीमा पर तनाव पैदा होने के बाद दोनों पक्षों के बीच यह सर्वोच्च स्तर का संपर्क था। रूस जाने के दौरान जयशंकर मंगलवार को तेहरान में रूके और अपने ईरानी समकक्ष जवाद जरीफ के साथ वार्ता की, जिसमें द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय घटनाक्रमों के विभिन्न पहलू शामिल थे। उन्होंने ट्वीट किया, ''तेहरान में रूकने के दौरान विदेश मंत्री जवाद जरीफ के साथ सार्थक बैठक हुई। उन्होंने ट्वीट किया, ''तेहरान में रुकने के दौरान ईरानी विदेश मंत्री जवाद जरीफ के साथ उपयोगी बैठक हुई। द्वपक्षीय संबंधों पर चर्चा हुई और क्षेत्रीय घटनाक्रमों का जायजा लिया गया। बेहतरीन मेहमानवाजी के लिए उनका धन्यवाद। ईरानी विदेश मंत्रालय ने एक ट्वीट में कहा कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को उनके सभी संदर्भों में मजबूत बनाने पर जोर दिया। जानकारी मिली है कि दोनों विदेश मंत्रियों की मुलाकात में चाहबहार बंदरगाह परियोजना और खाड़ी क्षेत्र के हालात पर चर्चा हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी गत शनिवार को रूस से स्वदेश लौटते समय तेहरान में रुके थे और अपने ईरानी समकक्ष ब्रिगेडियर जनरल आमिर हातमी से बातचीत की।

घर में लगी भीषण आग, कुत्ते ने बचाई परिवार की जान

इंटरनेशनल डेस्क। अलबामा में रहने वाले एक परिवार की जान उनके कुत्ते ने बचा ली । एक वेबसाइट के अनुसार बर्मिंघम होम में रहने वाले डेरेक वॉकर ने बताया कुत्ता 'राल्फ अमूमन रात के वक्त नहीं भौंकता, इसलिए जब रात के वक्त राल्फ ने अजीब आवाज में भौंकना शुरू किया तो वह देखने के लिए उठे की माजरा क्या है। वॉकर ने बताया कि उठने पर उन्होंने देखा कि उनके किचन की खिड़की में आग लगी है। नॉर्थ शेलबाई दमकल विभाग के बटालियन प्रमुख रॉबर्ट लॉसन ने बताया कि आग ग्रिल से हो कर पूरे घर में फैल रही थी। वॉकर ने कहा,'' मैं जोर से चिल्लाया 'आग और सारे लोग उठ गए। मेरी पत्नी उठ गई और उसने बेटियों को उठाया और उन्हें ले कर घर से बाहर निकल गई। उन्होंने बताया कि बेटियों को बाहर पहुंचाने के बाद उनकी पत्नी बेटे को जगाने के लिए फिर घर के अंदर गईं, जो गहरी नींद में सो रहा था और उसके पूरे कमरे में धुआं भरा हुआ था। वॉकर ने कहा,''आग उसके दीवार के ठीक पीछे थी लेकिन उसे कुछ पता नहीं चला क्योंकि वह पूरी तरह से कंबल लपेट के सोता है। वॉकर, सबकी जान बचाने वाले राल्फ को बाहर निकालने के लिए घर के अंदर गए। उनके घर में दो छोटे सुअर भी थे। उन्होंने कहा कि राल्फ और एक सुअर को वह बाहर निकाल लाए लेकिन दूसरे सुअर पर्ल ने दम तोड़ दिया। आग से घर को भारी नुकसान पहुंचा है लेकिन वॉकर इस बात से प्रसन्न हैं कि पूरा परिवार सुरक्षित है और वह भी चार साल के राल्फ की बदौलत।

तेल के जहाज में दोबारा लगी आग, बुझाने में जुटी श्रीलंकाई नौसेना और भारतीय जहाज

कोलंबो।

श्रीलंका के पूर्वी तटीय क्षेत्र के नजदीक एक तेल टैंकर में लगी आग को रविवार तक पूरी तरह बुझा लिया गया था लेकिन इसमें एक बार फिर आग लगने के बाद मंगलवार को श्रीलंका और भारत के विमान और पोत इसे बुझाने में जुट गए हैं। श्रीलंकाई नौसेना ने एक बयान में कहा कि तेल टैंकर में दोबारा भड़की आग को काफी हद तक काबू कर लिया गया है। एमटी न्यू डायमंड नामक यह टैंकर पनामा में पंजीकृत है और इसमें पिछले बृहस्पतिवार को आग लग गयी थी। यह जहाज दो लाख 70 हजार मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर कुवैत से भारत जा रहा था। श्रीलंका की नौसेना ने शुक्रवार को इस बात की पुष्टि की थी कि जहाज के इंजन कक्ष में बॉयलर विस्फोट से फिलिपीन के एक नाविक की मौत हो गयी। भारतीय जहाज पूर्वी जिले अम्पारा के संगमनकंदा के तट के नजदीक खड़े इस टैंकर में लगी आग पर काबू पाने के लिये श्रीलंकाई नौसेना की लगातार सहायता करते रहे। नौसेना ने एक बयान में कहा कि रविवार नौसेना ने एक बयान में कहा कि रविवार को आग पूरी तरह बुझा दी गई थी लेकिन बेहद उच्च तापमान के कारण आग दोबारा भड़क गई। नौसेना ने कहा कि श्रीलंकाई नौसेना एवं वायु सेना, भारतीय नौसेना एवं तटरक्षक बल और अन्य हितधारकों से संबंधित जहाज एवं विमान दोबारा भड़की आग को काबू करने के लिए अपना आपदा प्रबंधन अभियान जारी रखे हुए हैं। उल्लेखनीय है कि टैंकर में चालक दल के 23 सदस्य थे जिसमें 18 फिलिपीन के और पांच यूनान के नागरिक हैं, इनमें से 22 सदस्यों को टैंकर से सुरक्षित निकाल लिया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार के आरोप में अब महोबा के एसपी मणि लाल निलम्बित

लखनऊ (एजेसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भ्रष्टाचार के मामले में सख्त रूख अपनाते हुये बुधवार को महोबा के पुलिस अधीक्षक मणि लाल पाटीदार को तात्कालिक प्रभाव से निलम्बित किये जाने के निर्देश दिये हैं। आरोप है कि उनके कृत्य से आम जनमानस में पुलिस विभाग की छवि धूमिल हुई है। इससे पहले अभी कल ही मुख्यमंत्री योगी ने इलाहाबाद के एसएसपी को निलंबित करने के आदेष दिए थे।

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि मणि लाल पाटीदार द्वारा गिट्टी परिवहन में लगी गाड़ियों के चलाये जाने के लिए अवैध रूप से धन की मॉग की गयी थी, जिसे पूरा न किये जाने पर वाहन स्वामी का पुलिस के माध्यम से उत्पीड़न किया गया। बयान में कहा गया कि मणिलाल पाटीदार अखिल भारतीय सेवा के साथ–साथ एक अनुशासित बल के सदस्य भी हैं। इनके इस कार्य से पुलिस की छवि के धूमिल होने के साथ–साथ जनपद में स्वच्छ प्रशासन पर भी आंच आई है, और सरकार की विश्वसनीयता

पर भी प्रश्न चिन्ह् लगा है। मणिलाल पाटीदार निलम्बन अवधि में पुलिस महानिदेशक, कार्यालय से सम्बद्ध रहेंगे। महोबा के नये पुलिस अधीक्षक के रूप में लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात पुलिस उपायुक्त अरूण कुमार श्रीवास्तव को भेजा गया है। गौरतलब है कि मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीक्षित निलम्बित किया था।

लखनऊ, कानपुर नगर तथा प्रयागराज में कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग में वृद्धि करने के निर्देश दिए सीएम योगी ने

लखनऊ (एजेसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद लखनऊ, कानपुर नगर तथा प्रयागराज में कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग में वृद्धि किए जाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि कोविड–19 के संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित करने में इस

कार्य की महत्वपूर्ण भूमिका है।

इसलिए कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग की कार्यवाही सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संचालित की जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनता को कोरोना संक्रमण से सुरक्षित रखने तथा कोविड–19 की बेहतर उपचार व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्पित है। इस उद्देश्य के साथ प्रदेश सरकार रणनीति बनाकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना के प्रति लोगों को सतत् जागरूक किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सकों तथा पैरामेडिकल स्टाफ को कोविड–19 के दृष्टिगत प्रशिक्षण देकर कोविड अस्पतालों में मैनपावर बढ़ाने की कार्यवाही में तेजी लायी जाए।

चिकित्सा कर्मियों को मेडिकल संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए उन्हें पीपीई किट, ग्लव्स, मास्क एवं सेनिटाइजर की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

उद्यमियों तथा निवेशकों के प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण पर बल देते हुए उन्होंने उद्योग बन्धु की बैठक को शीघ्र आहूत किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वे इस बैठक में उद्यमियों से संवाद स्थापित करते हुए उनका फीडबैक प्राप्त करेंगे। जीएसटी के माध्यम से राजस्व वृद्धि के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस सम्बन्ध में एक कार्य योजना बनाकर उसे लागू किया जाए।

सार–समाचार

चार करोड़ की स्मैक बरामद, दो गिरफ्तार

बरेली (एजेसी)। जिले के इज्जतनगर क्षेत्र में पुलिस ने बुधवार को दो तस्करों को पकड़कर उनके कब्जे से चार करोड़ रुपये मूल्य की स्मैक बरामद की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय ने बताया कि इज्जतनगर पुलिस ने रहपुरा मार्ग पर दो लोगों को संदेह के आधार पर रोककर उनकी तलाशी ली। इस दौरान उनके कब्जे से चार किलोग्राम स्मैक बरामद की गयी। उन्होंने बताया कि बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब चार करोड़ रुपये बतायी जाती है। पकड़े गये तस्कर गुलाम नबी और आसिम इस स्मैक को दिल्ली ले जाने की फिराक में थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तस्करों से गहन पूछताछ की जा रही है।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार पत्रकार की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

क्रांति समय संवाददाता

भुपियामऊ–प्रतापगढ़ तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी।हादसे में बाइक सवार एक पत्रकार की मौत हो गई जबकि दूसरा घायल हो गया।उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।कनकपुर सुल्तानपुर निवासी पत्रकार राजेश यादव(27) पुत्र छोटकऊ अपने साथी पवन (25)पुत्र गंगा प्रसाद के साथ बुधवार की सुबह बाइक से प्रयागराज की ओर जा रहा था।पल्सर बाइक राजेश चला रहा था जबकि पवन पीछे बैठा था।जब वह प्रयागराज अयोध्या राजमार्ग बहलोलपुर के समीप पहुंचा तो ट्रेलर ने बुरी तरह से टक्कर मार दिया!जिसमें पत्रकार राजेश की मौके पर ही मौत हो गई।जबकि साथी घायल हो गया।सूचना पर पहुंचे भुपियामऊ चौकी इंचार्ज कुलदीपक सिंह अपने हमराहीयों

के साथ!घायल को जिला अस्पताल के लिए भेजा।और शव का पंचनामा कर पा. स्टमार्टम के लिए भेज दिए!मृतक का बैग चेक किया गया तो उसमें कागजात मिले!साथ में राजेश का दैनिक अक्षय मेल प्रेस आईडी कार्ड भी मिला। चौकी इंचार्ज ने मृतक के परिजनों को फोन कर सूचना दी।टक्कर मार कर भाग रहै ट्रेलर को भुपियामऊ पुलिस ने पीछा किया तो चालक नौबस्ता मोड़ के समीप ट्रेलर छोड़कर मौके से फरार हो गया।पुलिस ने ट्रेलर को अपने कब्जे में लेकर भुपियामऊ चौकी ले गए।मौत की खबर सुनते ही परिजनों में मचा कोहराम। मौके पर पहुंचे मृतक के परिजनो ने दी तहरीर।तहरीर प्राप्त होते ही मामला दर्ज कर भुपियामऊ पुलिस कार्यवाही करने में जुटी।

अवैध तमन्चा व कारतूस के साथ 03 अभियुक्त गिरफ्तार

क्रांति समय संवाददाता

पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ श्री अनुराग आर्य के कुशल निर्देशन में जनपद के थाना अन्तू से उ0नि0 रणविजय सिंह मय हमराह द्वारा

मुखबिर खास की सूचना पर थानाक्षेत्र अन्तू के गंगापुत्री पुल के पास से 03 अभियुक्तों 01. राजेश कुमार वर्मा पुत्र मल्हर 02. लालबहादुर पुत्र राज नारायण वर्मा 03. शेर बहादुर वर्मा पुत्र शिवबरन वर्मा नि0गण रसूलपुर गुलरहा थाना अन्तू जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 02 अदद तमन्चा 315 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया।

मकान मालिक ने दस साल की बच्ची से की दरिंदगी

कानपुर (एजेसी)। महानगरके नौबस्ता क्षेत्र में मकान मालिक ने अपने किराएदार की 10 साल की बेटी को मंगलवार देर रात डरा धमकाकर दुष्कर्म किया। बाद में बच्ची ने बड़ी बहन को आपबीती सुनाई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस आरोपित को पकड़कर थाने ले गई।

पीड़िता की बड़ी बहन ने बताया कि करीब एक महीने पहले ही वह नौबस्ता क्षेत्र के एक मकान में किराए पर रहने आई थी। परिवार में माता–पिता, पांच बहन और दो भाई हैं। उसके मुताबिक, पिता ट्रक ड्राइवर हैं और ज्यादातर बाहर रहते हैं। मंगलवार को मां नानी के घर गई थीं। आरोप है कि रात करीब 11 बजे 10 वर्षीय छोटी बहन छत से रोते हुए कमरे में आई और आपबीती बयां की। उसने बताया कि मकान मालिक ने उसके साथ गलत काम किया और मुंह खोलने पर इससे भी ज्यादा गलत काम करने की धमकी दी। जिसके बाद बड़ी बहन ने पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस आरोपित को थाने ले गई। देर रात ही पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज किए। नौबस्ता पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल के लिए भेजा।

किसान ने आत्महत्या की

बांदा (एजेसी)। जिले के अतर्रा थाना क्षेत्र में एक किसान ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के मुताबिक मंगलवार को क्षेत्र के महुटा गांव में डेढ़ बीघे कृषि भूमि के किसान रामनिहोर (45) ने अपने घर में नॉयलोन की रस्सी के सहारे फंखे की हुक से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

मृतक बढ़ईगिरी का काम भी करता था। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मृत किसान की पत्नी दीना (42) ने पुलिस को बताया कि उसके चार बेटियां और एक बेटा है। पिछले साल रिश्तेदारों से कर्ज लेकर बड़ी बेटी चंपा की शादी की थी और इसी साल मार्च माह में आर्यावर्त बैंक से एक लाख रुपये का भी कर्ज लिया था।

दीना ने पुलिस को बताया कि इस समय कोई काम नहीं चल रहा था, जिससे घर के खर्च–खराबा के लिए रुपयों की दिक्कत थी। इसी से परेशान होकर पति ने आत्महत्या कर ली है। उधर, पुलिस का कहना है कहा कि मृतक शराब पीने का आदी था। कुछ दिन पूर्व उसकी पत्नी उससे झगड़ाकर अपने मायके चली गयी थी।

’9 बजे, 9 मिनट‘ मुहिम में अखिलेश–प्रियंका साथ–साथ, सरकार बोली, विपक्ष का काम है दुष्प्रचार करना

लखनऊ (एजेसी)। बेरा. जगारी और सरकारी संस्थानों के निजीकरण के खिलाफ समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को ’’नौ सितम्बर नौ बजे नौ मिनट’’ पार्टी कार्यकर्ताओं से बुधवार रात 9 बजे, 9 मिनट के लिए अपने घरों की बत्तियां बंद कर विरोध जताने का आह्वान किया। दिलचस्प बात यह है कि इस मुहिम का कांग्रेस की महासचिव प्रियंका वाड्रा ने भी समर्थन किया। जिसके बाद सूबे की भाजपा सरकार रक्षात्मक नजर आयी और सरकार की ओर से उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने विपक्ष पर सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार की कोशिश करने का आरोप लगाया।

दरअसल सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुध ावार सुबह बेरोजगारी को और सरकार की नीतियों के खिलाफ पार्टी कार्यकर्ताओं से आज 9 सितम्बर को रात 9 बजे, 9 मिनट के लिए अपने घरों की बत्तियां बंद कर विरोध जताने का आह्वान किया। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि ’’युवाओं और उनके परिवार की बेरोजगारी–बेकारी के इस अंधेरे में हम आज रात 9 बजे, 9 मिनट के लिए बत्तियां बुझाकर क्रांति की मशाल जलाएं।’’ अभी उनका संदेष पार्टी कार्यकर्ताओं तक पहुंच ही रहा था कि उनकी इस मुहिम का कांग्रेस की महासचिव प्रियंका वाड्रा ने भी समर्थन कर दिया। प्रियंका गांधी के भी समर्थन में आने के बाद सियासी माहौल गरमा गया। प्रियंका गांधी ने अपने ट्वीटर हैंडल पर लिखा कि ’’इस देश का युवा अपनी आवाज सुनाना चाहता है।

अपनी रुकी हुई भर्तियों, परीक्षाओं की तिथियों, अपॉइंटमेंट एवं नई नौकरियों को लेकर युवा अपनी आवाज उठा रहा है। आज हम सबको युवाओं की रोजगार की लड़ाई में उनका साथ देने की जरूरत है।’’

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रियंका गांधी के ट्वीट के बाद सूबे की भाजपा सरकार की ओर से उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने मुखर हुए और कहा कि विपक्ष का काम ही है दुष्प्रचार करना। वे दुष्प्रचार का कोई भी मौका नहीं छोड़ते। बेरोजगारी के मुद्दे को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में लाखों की संख्या में पुलिस की भर्ती हुई है।

कई हजार शिक्षकों की भर्ती हो चुकी है। अन्य विभागों की नियुक्तियां हुई हैं। इसके बावजूद विपक्ष यह दुष्प्रचार कर रहा है।

यूपी में कोरोना के 6711 नए मामले, एक्टिव केस की संख्या 64 हजार के पार

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी आने के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं। बुधवार को भी राज्य में 6700 से अधिक लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। लगातार बढ़ रहे नए मामलों के साथ ही कोरोना के एक्टिव केस की संख्या में भी तेजी दर्ज की गई है। राज्य में अब 64 हजार से अधिक संक्रिय मामले हो गए हैं।

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बुधवार को बताया कि राज्य में बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रण के 6711 नए मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या अब दो लाख 85 हजार 41 हो गई है। राज्य में अभी तक इलाज के बाद ठीक हो चुके लोगों की संख्या दो लाख 16 हजार 901 है। उन्होंने कहा कि कोरोना मरीजों की रिकवरी रेट फिलहाल 76.09 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश में कोरोना के कारण 4112 लोगों की मौत हुई है।

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि उत्तर प्रदेश में अभी कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 64 हजार 28 है। इसमें से आधे से ज्यादा लोग यानी 33 हजार 731 लगो होम आइसोलेशन में हैं। बाकी के लोगों का प्रदेश के अलग–अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि होम आइसोलेशन की सुविधा शुरू होने के बाद से राज्य में एक लाख 36 हजार 300 लोगों ने इस विकल्प को चुका है। प्रसाद के मुताबिक, एक लाख दो हजार 569 लोगों की होम आइसोलेशन की अवधि समाप्त हो चुकी है यानी वे अब ठीक हो चुके हैं।

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि मंगलवार को राज्य में एक लाख 44 हजार 360 सैंपल्स की जांच की गई। अभी तक उत्तर प्रदेश में कुल 69 लाख 17 हजार 773 कोरोना नमूनों की जांच हो चुकी है। टेस्टिंग के मामले में उत्तर प्रदेश देश के अन्य राज्यों से काफी आगे हैं और हम लगातार अपनी टेस्टिंग क्षमता बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के 11 जिलों में सीरो सर्वे काम शुरू हुआ था, जो आज पूरा हो गया है। 11 जिलों से सैंपल एकत्र करने का काम स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कर लिया है। अब इसकी एंटीबॉडी के लिए टेस्टिंग की जाएगी और महीने के अंत तक हम बता पाएंगे कि इन शहरों में संक्रमण का क्या प्रतिशत पाया गया है।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

प्रेमिका के घर प्रेमी की पीट–पीटकर हत्या, प्रेमिका सहित तीन हिरासत में

आजमगढ़ (एजेसी)। जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के चेवता गांव में मंगलवार की रात प्रेमिका से मिलने गए 19 वर्षीय युवक के मुंह में कपड़ा ठूस कर पीट–पीट कर हत्या कर दी गई। देर रात में घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रेमिका सहित पांच लोगों को हिरासत में ले लिया है। उधर, मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पांच लोगों के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज की।

जानकारी के मुताबिक कप्तानगंज थाना क्षेत्र के चेवता गांव निवासी 19 वर्षीय मनीष कुमार राम पुत्र रामलखन राम का गांव की एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बाद में परिवार वालों के कहने पर मनीष दिल्ली चला गया था। लेकिन लॉकडाउन में वह घर आ गया था। मंगलवार की रात मनीष की मोबाइल पर फोन आया। इसके बाद वह प्रेमिका से मिलने उसके घर चला गया। रात में प्रेमिका के परिजनों को आहट मिल गई। प्रेमिका के परिजनों ने मनीष को पकड़ लिया। मनीष के मुंह में कपड़ा ठूस कर उसके हाथ पैर बांध दिया। इसके बाद उसे लाठी, डंडा, ईट से जमकर पिटाई की। प्रेमिका के परिजन रात करीब दो बजे डायल 112 पर फोन कर पुलिस को घर में घुसे चोर को पकड़ने की सूचना दी। पुलिस के पहुंचने पर गांव के लोगो को घटना की जानकारी हुई।

पुलिस ने मनीष से पूछताछ की। मनीष ने पूरी घटना पुलिस को बताई। इसके बाद पुलिस व परिजन मनीष को लेकर लोग निजी डॉक्टर के पास पहुंचे लेकिन उसकी हालत बिगड़ने लगी। बाद में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई अमित ने पांच लोगों के विरूद्ध तहरीर दी है। पुलिस मनीष की प्रेमिका, उसके दो भाई, एक भाभी व मां को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

दलित हत्याकांड मैं चार आरोपी गिरफ्तार

मैनपुरी:(एजेसी) शहर के मुहल्ला खरगजीत नगर में हलवाई की पीट कर की गई हत्या के मामले में पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अन्य की तलाश में दबिश दी जा रही है।

रविवार शाम सर्वेश कुमार की हमलावरों ने बेरहमी से पिटाई की, जिससे उनकी मौत हो गई। रिपोर्ट भाई कमलेश ने मुहल्ले के साहुल

जादौन, शिवाजी, राजन और अन्य अज्ञात के खिलाफ दर्ज कराई थी। पुलिस ने घटना में नामजद साहुल जादौन और शिवाजी को गिरफ्तार करने के साथ ही ह्रदेश मिश्रा की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही घटना की साजिश रचने वाले मुहल्ले के निवासी डिम्पल को भी गिरफ्तार किया है। सभी आरोपित पुलिस ने मंगलवार शाम जेल भेज दिए।

खाता खुलवाने बैंक पहुंची मृतक की पुत्रीः समाजवादी पार्टी द्वारा पीड़ित परिवार को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया था। सर्वेश की पुत्री हेमा का कोई बैंक खाता नहीं है। मंगलवार को पैतृक गांव मढ़ापुर, सिरसागंज से कोतवाली पहुंची हेमा को पुलिस टीम अपनी निगरानी में बैंक ले गई, जहां उसका खाता खुलवाया गया।

दूसरे दिन भी कोलकाता से नहीं आ सका परिवारः सर्वेश की ससुराल कोलकाता में है। कुछ दिन पहले ही उन्होंने अपनी पत्नी और दो पुत्रों को कोलकाता भेज दिया था। सर्वेश के भाई कमलेश ने बताया कि घटना की सूचना सर्वेश की पत्नी को दे दी गई है। ट्रेनें बंद हैं, इसलिए परिवार बस से आ रहे हैं। एक–दो दिन में आने की संभावना है।

सर्वेश हत्याकांड को राजनी. तिक दलों ने बनाया मुद्दाः जासं, मैनपुरीः मुहल्ला खरगजीत नगर निवासी अनुसूचित जाति के सर्वेश कुमार की हत्या का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। समाजवादी पार्टी के बाद अब कांग्रेस भी घटना को लेकर सक्रिय दिखी।

मंगलवार को कांग्रेस के प्रदेश महासचिव प्रकाश प्रधान कार्यकर्ताओं के साथ मृतक हलवाई सर्वेश के खरगजीत नगर आवास पर पहुंचे। घर पर ताला लगा होने के चलते उनसे मुलाकात नहीं हो सकी। उन्होंने बताया कि आरो. पितों के खौफ के चलते पीड़ित परिवार अपने गांव चला गया है। उन्होंने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस प्रकार सर्वेश की पीटकर हत्या की गई है, उससे लगता है लोगों में पुलिस का डर खत्म हो गया है।

उन्होंने पीड़ित परिवार के लिए 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता के साथ ही मृतक की पुत्री की पढ़ाई का इंतजाम और परिवार की सुरक्षा की मांग सरकार से की है।

अयोध्या में बनने जा रहे एयरपोर्ट का नाम ‘मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम‘ होगा

अयोध्या (एजेसी)। भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में बनने जा रहे एयरपोर्ट का नाम ‘मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम’ होगा, इस अगले साल दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। इस तरह यह उत्तरप्रदेश में पांचवा एयरपोर्ट होगा जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर का होगा। अभी लखनऊ में चौधरी चरण सिंह तथा वाराणसी का लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय स्तर का है। भगवान बुद्ध की निर्माण स्थली कुशीनगर तथा जेवर में बन रहे एयरपोर्ट को भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मानकों के अनुसार बनाया जा रहा है। कुशीनगर एयरपोर्ट साल 2020 के नवंबर तक काम करने लगेगा।इसकी पहली उड़ान श्रीलंका के कोलंबों के लिए होगी।

आधिकारिक सूत्रों ने बुध ावार को बताया कि राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि होगी। इसके लिए राज्य सरकार ने

2021 साल दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा

एयरपोर्ट के विस्. तार की योजना बनाई है। गा. ैरतलब है कि अप्रैल 2017 तक अयोध्या एयरपोर्ट का विकास दो चरणों में करने की योजना थी। इसके लिए हुए टेक्नो इक्नोमिक सर्वे में पहले चरण में एटीआर–72 विमानों के लिए विकसित किया जाना था। इसमें रन–वे की लंबाई 1680 मीटर रखी जानी थी। दूसरे चरण में ए–321,200 सीटर विमानों के संचालन के लिए एयरपोर्ट विक. सित होना था। इसमें रन–वे की लंबाई 2300 मीटर प्रस्तावित थी। बाद में मुख्यमंत्री योगी ने एयरपोर्ट को बोइंग–777 विमानों के योग्य बनाने और उसका नाम बदलने की घोषणा की थी। इसके बाद भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने पिछले साल पांच मई को भौतिक सर्वे करने के बाद संशोधित रिपोर्ट प्रस्तुत किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक पहले चरण में ए–321 विमानों के संचालन के लिए 463.10 एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी। इसमें रन–वे की लंबाई 3,125 मीटर और चौड़ाई 45 मीटर होगी। दूसरे चरण में बाइंग 777 जैसे बड़े विमानों के संचालन के लिए 122.87 एकड़ जमीन की अतिरिक्त आवश्यकता होगी। इसमें रन–वे की लंबाई 3,750 मीटर और चौड़ाई 45 मीटर होगी। वहीं, एयरपोर्ट के संचालन व सुरक्षा से जुड़े कर्मचारियों के आवासीय क्षेत्र के लिए आसपास 15 एकड़ भूमि की जरूरत बताई गई। इस तरह एयरपोर्ट के लिए कुल 600 एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गैर कानूनी तौर पर जमीन हड़पकर दूसरों को बेचने वाले भूमाफियाओं के खिलाफ सरकार का बड़ा कदम

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुजरात में सामान्य नागरिक, किसान, सरकारी या स्थानीय संस्था या सार्वजनिक ट्रस्ट या धर्म स्थानों के मालिकों की जमीन या संपत्ति को धोखे से हड़पने वाले भूमाफिया तत्वों के खिलाफ सख्ती से पेश आने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री ने इसके लिये भारतीय पंजीकरण अधिनियम 1908 के कुछ प्रावधानों में सुधार कर गुजरात संशोधन विधेयक 2020 को विधानसभा में प्रस्तुत किया है, जो अगले विधानसभा सत्र में चर्चा के बाद मंजूर कर कानून बनाया जायेगा।

इस नए कानून के तहत दस्तावेज पंजीकरण का कार्य सटीक, पारदर्शी और बिना किसी गलती के आसान प्रक्रिया से पूरा किया जाएगा।

इस नए विधेयक के माध्यम से रूपाणी ने जमीन मालिकों की संपत्ति की सुरक्षा की प्रतिबद्धता को सुनिश्चित किया है। वैश्विक विकास को लेकर ऊंची छलांग लगा रहा देश का अग्रणी राज्य गुजरात देश–दुनिया के निवेशकों, उद्योगों, व्यापार–रोजगार वगैरह के लिये सर्वोच्च पसंद बन गया है।

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी के नेतृत्व में गुजरात में आर्थिक, सामाजिक, व्यापारिक और कृषि की गतिविधियों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

इन सभी गतिविधियों में वृद्धि के कारण जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करने के लिये जमीन की मांग में भी लगातार वृद्धि हो रही है और इसके कारण जमीन के बजार मूल्य में भी बढ़ोतरी हुई है।

जमीन के लेन–देन के साथ जुड़े कुछ लोग बुरी नीयत और निजी स्वार्थ का लाभ लेने के उद्देश्य से ऐसी परिस्थिति का फायदा उठाते हैं। ऐसे लोग गैर कानूनी तरीके जैसे जबरदस्ती,

धमकी, ब्लैकमेलिंग या नकली दस्तावेज बनाकर जमीन हड़प लेते हैं और जमीन के स्वामित्व का गैर कानूनी हक प्राप्त कर लेते हैं।

कुछ घटनाओं में यह भी देखा गया है कि ऐसे आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोग कुछ प्रशासनिक कर्मचारियों से मिलीभगत कर नकल दस्तावेज बनाकर दूसरों की जमीन को हड़प कर या तो उसे बेच देते हैं या फिर उसे किराए पर दे देते हैं।

राज्य सरकार को ऐसी कई शिकायतें मिली हैं जिसमें ऐसे आपराधिक तत्व किसी सामान्य नागरिक, किसान भाई या फिर धार्मिक व शैक्षणिक संस्थाओं या फिर अन्य सार्वजनिक संस्थाओं की जमीन को हड़प लेते हैं

और उसे गैर कानूनी तरीके बेच देते हैं। जमीन हड़पने से संबंधित सभी गतिविधियों पर पूर्ण लगाम लगाने और संपत्तिधारकों के हितों की रक्षा के लिए गुजरात सरकार आगे आई है।

राज्य सरकार ने अब जमीन के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाते हुए इसे ऑनलाइन करने का फैसला किया है। ऑनलाइन की इस प्रक्रिया को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि सामान्य नागरिक या कोई भी संपत्तिधारक व्यक्ति या संस्था अपनी संपत्ति के दस्तावेजों को किसी वकील या दस्तावेज बनाने वालों की मदद लिए बिना स्वयं ही ऑनलाइन ड्राफ्ट कर सके और उसमें बदलाव भी वह स्वयं कर सके।

इस महत्वपूर्ण कदम से संपत्तिधारकों के न केवल उस फीस की बचत होगी जो उन्हें वकील या दस्तावेज निर्माता को देनी पड़ती थी बल्कि इससे जालसाजी या नकली दस्तावेज या फिर संपत्ति के कागजों की हेरा–फेरी की संभावना भी लगभग समाप्त हो जाएगी।

इस नए विधेयक के तहत पंजीकरण के लिए आवेदनकर्ता को इस बात का सबूत देना होगा कि वह व्यक्ति ही उस संपत्ति का मालिक है। इस प्रावधान से पावर ऑफ अटर्नी का दुरुपयोग करने वाले भूमाफियाओं पर पूर्णतः लगाम लग जाएगी।

सबूत के लिए दिए जाने वाले दस्तावेजों में कृषि की जमीन के लिये 7/12 और सिटी सर्वे की जमीन के लिये प्रॉपर्टी कार्ड जैसे दस्तावेज शामिल हैं जिन्हें पंजीकरण आवेदनकर्ता को सबूत के तौर पर प्रशासन को देना होगा।

राज्य सरकार या स्थनीय प्रशासन की संपत्ति को बेचने या किसी दूसरे व्यक्ति या संस्था को ट्रांसफर करने या इसे लीज पर देने हेतु आवश्यक दस्तावेजों के लिए इस संशोधित विधेयक में स्पष्ट रूप से प्रावधान किए गए हैं। इस प्रावधान के अनुसार अधिकृत संस्था या व्यक्ति को जमीन बेचने, ट्रांसफर करने या लीज पर देने से संबंधित दस्तावेजों के पंजीकरण से पहले अधिकृत अधिकारी से अनुमति लेना जरूरी किया गया है।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने प्रवर्तमान भारतीय पंजीकरण अधिनियम 1908 में तीन नई कॉलम शामिल करके शिक्षा और दंड के प्रावधानों को भी अधिक व्यापक बनाया है।

नए विधेयक के तहत इलेक्ट्रॉनिक साधनों से रजिस्ट्रेशन करने के लिये धोखा देने वाले व्यक्ति या पॉवर ऑफ अटर्नी का दुरुपयोग करने वाले व्यक्ति को 7 साल की कैद या संपत्ति के बाजार मूल्य के समकक्ष आर्थिक दंड या फिर दोनों सजा का प्रावधान किया गया है।

गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य के सामान्य नागरिक, किसानों, निजी या सार्वजनिक संस्था के हितों की रक्षा के लिये लैंड ग्रेबिंग प्रोहिबिशन एक्ट, जुआ–दारू–सायबर क्राईम–साहूकारी–ब्याज की गैरकानूनी वसूली–यौन उत्पीड़न–गौवंश की हत्या आदि के खिलाफपासा कानून में संशोधन कर चुके हैं। साथ ही, गुजरात सरकार राज्य में शांति, सलामती और सुरक्षा को पूर्णतः सुनिश्चित करने के लिए गुंडों के खिलाफ अध्यादेश भी लाई है।

कानूनों में संशोधन और अध्यादेश के बाद अब श्री रूपाणी ने एक कदम और आगे बढ़ाते हुए दस्तावेज पंजीकरण अधिनियम में सुधार कर इसमें धोखाधड़ी और नकली दस्तावेज की संभावना को समाप्त करते हुए सख्त सजा का प्रावधान करके पारदर्शी, भ्रष्टाचारमुक्त और संवेदनशील शासन की प्रतिबद्धता को दर्शाया है। गुजरात को उत्तम से सर्वोत्तम बनाने के लिए गुजरात सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और इसके लिए यह जरूरी है कि आज के समय के भ्रष्टाचारियों, अपराधियों, असामाजिक तत्व और भूमाफियाओं पर चारों ओर से लगाम लगाया जाए। पिछले कुछ दिनों से गुजरात सरकार द्वारा लगातार आपराधिक कानूनों में संशोधन यह दिखाता है कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और गुजरात सरकार उत्तम से सर्वोत्तम गुजरात के निर्माण की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

एक तरह कानून बन रहा हैं तो दूसरी ओर सरकार के कर्मचारी उसकी अवहेलना आखिर क्यों कर रहे है?

सुरत मनपा के उधना ज़ोन में यह कार्यरत अवैध निर्माणाधीन बांधकाम को पूरा कराने के लिये जमीन आसमान एक किया गया हैं आखिर ?

शादी की लालच देकर युवक ने युवती से किया दुष्कर्म

भावनगर के कुंभारवाडा में रहनेवाले युवती को शादी की लालच देकर जबरन शारीरिक संबंध बनाए।

20 दिन पुरानी यह घटना तब सामने आई युवती की माता के पुलिस थाने में युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई।

रिपोर्ट के मुताबिक 20 दिन पहले शिकायतकर्ता की पुत्री भावनगर के बोरतालाब इस्कोन क्लब के निकट गई थी।

उस वक्त अजय नामक युवक ऑटो रिक्शा लेकर वहां पहुंच गया।

अजय ने शादी की लालच देकर युवती को बहला फुसलाकर ऑटो रिक्शा में बिठा लिया और उसके बाद उसे बोर तालाब के पीछे बबूल की झाडियों में ले गया।

जहां डरा धमका कर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए।

बाद में युवती को किसी को कुछ बताया तो बदनाम करने की धमकी दी और वहां से फरार हो गया।

युवती की माता की शिकायत के आधार पर बोरतालाब पुलिस ने अजय सोलंकी के खिलाफ दफा 376(1), 506(1) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

पीएम मोदी के दौरे से पहले स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को कोरोना मुक्त करने का अभियान

अहमदाबाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 31 अक्टूबर को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी आनेवाले हैं और उनके आगमन से पहले स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को कोरोना मुक्त करने का अभियान शुरू किया गया है।

इसके अंतर्गत यहां काम करने वाले 2800 कर्मचारियों का कोविड 19 के टेस्ट के लिए मेगा कैम्प का आयोजन किया गया है। इन सभी लोगों का आरटी–पीसीआर टेस्ट किया जा रहा है। नर्मदा निगम और सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय एकता ट्रस्ट द्वारा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, नर्मदा डैम और जंगल सफारी इत्यादि स्थलों पर कार्यकर कर्मचारियों का टेस्ट का आयोजन किया गया है।

केवडियाँ कॉलोनी में 10 अलग अलग केन्द्रों पर कोविड 19 टेस्ट किया जाएगा।

इन केन्द्रों पर सरदार सरोवर नर्मदा निगम, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, वन विभाग केवडिया, गुजरात पर्यटन विकास निगम, जीएसईसीएल, जिला कलेक्टर कचहरी, एल एन्ट टी और टर्नर के सभी कर्मचारी और अधिकारियों को कोरोना टेस्ट किया जाएगा। आज 2800 कर्मचारियों का कोरोना टेस्ट किया गया है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सीईओ मनोज कोठारी के मुताबिक आगामी 31 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी आनेवाले हैं।

साथ ही पर्यटकों के लिए भी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी खोला जाना है। ऐसे में कोरोना संक्रमण न फैले, इसके लिए सभी कर्मचारियों और अधिकारियों का कोरोना टेस्ट किया जा रहा है।

बगैर हेल्मेट दुपहिया चलाने वालों की अब खैर नहीं, देना होगा तगड़ा जुर्माना

अहमदाबाद शहर समेत राज्यभर में आज से बगैर हेल्मेट दुपहिया वाहन चलाने वालों की खैर नहीं हैं।

9 सितंबर से 20 सितंबर तक राज्यभर में हेल्मेट संबंधी स्पेशल ड्राइव चलाने का आदेश दिया गया है। साथ ही हेल्मेट ड्राइव की नियमित रिपोर्ट देने का आदेश दिया गया हैं।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि वाहन चालकों से पुलिस या आरटीओ आवश्यक दस्तावेज मांगे तो उसे मुहैया कराना होगां। यह दस्तावेज केन्द्र सरकार द्वारा मान्य डिजीटल लॉकर या एम परिवार एप के जरिए भी दिखाए जा सकते हैं। जिसके पास डिजीटल डाक्यूमेंट होंगे उनसे पुलिस या आरटीओ कोई जुर्माना नहीं कर सकेगा।गुजरात में मास्क नहीं पहनने पर 1000 रुपए और हेल्मेट नहीं लगाने पर रु. 500 का जुर्माना होगा। 20 सितंबर तक राज्यभर में ट्रैफिक पुलिस ने विशेष अभियान चलाने का आदेश दिया गया है। जुर्माने की बात करें तो लाइसंस, बीमा और पीयूसी नहीं होने पर पहली बार रु. 500, दूसरी दफा 1000 रुपए जुर्माना देना होगा। जबकि शीशे पर डार्क फिल्म लगाने पर पहली बार रु. 500 और दूसरी बार रु. 1000, वाहन चलाते समय मोबाइल के उपयोग पर पहली बार रु. 500 और दूसरी बार रु. 1000 का जुर्माना लगेगा। 16 सितंबर से नए सुधार के मुताबिक वाहन चालकों को नियमों का पालन करना होगा। जिसमें डिजीटल डाक्यूमेंट बताने हार्ड कॉपी की जरूरत नहीं होगी। बगैर लाइसंस वाहन चलाने पर मालिक एवं चालक दोनों को रु. 3000 जुर्माना, सार्वजनिक जगहों पर रेस करने पर पहली दफा रु. 5000 और दूसरी बार रु. 10000 जुर्माना लगेगा।

हेल्मेट नहीं पहनने पर रु. 500 का जुर्माना, आरसी बुक या बीमा नहीं होने पर रु. 500 का जुर्माना, दूसरी दफा पकड़े जाने पर रु. 1000 जुर्माना देना होगा। सीट बेल्ट के बगैर वाहन चलाने पर रु. 500 जुर्माना लगेगा।

कोरोना के उन्नत इलाज और नियंत्रण के व्यापक उपायों से गुजरात बना रोल मॉडलः मुख्यमंत्री

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज राजकोट के कोविड और कैंसर मरीजों के लिए स्वास्थ्य सेवा संबंधित चार प्रकल्पों का ई–लोकार्पण कर कोरोना की वैश्विक महामारी में गुजरात के नागरिकों को मेडिकल क्षेत्र के नए अविष्कारों और संशोधन के जरिए अद्यतन उपचार सुविधा मुहैया कराने की मंशा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल की अध्यक्षता में गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राजकोट के कैंसर केयर एंड रिसर्च हॉस्पिटल का ऑनलाइन लोकार्पण किया। इसके साथ ही सौराष्ट्र कैंसर हॉस्पिटल में आधुनिक उपकरणों की सुविधा से लैस 200 बिस्तरों वाले कोविड हॉस्पिटल, पंडित दीनदयाल उपाध्याय हॉस्पिटल में

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के उपचार के लिए अब मेट्रो सिटी में नहीं जाना पड़ेगा: उप मुख्यमंत्री

कोविड ऑटोप्सी सेंटर, राज्य के फिजियोथेरेपी कॉलेजों में पोस्ट कोविड कार्डियक और पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा सौराष्ट्र कैंसर हॉस्पिटल में आधुनिक लीनियर एक्सीलरेटर व सिटी सिम्यूलेटर मशीनों का डिजिटली लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने साफ कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के खिलाफ जंग में गुजरात चिकित्सकों और लोगों के सहयोग से संक्रमण की रोकथाम में काफी हद तक सफल रहा है। कोरोना के अत्याधुनिक उपचार और निदान के व्यापक कार्य के चलते गुजरात राष्ट्रीय स्तर पर रोल मॉडल के रूप में स्थापित हुआ है। रूपाणी ने गुजरात सरकार की ओर से कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए कहा कि गुजरात का रिकवरी रेट (मरीज के स्वस्थ होने की दर) 82 फीसदी हो गया है जबकि मृत्यु दर जो पहले 7 फीसदी थी, वह अब घटकर 2.9 फीसदी पर पहुंच गई है। वहीं, पॉजिटिविटी रेट यानी परीक्षण के बाद लोगों के पॉजिटिव निकलने की दर 10 फीसदी से घटकर 3.5 फीसदी हो गई है। उन्होंने कहा कि राजकोट शहर में कोरोना के उपचार के लिए केवल एक सप्ताह में स्थापित किए गए 200 बिस्तरों वाले हॉस्पिटल के कारण अब कोरोना के किसी भी मरीज को उपचार में मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा। राजकोट में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की भी सहूलियत है और वर्ष 2022 से पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना भी हो जाएगी। इसलिए आगामी दिनों में राजकोट सहित समूचे सौराष्ट्र में श्रेष्ठ स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही सुलभ होंगी। राजकोट जिले में कोरोना संक्रमण को काबू करने राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन के समन्वय और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में प्रभावी रूप से कार्य हो रहा है। मेडिकल क्षेत्र में संशोधन के मामले में गुजरात के अग्रणी होने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजकोट में शुरू हुआ देश का दूसरा कोविड ऑटोप्सी सेंटर कोरोना संक्रमित मृत शरीर

राजकोट में कोविड और कैंसर मरीजों की सघन स्वास्थ्य सेवा संबंधित चार प्रकल्पों का ई–लोकार्पण

के अंगों पर पड़ने वाले प्रभाव को जानने और उसके पृथक्करण अभ्यासों के माध्यम से इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील कोरोना संक्रमित, एपोलो अस्पताल में भर्ती

अहमदाबाद गुजरात प्रदेश भाजपा के प्रमुख और सांसद सीआर पाटील की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद गांधीनगर के एपोलो अस्पताल में उनका उपचार किया जा रहा हैं।

पिछले दो दिन से चर्चा थी कि सीआर पाटील को कोरोना हुआ है, लेकिन रिपोर्ट को लेकर असमंजस थी।

बीते दिन पाटील का एन्टिजन टेस्ट नेगेटिव आया था।

लेकिन आज पाटील का आरटीपीसीआर टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्होंने एपोलो अस्पताल में दाखिल किया गया हैं। सीआर पाटील का पांच दिन एपोलो अस्पताल उपचार होगा।

सीआर पाटील की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद गोरधन झड़फिया समेत भाजपा के अन्य नेता कोरन्टाइन हो गए हैं।

बता दें कि गुजरात प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद सीआर पाटील लगातार राज्य का दौरा कर रहे हैं।

सौराष्ट्र के बाद उत्तरी गुजरात की यात्रा कर रहे हैं।

मंत्री और संगठन के पदाधिकारियों के साथ लगातार मुलाकातों में व्यस्त हैं। खासकर उनकी रैलियों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करने से अब तक कई नेता कोरोना संक्रमित हो चुके हैं।

भाजपा के जो पदाधिकारी और कार्यकर्ता रैली में शामिल हुए थे, उनमें कई लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई हैं।

गुजरात विधानसभा का मानसून सत्र 21 सितंबर से 25 सितंबर तक चलेगा

अहमदाबाद गुजरात विधानसभा का पांच दिवसीय मानसून सत्र आगामी 21 सितंबर से प्रारंभ होगा।

कैबिनेट की बैठक के बाद गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मानसून सत्र 5 दिन होगा। कोरोना संकट के बीच आयोजित विधानसभा सत्र में महत्वपूर्ण फेरबदल किया गया है।

मानसून सत्र में 5 दिन प्रति दिन 10 घंटे विधानसभा की कार्यवाही होगी। सत्र के दौरान विधायक की बैठक व्यवस्था में मुख्य होल के अतिरिक्त प्रेक्षक गैलरी में भी विधायकों के बैठने की व्यवस्था होगी। जाड़ेजा ने बताया कि मानसून सत्र में 54 प्रकार के विभिन्न कानून और कानून सुधार विधेयक विधानसभा में पेश किए जाएंगे। जिसमें भूमाफियाओं के खिलाफ लैन्ड ग्रेबिंग एक्ट, पासा संशोधन कानून, गुंडा एक्ट, राजस्व पंजिकरम एक्ट जैसे संशोधन इत्यादि विधेयक शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि मानसून सत्र के दौरान कोरोना वॉरियर्स के सम्मान किया जाएगा।

सत्र के दौरान सोशल डिस्टेंस को ध्यान में रखते हुए बैठक व्यवस्था की जाएगी। विधानसभा सत्र से पहले मुख्यमंत्री से लेकर सभी विधायकों, अधिकारी, पत्रकार, सुरक्षा अधिकारी समेत विधानसभा स्टाफ का कोविड टेस्ट किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहाड़ों की चादर ओढ़े मेघालय

शिलांग भारत के उत्तर–पूर्वी राज्य मेघालय की राजधानी है। भारत के पूर्वोत्तर में बसा शिलांग हमेशा से पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। इसे भारत के पूरब का स्कॉटलैण्ड भी कहा जाता है। पहाड़ियों पर बसा छोटा और खूबसूरत शहर पहले असम की राजधानी था। असम के विभाजन के बाद मेघालय बना और शिलांग वहां की राजधानी। लगभग 1695 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस शहर में मौसम हमेशा खुशगवार बना रहता है। मानसून के दौरान जब यहां बारिश होती है, तो पूरे शहर की खूबसूरती और निखर जाती है और शिलांग के चारों तरफ के झरने जीवंत हो उठते है।

शिलांग के अधिकांश लोग खासी नामक जनजाति के हैं। इस जनजाति? के ज्यादातर लोग ईसाई धर्म को मानने वाले हैं। खासी जनजाति के बारे में दिलचस्प बात यह है कि इस जनजाति में महिला को घर का मुखिया माना जाता है। जबकि भारत के अधिकांश परिवारों में पुरुष को प्रमुख माना जाता है। इस जनजाति में परिवार की सबसे बड़ी लड़की को जमीन जायदाद की मालकिन बनाया जाता है। यहां मां का उपनाम ही बच्चे अपने नाम के आगे लगाते हैं।

चेरापुंजी भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय का एक शहर है। यह शिलांग से 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह स्थान दुनिया भर में मशहूर है। हाल ही में इसका नाम चेरापूंजी से बदलकर सोहरा रख दिया गया है। वास्तव में स्थानीय लोग इसे सोहरा नाम से ही जानते हैं। यह स्थान दुनियाभर में सर्वाधिक बारिश के लिए जाना जाता है। इसके नजदीक ही नोहकालीकाई झरना है, जिसे पर्यटक जरूर देखने जाते हैं। यहां कई गुफा भी हैं, जिनमें से कुछ कई किलोमीटर लम्बी हैं। चेरापूंजी बांगलादेश सीमा से काफी करीब है, इसलिए यहां से बांगलादेश को भी देखा जा सकता है।

ऐसा नहीं है की जब भी आप को अपनी छुट्टियाँ मज़ेदार बनानी हो आप गोवा या किसी हिल स्टेशन की ओर निकल पड़ें। भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में भी आपको बेहद सुकून और शांति के अहसास का आनंद मिल सकता है । जी हाँ, अगर आप को माइंड रिफ्रेश करना हो और कुछ दिनों के लिए आप भाग दौड़ से दूर स्ट्रेस फ्री मूड में रहना चाहते हैं तो मेघालय से अच्छी कोई जगह हो ही नहीं सकती।

मेघालय यानि 'बादलों का घर', जिसका नाम ही इतना ताज़गी भरा हो सोचिये ज़रा वो जगह भी कितनी शानदार होगी। मेघालय में जो रुहानी राहत और मानसिक शांति मिलती है वो तो बस अनमोल ही है। यहाँ की मनोरम वादियाँ देख कोई भी इसकी खूबसूरती का कायल हुए बिना नहीं रह पायेगा। मेघालय की प्राकृतिक सुन्दरता ही है जो पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है। यहाँ का वातावरण भी बहुत ही मनमोहक और ताज़गी से भरपूर होता है। बारिश के दिनों में तो वर्षा से भरे बादलों के बीच मेघालय की पहाड़ियां बहुत दिल लुभावनी दिखाई देती हैं।

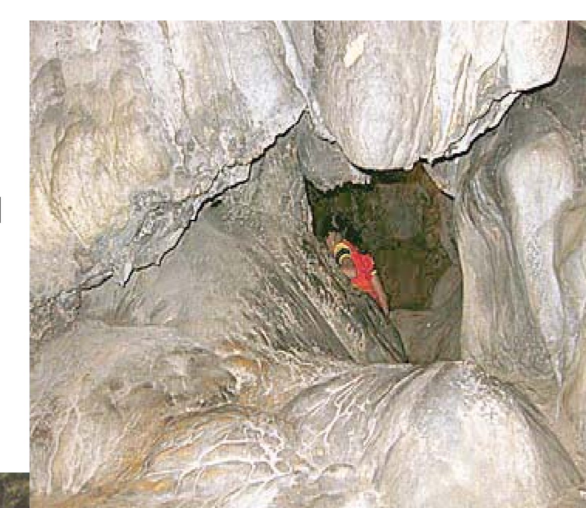

मेघालय में घूमने के लिए बहुत सी शानदार जगहें हैं जहाँ प्रकृति की असली सुन्दरता बहुत ही भव्य रूप में नज़र आती है।

शीतल शिलॉंग

मेघालय का कैपिटल शिलॉंग पर्यटकों का सबसे महत्वपूर्ण टूरिज्म डेस्टिनेशन है। और भला ऐसे कैसे हो सकता है कि आप भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में जायें और शिलॉंग न देखें । शिलॉंग जाये बिना तो आपके घूमने का मज़ा अधुरा ही रह जायेगा। शिलॉंग की लाजवाब खूबसूरती और यहाँ की ऊँची-ऊँची पहाड़ियां आप का दिल चुरा लेंगी। शिलॉंग जाने के लिए बारिश का मौसम बहुत ही उत्तम होता है। शिलॉंग की किसी पर्वत चोटी पर खड़े हो कर पूरे शहर का अद्वितीय नज़ारा लिया जा सकता है। शिलॉंग में अनेक मनोरम स्थल हैं जिन में वार्ड लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड और मिनी चिड़ियाघर प्रमुख हैं। लेकिन यहाँ पर सबसे ज़्यादा प्रसिद्द है एलीफैंट वाटर फॉल जो बहुत ही खूबसूरत है और साथ ही यहाँ पर लोग एयर बैलून का भी पूरा लुत्फ़ उठाते हैं।

चंचल चेरापूंजी

चेरापूंजी नाम सुनते ही बचपन में पढ़ा जियोग्राफी का वो चैप्टर याद आ जाता है ना जिसमे हमने पढ़ा था 'चेरापूंजी में सबसे ज़्यादा बारिश होती है'। सोचिये कितना रोमांच भरा होगा ऐसी जगह को हकीकत में देखना । चेरापूंजी पर्यटकों का फेवरेट स्पॉट है। चेरापूंजी में माकडॉक और डिमपेप घाटी का दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। चेरापूंजी की बारिश की बूंदे तन-मन को ऐसे भिगो देंगी की दिल ताज़गी से भर उठेगा। चेरापूंजी का सबसे आकर्षक स्थान है नोहकलिकाई झरना। हजारों फीट ऊपर से गिरता यह दूधिया सफ़ेद झरना बहुत ही मनमोहक और खूबसूरत है। इसके अलावा चेरापूंजी का माउलंग सीम पीक एक ऐसा

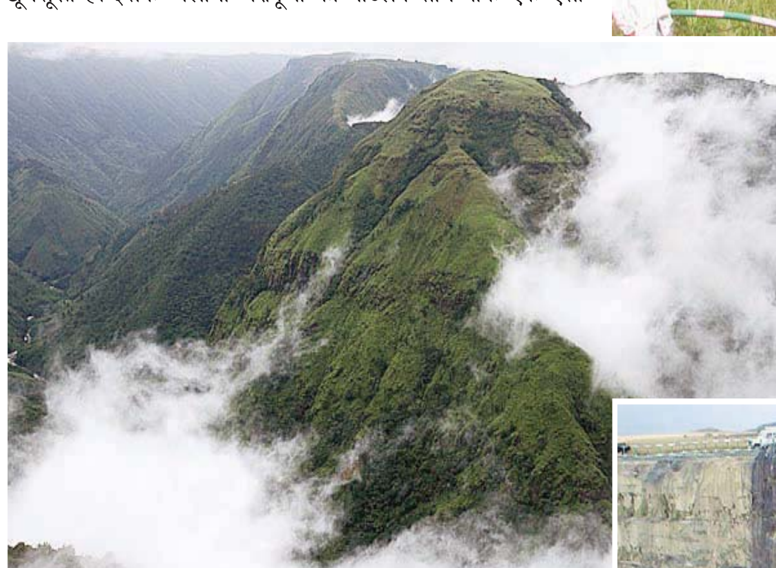

स्थान है जो यात्रियों के लिए रहस्य, रोमांच, साहस और सौंदर्य से भरा हुआ है। दूर एक हज़ार मीटर ऊंचाई से गिरता झरना, घने वृक्षों से घिरा जंगल, बादलों के पास बसा बांग्लादेश यहां से दिखाई देता है।

मेघालय में पाई जाने वाली गारो पहाडियों में तो मानसून के मौसम में घूमने का मज़ा दोगुना हो जायेगा। मानसूनी सीजन के वक्त यहाँ बादल हमेशा बने रहते हैं। खासी और जेंतिया पहाड़ी की ऊंचाई पर एक विशेष प्रकार का मौसम रहता है, जिसमें हल्की ठंडक हद्द्द्धह्लद्ध है। विंटर में यहां तेज़ सर्दी पड़ती है। इसके साथ ही रामकृष्ण का मंदिर, नोखालीकाई वॉटर फॉल, वेल्श मिशनरियों की दरगाहें, ईको पार्क, डबल ड्रेकर रूट ब्रिज और चेरापूंजी मौसम विभाग वैधशाला देखने लायक स्थान हैं। चेरापूंजी में होने वाली तेज़ बारिश से यहाँ की चट्टानों में दरार पड़ गई है और सभी ढलानों पर झरने का दृश्य बेहद मनोरम है।

मेघालय देश के उत्तरी पूर्व क्षेत्र का खूबसूरत राज्य है जिसे देख कर लगता हैं मानो इसने पहाड़ की चादर ओढ़ रखी हो। इस राज्य का एक तिहाई हिस्सा घने जंगलों से भरा है। इस

राज्य को पूरब का स्काटलैंड कहा जाता है। यहां पूरे देश के मुकाबले बहुत ज्यादा बारिश होती है।

मेघालय बायोडाइवरसिटी यानी जैविक विविधता से भरपूर है। यहां पौधे, जीव-जन्तु और पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। मेघालय में खेती में प्राथमिकता दी गई है। यहां की मुख्य फसलें हैं- केला, मक्का, अनानास, आलू और चावल। मेघालय की शिलांग चोटी को यहां के निवासी भगवान का निवास स्थल मानते हैं।

पर्यटकों का यहां हर समय तांता लगा रहता है। इस राज्य की खूबसूरती और इसके मनमोहक दृश्य के कारण पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यहां तीन वाइल्ड लाइफ सैंक्चुरी और दो नेशनल पार्क हैं। ट्रैकिंग, हाइकिंग और पर्वतारोहण के दीवानों के लिए यह जगह बेहतर है। यहां यूमियान लेक में वॉटर स्पोर्ट्स का मजा लिया जा सकता है। यहां के लोगों में वॉटर स्पोर्ट्स काफी लोकप्रिय है।

चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से बनी लगभग 500 गुफाएं यहां मौजूद हैं। जिनमें से कुछ ऐसी भी हैं, जो देश की सबसे लंबी और गहरी गुफा है। ये गुफाएं देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इस राज्य का सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल है चेरापूंजी। यहां के अद्भुत प्राकृतिक दृश्य पूरे उत्तरी-पूर्व भारत में सबसे अनोखे और दर्शनीय हैं।

यहां कई वाटरफॉल हैं। जैसे शेदेथम फॉल्स, विनिया फॉल्स, एलिफेंट फाल्स, नोहकालीलाई, स्वीट फॉल्स, विशप्स फाल्स और लैंगशियांग फॉल्स। इन झरनों की खूबसूरती देखते बनती है। मेघालय को खैसिस, जैंटिया और गैरो हिल्स के अनुसार विभिन्न भागों में बांटा गया है। यहां कई नदियां हैं, जिनमें कुछ मौसमी हैं। इनमें से कुछ नदियां खूबसूरत वाटरफॉल बनाती हैं।

मेघालय घूमने का सबसे अच्छा मौसम है गर्मियां। वैसे आप मेघालय कभी भी जाएं गर्म कपड़ों की जरूरत हमेशा पड़ती है। सड़क, रेल और हवाई यातायात के साथ यहां हेलिकॉप्टर सेवा भी उपलब्ध है, जो शिलांग से गुवाहाटी को जोड़ती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वायरल हुआ तापसी पन्नू का ट्वीट, कहा- किसी को इतना भी मत डराओ कि डर ही खत्म हो जाए...

एक अन्य ट्वीट के कारण तापसी पन्नू (Taapsee Pannu) को ट्रोल भी किया गया था, जब उन्होंने रिया चक्रवर्ती के सपोर्ट में ट्वीट किया था.

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू (Taapsee Pannu) इन दिनों अपने ट्वीट्स के कारण सुर्खियों में बनी हुई हैं. तापसी ने रविवार को एक और ट्वीट किया, जो अब खूब वायरल हो रहा है. तापसी ने अपने इस ट्वीट में लिखा, किसी को इतना भी मत डराओ कि डर ही खत्म हो जाए... और जिसको डर नहीं होता न उससे थोड़ा डरना चाहिए. वहीं, ट्विटर पर लोगों को ऐसा लग रहा है कि तापसी ने ये ट्वीट फिर से दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की गर्लफ्रेंड रहीं रिया चक्रवर्ती के सपोर्ट में किया है.

तापसी के इस ट्वीट पर लोग अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं. इससे पहले तापसी ने ट्वीट करते हुए लिखा था, प्रत्येक महिला जो अपने से अधिक सक्सेसफुल पुरुष के साथ है, वह गोल्ड डिगर नहीं होती. फिलहाल सच्चाई और जांच एजेंसियां अपना काम कर रही है. एक समय में एक ही कदम.

वहीं, एक अन्य ट्वीट के कारण तापसी को सोशल मीडिया पर ट्रोल भी किया गया था, जब उन्होंने रिया चक्रवर्ती के सपोर्ट में ट्वीट करते हुए लिखा था, व्यक्तिगत तौर पर मैं न तो सुशांत को जानती हूं और न ही रिया को, लेकिन इतना जरूर जानती हूं कि न्यायपालिका से पहले किसी को दोषी साबित करना गलत है. कानून पर विश्वास करो.

बता दें, सुशांत सिंह राजपूत केस से जुड़े ड्रग्स मामले में रिया चक्रवर्ती से आज फिर पूछताछ हो रही है. सुत्रों की मानें तो, रिया और बाकी आरोपियों का आज आमना-सामना कराया जा सकता है.

ड्रग्स चैट मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) ने रविवार को रिया चक्रवर्ती से साढ़े छह घंटे पूछताछ की थी. एनसीबी के सामने पूछताछ में रविवार को रिया चक्रवर्ती ने दावा किया था कि सुशांत ड्रग्स लेते थे. दूसरी बड़ी बात रिया ने दावा किया कि सुशांत वीड यानी चरस लेते थे.

गुरु दत्त की बायोपिक को लेकर फिल्मकार भावना तलवार ने किया ये बड़ा खुलासा

नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्मकार भावना तलवार (Bhavna Talwar) दिवंगत प्रतिष्ठित फिल्म निर्माता व अभिनेता गुरु दत्त की बायोपिक (Guru Dutt's biopic) का निर्देशन करने के लिए तैयार हैं. बायोपिक का शीर्षक प्यासा है. तलवार अपनी फिल्म के लिए कलाकारों को चुनने की प्रक्रिया में हैं.

दत्त का जीवन गहन और जटिल रहा है, इसलिए इस कहानी को लिखने में तलवार को सात साल लग गए. फिर भी इस बायोपिक को वेब सीरीज फॉरमेट में बताने की बजाय, उन्होंने विस्तृत कहानी को फीचर फिल्म के तौर पर पेश करने का विकल्प चुना है. छोटे पर्दे में नहीं दिखा सकते तलवार ने कहा, उनका व्यक्तित्व लार्जर दैन लाइफ की तरह था और मात्र 10 सालों के भीतर ही उन्होंने एक फिल्म निर्माता के तौर पर सफलता, अभिनेता के तौर पर सफलता, अपने सिनेमा की व्यावसायिक सफलता, एक अभिनेता के रूप में अपने प्रशंसकों की प्रशंसा और गीता दत्त के साथ लगाव और फिर पत्नी के तौर पर उन्हें पाना, सब कुछ पा लिया था. हालांकि इसके साथ ही उन्होंने दुख भी देखा. आप इसे छोटे पर्दे में नहीं दिखा सकते हैं. यह एक फीचर फिल्म प्रारूप के योग्य है.

रिसर्च में सात साल लग गए

उन्होंने आगे कहा, कहानी को 10 घंटे की कहानी के तौर पर पेश करने की आवश्यकता नहीं है. उनकी यात्रा आकर्षक है और बड़े पर्दे पर दिखाने के काबिल है. विस्तृत शोध कार्य के लिए मुझे सात साल लग गए, और एक आकर्षक कहानी लिखने के लिए कई विचार-विमर्श हुए, जो न सिर्फ मुझे और मेरी टीम को, बल्कि एक नई पीढ़ी के दर्शकों को भी पसंद

आएगी और वे फिल्म देखने के लिए थिएटर जाना चाहेंगे.

अपनी फिल्म में भावना ने गुरु दत्त को एक टेलीफोन ऑपरेटर से भारतीय सिनेमा के एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में परिवर्तित होने के सफर को दिखाया है. उन्होंने आगे कहा, एक दिलचस्प बात यह है कि कैसे उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन आपस में जुड़ गए. गीता दत्त से उनकी मुलाकात फिल्म बाजी के दौरान हुई और ये दोनों नवोदित प्रतिभाए स्टार बन गए और शादी कर ली, और उनके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन एक-दूसरे में झलकते नजर आए.

शूटिंग शुरू करने के पहले 3 दिन Deepika Padukone करेंगी ये काम! किया खुलासा

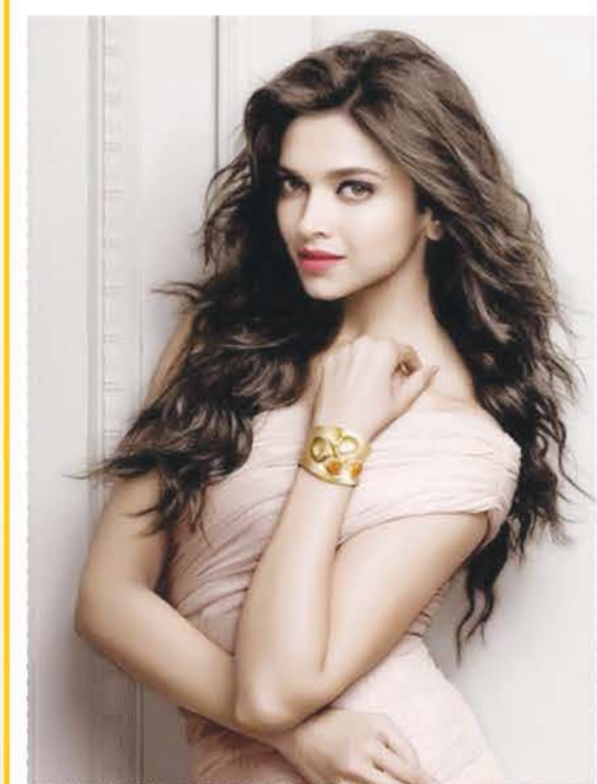

देश ने अब धीरे-धीरे लॉकडाउन को अनलॉक करना शुरू कर दिया है, ऐसे में अन्य कुछ अभिनेताओं की तरह दीपिका पादुकोण (Deepika Padukone) भी न्यू नॉर्मल को अपना रही हैं और सभी आवश्यक सावधानियों के साथ शूटिंग शुरू कर दी है. दीपिका जल्द ही शकुन बत्रा की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करने के लिए गोवा रवाना होने वाली हैं. लेकिन फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले, सूत्रों के अनुसार, 'दीपिका ने अपनी ब्रांड प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए तीन दिन समर्पित किए हैं जो कोविड-19 स्थिति के कारण अटक गए थे. ऐसे में, जब अभिनेत्री अपनी फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगी तो इसके लिए उन्हें समय नहीं मिलेगा और इसीलिए वह यह सब निपटा रही हैं.दीपिका के पास कई प्रतिष्ठित ब्रांड हैं जो उनके साथ वर्षों से जुड़े हुए हैं. यही नहीं, लॉकडाउन में, दीपिका ने एक और बड़े ब्रांड को साइन किया है.

दीपिका पादुकोण इस लॉकडाउन का उपयोग ऑनलाइन नरेशन सुनने और अपनी आगामी भूमिका की तैयारी के साथ कर रही हैं. काम के प्रति उनका समर्पण और उनकी बहुमुखी प्रतिभा ही उन्हें आगे बढ़ने में मदद करती है.आगामी प्रॉजेक्ट्स की बात करे तो, दीपिका के पास शकुन की अगली फिल्म के साथ-साथ 'इंटर्न' का रीमेक और प्रभास के साथ एक फिल्म है जो नाग अश्विन द्वारा निर्देशित एक पैन इंडिया बहुभाषी प्रॉजेक्ट है और साथ ही, वह एक अन्य फिल्म 'द्रौपदी' में भी नजर आएंगी.

वर्कआउट के दौरान टीवी एक्ट्रेस से महिला ने की खुलेआम बदतमीजी

रियलिटी टीवी स्टार और कन्नड़ एक्ट्रेस संयुक्ता हेगड़े (Samyukta Hegde) के साथ एक चौंकाने वाली घटना घटी है. उनके साथ एक महिला ने सार्वजनिक स्थान पर बदतमीजी की. इतना ही नहीं स्पोर्ट्स ब्रा में वर्कआउट कर रहीं एक्ट्रेस संयुक्ता हेगड़े (Samyukta Hegde) के ड्रेस को लेकर महिला ने आपत्ती जताई और बीच पार्क में हाथ उठाने की कोशिश तक कर डाली. एक्ट्रेस ने इस घटना के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं, जिसके बाद बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा (Richa Chadha) भी उनके सपोर्ट में बोल रही हैं.

क्या है मामला

मामला यह है कि संयुक्ता एक पार्क में स्पोर्ट्स ब्रा पहने हुए अपने दोस्तों के साथ वर्कआउट और हुला-हूप की प्रैक्टसि कर रही थीं. इसी बीच एक महिला आती है और उन्हें मारने की कोशश करने लगी. घटना के कुछ वीडियोज संयुक्ता ने सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं. जिनमें हम देख सकते हैं कि कैसे वह महिला अचानक आक्रामक हो जाती है. इन वीडियोज में अंतिम वीडियो में पुलिस मामले को सुलझाती दिख रही है. अब इस पर बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने रिएक्ट किया है.

संयुक्ता ने लिखा लंबा नोट

संयुक्ता ने इस मामले को लेकर इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट लिखा है. जिसमें उन्होंने काफी खुलकर अपने साथ हुए गलत व्यवहार पर बात की है. नोट में उन्होंने लिखा है, %एक लोकतंत्र में रहने और सोशल डिस्टेंसिंग के सभी नियमों का पालन करने के बावजूद, उस महिला और अगारा झील में जमा भीड़ द्वारा हमारे साथ दुर्व्यवहार किया गया, हमें अपमानित किया गया, मजाक उड़ाया गया बस इसलिए कि हम स्पोर्ट्सवियर पहने हुला-हूप की प्रैक्टसि कर रहे थे. विनम्रता से बात करने और समस्या का हल निकालने के बाद भी उस महिला ने मेरी दोस्त को मारा और मेरे और मेरी दोस्त को बुरा भला कहा. ऋचा को आया गुस्सा इस पूरी घटना से ऋचा चड्ढा भी काफी नाराज नजर आ रही हैं. उन्होंने ऐसे लोगों को फटकार लगाते हुए ट्वीट किया, अगर किसी ने आपके हिसाब से कपड़े नहीं पहने हैं तो इसका यह मतलब नहीं कि आप उसे थप्पड़ मार दें या उस पर हाथ उठाएं. दुनिया को और ज्यादा नैतिक पुलिसिंग की आवश्यकता नहीं है खासकर तो खुद को पवित्र मानने वाली आंटियों से, 'सुधर जाएं'. सम्मान दोनों तरफ से दिया जाता है